फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 358 प्रभात जयपुर, बुधवार 30 जुलाई, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBiT

Akbar The Great's Simple Coronation Platform

Bairam Khan wasted no time for Akbar's ascension. Within days of Humayun's death, by midday on Friday the fourteenth of February 1556, Akbar was crowned Emperor of Hindustan. Right here in Kalanaur

Ancient Volcanoes Erupt In Iceland

प्रधानमंत्री से 35 मिनट मीटिंग के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल के परिवर्तन की संभावना पूर्णतया खत्म हुई

भजनलाल जयपुर से अपनी सरकार के निर्णय व क्रियान्वयन की विस्तृत जानकारी देने के लिए कई फाइल्स लाये थे

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 जुलाई। दिल्ली और जयपुर में चल रही इन अटकलों, कि राजस्थान में नेतृत्व परिवर्तन होने वाला है, के विपरीत सूत्रों का कहना है कि फिलहाल भाजपा हाईकमान की ओर से मुख्यमंत्री भजनलाल को हटाकर किसी अन्य को लाने की कोई योजना नहीं है।

- प्रधानमंत्री से 35 मिनट की बैठक के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल ने 5 घंटे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला के कमरे में व्यतीत किये।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने आज सुबह संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से 35 मिनट की मुलाकात की, जिसके बाद उन्होंने संसद भवन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला के कार्यालय में लगभग 5 घंटे बिताए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की।

सूत्रों के मुताबिक, भजनलाल प्रधानमंत्री से मिलने के लिए एक विस्तृत फाइल के साथ पहुंचे, जिसमें उनकी सरकार के फैसले, कार्यवाहियाँ और गतिविधियाँ शामिल थीं। इसका उद्देश्य राज्य में उनके आलोचकों द्वारा लगाये जा रहे अक्षमता के आरोपों और नेतृत्व परिवर्तन की मांगों का जवाब देना था।

यह भी बताया जा रहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे कुछ समय से प्रधानमंत्री से मिलने के लिए समय मांग रही थीं, और जब उन्हें यह समय मिल गया, तो भजनलाल ने भी दिल्ली आने का फैसला किया।

संभवतः उन्हें यह आभास था कि वसुंधरा राजे प्रधानमंत्री से उनके काम-काज की शिकायतें करेंगी, इसीलिए भजनलाल पूरी तैयारी के साथ दिल्ली पहुंचे थे, ताकि वे केन्द्रीय नेतृत्व के सामने अपना पक्ष मजबूती से रख सकें।

दिल्ली में राजस्थान को लेकर चल रही गतिविधियों को देखते हुए, भाजपा सूत्रों का कहना है कि फिलहाल भजनलाल की कुर्सी को कोई खतरा नहीं है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एसआई भर्ती पेपर लीक में सुनवाई जारी

जयपुर, 29 जुलाई। राजस्थान हाईकोर्ट में मंगलवार को एसआई भर्ती-2021 पेपर लीक मामले में सुनवाई जारी रही। जस्टिस समीर जैन ने अदालती समय पूरा हो जाने के कारण मामले की सुनवाई आगामी दिनों के लिए टाल दी।

- हाई कोर्ट का समय पूरा होने तक याचिकाकर्ताओं की बहस पूरी नहीं हुई।

सुनवाई के दौरान, याचिकाकर्ता कैलाशचन्द व अन्य की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मेजर आरपी सिंह और अधिवक्ता हरेन्द्र नील ने पक्ष रखा। याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि भर्ती परीक्षा का पेपर परीक्षा के दिन से काफी पहले ही आरपीएससी से लीक हो गया था। ऐसे में यह व्यापक स्तर पर अभ्यर्थियों के पास पहुंचा था, जिससे भर्ती परीक्षा की सुचिता और शुद्धता भंग हो गई थी। मामले में एसओजी ने आरपीएससी के सदस्यों तथा ट्रेनी एसआई सहित, अन्य लोगों को गिरफ्तार किया है। ऐसे में परीक्षा को रद्द किया जाना चाहिए।

मोदी ने चोल साम्राज्य की गौरव गाथा में उत्साह से शामिल होकर द्रमुक का प्रचार बेअसर किया

द्रमुक अक्सर आरोप लगाती है कि भाजपा तमिलनाडु की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को खत्म करना चाहती है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- प्र.मंत्री की तमिलनाडु यात्रा से अन्नाद्रमुक और भाजपा के बीच में जमीनी स्तर पर आपसी सामंजस्य और परस्पर सौहार्द्र बढ़ा है, खासकर दोनों दलों के कार्यकर्ताओं के बीच संबंध बेहतर बने हैं।
- मोदी के त्रिची में हुए रोड शो की सफलता सुनिश्चित करने में अन्नाद्रमुक के कैडर ने जोरदार प्रयास किए, इससे यह संकेत मिला कि भाजपा के साथ चुनाव लड़ने के बारे में अन्नाद्रमुक में जो अनिच्छा थी वह अब खत्म हो गई है।
- इसके अलावा प्रधानमंत्री ने अन्नाद्रमुक के पूर्व नेता पन्नीरसेल्वम से मिलने से इन्कार करके संकेत दिया कि भाजपा को अन्नाद्रमुक की अंदरूनी खींचतान से कोई लेना-देना नहीं है।

नई दिल्ली, 29 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हाल ही में संपन्न हुई दो दिवसीय तमिलनाडु यात्रा ने भाजपा और अन्नाद्रमुक के रिश्तों में फिर से मधुरता ला दी है। यह दोनों पार्टियाँ अप्रैल 2021 के विधानसभा चुनावों से पहले सीट बंटवारे को लेकर अलग हो गई थीं।

राज्य में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों को देखते हुए, दोनों दलों के बीच के इस मेल-मिलाप को दोनों के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है।

दोनों दलों के बीच बढ़ती निकटता के संकेत तब देखने को मिले, जब ईके पलानीस्वामी (ईपीएस) समेत अन्नाद्रमुक के कई वरिष्ठ नेता, जैसे कि के.पी. मुनुसामी, एस.पी. वेलुमणि और थलैवी सुंदरम, प्रधानमंत्री मोदी से एयरपोर्ट पर मिले।

दिलचस्प बात यह रही कि पूर्व अन्नाद्रमुक नेता ओ. पन्नीरसेल्वम (ओपीएस) को मोदी से मिलने की अनुमति नहीं दी गई। एक अन्नाद्रमुक नेता ने कहा, "मोदी द्वारा पन्नीरसेल्वम से न मिलना भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए यह संकेत है कि भाजपा अगला चुनाव लड़ने में अपने मौजूदा गठबंधन को प्राथमिकता दे रही है।"

राज्य के भाजपा कार्यकर्ता इस बात को लेकर उत्साहित हैं कि मोदी ने 'आदि तिरुवधिरई' महोत्सव में भाग लिया, जो चोल वंश की विरासत को उजागर करता है। यह द्रमुक (डीएमके) के कीलाडी नैरेटिव के मुकाबले एक सशक्त सांस्कृतिक जवाब माना जा रहा है। द्रमुक अक्सर भाजपा पर तमिलनाडु की सांस्कृतिक विरासत को कमजोर करने का आरोप लगाती रही है।

भाजपा कार्यकर्ताओं का कहना है कि मोदी की यात्रा ने भाजपा और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है'

प्र.मंत्री मोदी ने कहा, अगर पाक ने आतंकी हरकत की तो फिर से सैन्य कार्यवाही की जाएगी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा पर अपने 100 मिनट के जवाब में प्र.मंत्री ने कहा, विश्व के किसी भी नेता ने पाक पर सैन्य कार्यवाही रोकने के लिए नहीं कहा था।
- मोदी ने कहा, भारत, न्यूक्लियर अटैक की पाकिस्तान की धमकी से रूकने वाला नहीं है। भारत की प्रतिक्रिया पहले से भी मजबूत व आक्रामक होगी।

नई दिल्ली, 29 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को पाकिस्तान को सख्त चेतावनी दी कि यदि वह भारत में आतंकी हमलों के लिए आतंकवाद को बढ़ावा देना बंद नहीं करता, तो भारत की सैन्य कार्रवाई जारी रहेगी।

लोकसभा में पहलगाम आतंकी हमले और उससे जुड़े मुद्दों पर दो घंटे की बहस का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ने अपने 100 मिनट के भाषण में स्पष्ट किया कि ऑपरेशन सिंदूर अभी समाप्त नहीं हुआ है, और जब भी पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद सिर उठाएगा, यह ऑपरेशन फिर से सक्रिय किया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत, पाकिस्तान की परमाणु हमले की धमकियों से डरने वाला नहीं है। उन्होंने पाकिस्तान द्वारा फैलाए जा रहे झूठे प्रचार की कड़ी आलोचना की और कहा कि कोई भी वैश्विक नेता भारत से युद्ध रोकने को नहीं कह रहा है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के कथित हस्तक्षेप की अफवाहों को भी खारिज किया।

गृह मंत्री अमित शाह ने भी लोकसभा में कहा कि यह दुष्प्रचार बंद किया जाए कि भारत ने पहलगाम हमलावरों की पहचान नहीं की। उन्होंने बताया कि हमले में शामिल तीन आतंकियों को 28 जुलाई को ही मार गिराया गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पाकिस्तान को यह समझ लेना चाहिए कि भारत की प्रतिक्रिया अब और अधिक कठोर और निर्णायक होगी। उन्होंने विपक्ष से भी अपील की कि वे किसी भी प्रकार से पाकिस्तान का समर्थन या उसका प्रचार न करें।

टोंक के जर्जर विद्यालयों की शीघ्र मरम्मत की माँग

टोंक, 29 जुलाई। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव, पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं टोंक विधायक सचिन पायलट ने प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री को पत्र लिखकर टोंक विधानसभा क्षेत्र के जीर्ण-शीर्ण एवं जर्जर अवस्था में मौजूद सरकारी विद्यालयों में शीघ्र मरम्मत कार्य प्रारम्भ करवाने की मांग की है।

- सचिन पायलट ने राज्य के मुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री को पत्र लिखा।

पायलट ने अपने पत्र में टोंक विधानसभा क्षेत्र में जर्जर घोषित हुए सरकारी विद्यालयों हेतु नवीन भवन बनवाने तथा मेजर एवं माइनर रिपेरिंग की आवश्यकता वाले माध्यमिक एवं प्रारम्भिक सरकारी विद्यालयों में शीघ्र मरम्मत कार्य करवाने की मांग की है।

पहलगाम और ऑपरेशन सिंदूर पर विपक्ष ने लोकसभा में सरकार को घेरा

लोकसभा में विपक्ष द्वारा एक आवाज में सरकार की क्षमता व जवाबदेही पर सवाल उठाना एक स्वागत योग्य कदम कहा जा सकता है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश ने कहा, मोदी सरकार राष्ट्रवाद की नारेबाजी की आड में सच्चाई नहीं छुपा सकती है, लोगों को यह जानने का हक है कि किसने निर्दोष पर्यटकों को मारा और यह सब कैसे हुआ।
- अखिलेश ने आरोप लगाया कि सरकार आपरेशन महादेव जैसी सैन्य कार्यवाहियों का राजनैतिककरण कर रही है। नतीजों पर उसका ध्यान नहीं है।
- तृणमूल सांसद सयानी घोष ने कहा, हम लोकतंत्र है, प्रचार मशीन नहीं, मोदी सरकार को यह बात ध्यान में रखनी चाहिए। सरकार "हाई वोल्टैज प्रोपैगेंडा" में विश्वास रखती है।
- द्रमुक सांसद कनिमोई ने सरकार पर सूचनाएं छिपाने का आरोप लगाया।

नई दिल्ली, 29 जुलाई। सोमवार और मंगलवार को संसद के दोनों सदनों-लोकसभा और राज्यसभा-में विपक्ष ने एकजुट होकर मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला। विपक्ष ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले को लेकर सरकार पर पूरी तरह विफल होने का आरोप लगाया।

समाजवादी पार्टी नेता अखिलेश यादव ने सरकार पर नतीजों पर फोकस करने की बजाय, ऑपरेशन महादेव जैसे सैन्य अभियानों का राजनीतिककरण करने का आरोप लगाया। उन्होंने इन हाइप्रोफाइल आतंकवाद विरोधी ऑपरेशन के उद्देश्य व नतीजों पर स्पष्टीकरण मांगा।

उन्होंने आंतरिक सुरक्षा विफलता को मोदी सरकार के सामरिक रुख से जोड़ते हुए कहा, सरकार राष्ट्रवाद की नारेबाजी की आड़ में नहीं छुप सकती, जबकि यह अपने ही लोगों की रक्षा नहीं कर पाई। देश को यह बताइए कि पिछले 11 वर्षों में चीन ने कितनी जमीन कब्जाई है?"

अखिलेश ने मांग की कि केन्द्र पहलगाम हमलावरों का ब्यौरा दे और बताए कि क्या इस हमले की पूर्व चेतावनी थी, जिसकी अनदेखी की गई। उन्होंने पूछा, जनता को यह जानने का हक है कि किसने निर्दोष पर्यटकों को मारा। अगर हमारा खुफिया तंत्र सर्तक था तो यह घटना कैसे हुई।

द्रमुक की कनिमोई और ए. राजा ने ऑपरेशन सिंदूर पर सरकार की पारदर्शिता की कमी को लेकर सवाल उठाए। कनिमोई ने जानकारी नहीं देने पर सरकार की आलोचना की और आरोप लगाया कि सुरक्षा एजेंसियों से जानकारी के अभाव में स्थानीय लोगों को भय में जीने को मजबूर किया गया।

उन्होंने कहा, "सरकार केवल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बस-ट्रक भिड़त में 6 तीर्थयात्रियों की मौत

देवघर, 29 जुलाई। देवघर-हंसडीहा मार्ग पर मोहनपुर प्रखंड के जमुनिया चौक के पास बस और ट्रक की टक्कर में बस सवार छह तीर्थयात्रियों की मौत हो गई। हादसे में चालक की भी मौत हो गई। 27 यात्री घायल हो गए। इनमें से आठ को एम्स रैफर किया गया है। उनका इमरजेंसी में इलाज चल रहा है। कुछ को आईसीयू में भर्ती कराया गया है। बाकी घायलों का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। देवघर से बासुकीनाथ जा रही यात्री बस में 40 से अधिक तीर्थयात्री सवार थे। यात्री बिहार और छत्तीसगढ़ के थे।

- यात्री बस में 40 तीर्थयात्री देवघर से बासुकीनाथ जा रहे थे।

बस में सवार मोतिहारी निवासी सुरेन्द्र यादव ने बताया कि बस सामने से आ रहे सिलेंडर लदे ट्रक से टकरा गई। टक्कर लगते ही चालक सीट समेत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नेतृत्व सिर्फ श्रेय लेना नहीं होता, जिम्मेवारी भी स्वीकार करनी पड़ती हैं- प्रियंका गांधी

प्रियंका ने लोकसभा में यह भी कहा, "यहाँ बैठे हम सभी के पास सुरक्षा कवर है, पर, पहलगाम, जहाँ हमला हुआ, वहाँ एक भी सैनिक क्यों नहीं था"

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर हुई चर्चा के दौरान वायनाड सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने मोदी सरकार पर जबर्दस्त हमला बोला और कहा, गृह मंत्री अमित शाह इतिहास के पन्नों में चले गए, नेहरु, गांधी, मेरी माँ के आँसू, सब पर बोले, पर, असली सवाल का जवाब नहीं दिया कि पहलगाम अटैक क्यों और कैसे हुआ।
- प्रियंका ने कहा, शाह ने बताया यूपीए के 10 साल के राज में 25 हमले हुए, पर, 2020 से लेकर पहलगाम अटैक तक कश्मीर में ही 25 हमले हो चुके हैं। जब मुम्बई अटैक हुआ था तब उस समय के गृह मंत्री और मुख्यमंत्री ने इस्तीफा दिया था। एक को छोड़ कर सारे आतंकी मारे गए थे।
- प्रियंका गांधी ने तंज कसा, 11 साल हो गए आपको सत्ता में, अब तो जिम्मेवारी लीजिए।
- प्रियंका ने कहा, अगर ऑपरेशन सिंदूर का लक्ष्य पाकिस्तान को सबक सिखाना था तो यह अधूरा है। पाक जनरल अमेरिका के राष्ट्रपति के साथ लंच करते हैं। पाकिस्तान को सुरक्षा परिषद में एंटी-टैरर पैनल का मुखिया बनाया जाता है। इससे ऑपरेशन सिंदूर का लक्ष्य आहत हुआ है।
- लोकसभा में दिया गया प्रियंका गांधी का भाषण आज दिन भर सुर्खियों में रहा और सोशल मीडिया पर वायरल हुआ।

नई दिल्ली, 29 जुलाई। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने आज लोकसभा में पहलगाम आतंकी हमले को लेकर मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला और सवाल उठाया कि यह हमला हुआ कैसे। उन्होंने बड़ी निपुणता के साथ उन कोशिशों का भी जवाब दिया, जिनमें हमले के पीड़ितों को सांप्रदायिक चश्मे से देखा जा रहा था। कुछ सांसदों द्वारा पीड़ितों को "हिंदू" कहे जाने पर उन्होंने कहा, वे "भारतीय थे"।

प्रियंका ने सुरक्षा में हुई चूक को लेकर सरकार को घेरा और पूछा कि जिस बैसारन वैली (पहलगाम) में हमला हुआ, वहां कोई सुरक्षा बल क्यों नहीं तैनात था।

यह तीखा बयान उन्होंने मानसून सत्र के दौरान लोकसभा में "ऑपरेशन सिंदूर" पर विशेष चर्चा के दौरान दिया, जहां उन्होंने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की "हैंडलिंग" को लेकर केन्द्र की भाजपा सरकार के तौर-तरीकों पर सवाल उठाए। इस हमले में 26 लोगों की जान गई थी।

वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि सरकार कितने भी ऑपरेशन कर ले, लेकिन सच्चाई नहीं छुप सकती। उन्होंने कहा, "इस सदन में बैठे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

छात्रसंघ चुनाव पर हाई कोर्ट ने सरकार से जवाब माँगा

जयपुर, 29 जुलाई। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान विश्वविद्यालय के छात्रसंघ चुनाव नहीं कराने के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार और विश्वविद्यालय प्रशासन से एक अगस्त तक जवाब मांगा है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड ने ये आदेश छात्र जय राव की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

- अदालत ने राज्य सरकार व विश्वविद्यालय प्रशासन को 1 अगस्त तक जवाब देने को कहा।

याचिका में अधिवक्ता शांतनु पारीक ने बताया कि विश्वविद्यालय के प्रत्येक छात्र को अपना प्रतिनिधि चुनने का संवैधानिक अधिकार है। अपने प्रतिनिधि के माध्यम से ही विद्यार्थियों की समस्याएं प्रशासन तक पहुंचती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी केरल विश्वविद्यालय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

कहानी जहाँ खत्म होती है, जीवन वहीं से शुरू होता है। – संजीव

फ़ेसबुक का लाइक बटन क्या गुल खिलाता है!

आभासी डिजिटल पटल पर 2009 में जब 'फ़ेसबुक' ने लाइक बटन प्रस्तुत किया, तब से यह बटन सोशल मीडिया की भाषा का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। यह बटन एक क्लिक के ज़रिए उपयोगकर्ताओं को किसी पोस्ट, फोटो, वीडियो या टिप्पणी पर अपनी प्रतिक्रिया देने का आसान माध्यम देता है। लाइक बटन ने उपयोगकर्ताओं को शब्दों के बिना अपनी सहमति, सराहना या जुड़ाव जताने का ज़रिया दिया है। समय के साथ अब यह केवल एक बटन नहीं रहा, बल्कि इसके ज़रिए अनेक संभावनाएं साकार हुई हैं। इससे किसी पोस्ट की लोकप्रियता मापी जा सकती है। बाज़ार के ब्रांड और पेज अपनी पहुंच का इसी से विश्लेषण करते हैं। मगर हाल के वर्षों में लाइक बटन की भूमिका पर सवाल भी उठने लगे हैं। कई शोध बताते हैं कि लाइक की संख्या पर अत्यधिक ध्यान देने की लत उपयोगकर्ताओं के आत्मसम्मान तथा मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है। उपयोगकर्ता लाइक पाने की होड़ में कृत्रिम और आकर्षक कंटेंट पोस्ट करने की उतावली करते हैं, जिससे प्रामाणिकता में कमी आती है। एल्गोरिदम अधिक लाइक वाले पोस्ट को बढ़ावा देता है, जिससे कम आकर्षक पोस्ट दब जाते हैं। एल्गोरिदम यह तय करते हैं कि कौन-सा कंटेंट फीड में ऊपर दिखाया जाए। इन चुनौतियों के चलते फ़ेसबुक ने परीक्षण के रूप में कुछ देशों में लाइक की गिनती छिपाने का विकल्प शुरू किया है। इसका उद्देश्य है कि उपयोगकर्ता कंटेंट की गुणवत्ता पर ध्यान दें, न कि उसकी लोकप्रियता पर। पहले केवल लाइक बटन था, अब लव, हा हा, दुखद, क्रोध जैसी इमोजी प्रतिक्रियाएं भी हैं। जानकार कहते हैं कि भविष्य में यह प्रतिक्रियाएं और विविध हो सकती हैं। ऐसी परिस्थिति में फ़ेसबुक का लाइक बटन एक संक्रमण काल से गुजर रहा है। बहुतों को लगता है कि लाइक बटन का स्वरूप आगे चलकर बदलेगा, मगर इसकी उपयोगिता किसी न किसी रूप में डिजिटल बातचीत में जरूर बनी रहेगी।

कहा जाता है कि फ़ेसबुक पर 'लाइक' बटन के कई सामाजिक और मानसिक प्रभाव हो सकते हैं, जो कभी-कभी नुकसानदायक भी साबित हो सकते हैं। लोग 'लाइक्स' को एक तरह के रिवार्ड (इनाम) की तरह देखने लगते हैं। जब ज़्यादा लाइक्स मिलते हैं तो अच्छा लगता है, जिसे चिकित्सा विज्ञान में डोपामाइन इफ़ेक्ट कहा जाता है। डोपामाइन एक प्रकार का रसायन है जो दिमाग में तब रिलीज होता है, जब मस्तिष्क इनाम जैसा कुछ पाने की उम्मीद कर रहा होता है। लेकिन जब लाइक कम मिलते हैं तो निराशा होती है। अपनी किसी पोस्ट पर कम लाइक्स मिलने से व्यक्ति खुद को कम मूल्यवान महसूस कर सकता है। इसके साथ ही उपयोगकर्ता में अपनी दूसरों से तुलना की भावना जाग्रत हो उठती है। लोग दूसरों की पोस्ट और लाइक्स की संख्या से अपनी तुलना करने लगते हैं, जिससे ईर्ष्या और हीन भावना पैदा होती है जो अवसाद की हालत में ले जा सकती है। विशेषज्ञ कहते हैं कि लाइक्स अक्सर किसी पोस्ट की 'गुणवत्ता' नहीं बल्कि लोकप्रियता या टाइमिंग को दर्शाते हैं। इससे कंटेंट की असली वैल्यू को समझना मुश्किल हो जाता है। इनसे फ़ेसबुक पर फेक और सतही व्यवहार को बढ़ावा मिलता है। लोग लाइक्स पाने के लिए झूठी या अतिशयोक्तिपूर्ण बातें पोस्ट करते हैं, जिससे सोशल मीडिया पर झूठ और फरेब बढ़ता है। अपनी पोस्ट को बार-बार चेक करना कि उसे कितने लाइक्स मिले हैं, एक आदत सी बन सकती है।

लाइक बटन के आविष्कार में कई लोगों का हाथ था, और उन्होंने इसे जिस तरह से डिज़ाइन किया, वह अंततः इसके द्वारा किए गए सभी कार्यों का एक छोटा सा हिस्सा था। मूल लाइक बटन को शायद तारीफ़ों को सुविधाजनक बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया था जो लोगों को अधिक ऑनलाइन सामग्री बनाने के लिए प्रेरित कर सके। फिर सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं की उस सामग्री के लिए विभिन्न भावनात्मक प्रतिक्रियाओं को दर्ज करने की इच्छा को पहचानने के लिए बदल दिया गया जिससे पता चल सके कि क्या चीजें उपयोगकर्ता का ध्यान आकर्षित कर रही है। लाइक का क्लिक लोगों की पसंद करने के व्यवहार के अलावा उनकी पहचान को स्थापित करने, समूह में स्थिति को मजबूत करने, बातचीत को विनियमित करने, दूसरों में रुचि दिखाने, सामाजिक संबंध बनाए रखने, पसंदीदा राय को बढ़ावा देने तथा और भी बहुत कुछ करने की उनकी इच्छाओं को दर्शाता है।

यह बाज़ार की व्यवस्था है। इससे उन्हें फीडबैक मिलता है कि कितने लोगों को पोस्ट पसंद आई, और वे इससे किसी उत्पाद या मत का अंदाज़ा लगा सकते हैं। इससे आभासी दुनिया में एंगेजमेंट या जुड़ाव भी बढ़ता है। ज्यादा लाइक का मतलब है कि पोस्ट अधिक लोगों तक पहुंच रही है। इससे यह समझने में भी मदद मिलती है कि किस टाइप का कंटेंट ज्यादा पसंद किया जा रहा है। इसे ऑडियंस एनालिटिक्स कहते हैं।

इसीलिए अध्ययनकर्ता अब ऑनलाइन उपयोगकर्ता इंटरफ़ेस में एक-क्लिक सुविधा के भविष्य के बारे में शोध कर रहे हैं तथा ऐसे सवाल पूछ रहे हैं। शोधकर्ता उन सामाजिक और व्यावसायिक जरूरतों के भविष्य तथा उनकर समाधानों के बारे में भी अधिक व्यापक रूप से खोज कर रहे हैं जो लाइक के क्लिकों से पूरी होती हैं। यह जानने की कोशिशें लगातार जारी हैं कि भविष्य में लोगों की भावनात्मक प्रतिक्रियाओं को कैसे अधिक कुशलतापूर्वक दर्ज किया जा सकता है। इसीलिए सभी की यह जानने की उत्सुकता है कि क्या डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म लाइक बटन को एक सर्व-उद्देश्यीय वाले उपकरण के रूप में उसे पेश करना जारी रखेंगे या इसे एक स्विस आर्मी चाकू की भांति बनाएंगे जो डिजिटल बातचीत के अंत को थामे रखने के लिए होगा। यह जानने की जिज्ञासा भी बनी हुई है कि क्या लाइक बटन के प्रत्येक फ़ंक्शन का रास्ता भविष्य में अलग-अलग होगा? विशेषज्ञों की राय है कि किसी भी तरह से हो, जो भी आगे आएगा वह वर्तमान सुविधा को एक झटके में बदलने के बजाय धीरे-धीरे खुद को स्थापित करने की संभावना के साथ आएगा।

यह स्पष्ट है कि लाइक बटन से राय जाहिर करना आसान होता है। उससे बिना कमेंट किए किसी पोस्ट के प्रति अपनी सहमति या पसंद जाहिर की जा सकती है। वह समय की बचत भी करता है क्योंकि सिर्फ एक क्लिक में अपनी प्रतिक्रिया दी जा सकती है। दूसरी तरफ इससेइंटरेस्ट पर्सनलाइजेशन भी होता है। जो चीजें हम लाइक करते हैं, फ़ेसबुक उसे ट्रेक करता है तथा उसी से जुड़ी सामग्री और विज्ञापन उपयोगकर्ताओं को दिखाना शुरू कर देता है। मगर इससे उपयोगकर्ता को नहीं, कंटेंट क्रिएटर और पेज ओनर को फायदा होता है। यह बाज़ार की व्यवस्था है। इससे उन्हें फीडबैक मिलता है कि कितने लोगों को पोस्ट पसंद आई, और वे इससे किसी उत्पाद या मत का अंदाज़ा लगा सकते हैं। इससे आभासी दुनिया में एंगेजमेंट या जुड़ाव भी बढ़ता है। ज्यादा लाइक का मतलब है कि पोस्ट अधिक लोगों तक पहुंच रही है। इससे यह समझने में भी मदद मिलती है कि किस टाइप का कंटेंट ज्यादा पसंद किया जा रहा है। इसे ऑडियंस एनालिटिक्स कहते हैं। इससे यूज़र बिहेवियर (उपयोगकर्ता के व्यवहार) को ट्रैक करना आसान होता है कि कौन क्या पसंद कर रहा है। इससे यूज़र प्रोफाइल बेहतर बनाई जा सकती है जिससे सटीक विज्ञापन टारगेटिंग की जा सकती है जो डिजिटल दुनिया का मूल में कारोबार है। इसी से उपयोगकर्ता की पसंद के हिसाब से विज्ञापन दिखाए जाते हैं। इससे क्या दिखाया जाए की 'कंटेंट सिफारिश प्रणाली' में सुधार लाया जाता है। अर्थात डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म उसी प्रकार का कंटेंट सुझाता है जो लोगों को पसंद आ रहा है।

अब दबाव बढ़ रहा है कि एल्गोरिदम को केवल लाइक के बजाय साझा करने, टिप्पणी करने और देखने की अवधि जैसे मापदंडों को भी महत्त्व देना चाहिए। यदि ऐसा होता है तो वह यूज़र-केंद्रित अनुभव होगा और भविष्य में यूज़र को यह चुनने की आज़ादी मिल सकती है कि वह दूसरों के लाइक देखना चाहता है या नहीं। इस तरफ बहुत कम लोगों का ध्यान जाता है कि लाइक पैटर्न से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स लोगों की रुचियों और व्यवहार को जब ट्रैक करते हैं, तब उनकी निजता प्रभावित हो सकती है। आने वाले समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से डिजिटल मीडिया संचालक यह भी समझने की कोशिश करेंगे कि किसी प्रतिक्रिया के पीछे भावनात्मक मंशा क्या है।

अब मुश्किल यह भी है कि आभासी सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं के वास्तविक जीवन के इतने करीब आ गया है कि लोग ऑफ़लाइन बातचीत से दूर होते जा रहे हैं। लगता है कि यह धीरे-धीरे लोगों की वास्तविक जीवन जीने की क्षमता को नष्ट कर रहा है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक ही है कि क्या लाइक बटन चालू रहेगा तथा अधिक विकसित हो कर फैलेगा? बहुतों को लगता है कि नई आदतें लाइक को अप्रचलित बना सकती है। और दूसरे नियामक एजेंसियां और नीति निर्माता डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर अंकुश लगा सकते हैं जिससे लाइक की बाज़ार के लिए उपयोगिता बाधित हो। मगर दूसरी तरफ, कानूनी और नियामक हस्तक्षेप लाइक बटन को नई ताकत भी दे सकते हैं। लाइक बटन शून्य में मौजूद नहीं है। यदि ऐसे सक्रिय कानून बनते हैं जो लोगों को किसी संदेश को साझा करने से पहले थोड़ा रुककर उसके संभावित परिणामों पर विचार करने की व्यवस्था करते हों, तो प्रक्रिया मंक टकराव के हालत रोके जा सकते हैं और लोग प्रतिक्रिया दर्ज करने के लिए सरल लाइक बटन का उपयोग कर सकते हैं। किसी डेटा को पसंद करना एल्गोरिदम में अधिक महत्व देने वाले कारक के रूप में नयी पहचान प्राप्त कर सकता है। विभिन्न अध्ययनों में लाइक बटन की जटिलताओं और संभावनाओं का पता चला है तो साथ ही यह भी पाया गया है कि यह बटन एक साथ इतनी सारी सुविधाएं प्रदान करता है कि अब वह सोशल मीडिया पर एक जरूरी उपकरण बन चुका है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि फेसबुक का लाइक बटन कितना लाइक किया जाता है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

खादी से हस्तशिल्प तक: स्वदेशी आंदोलन की नई परिभाषा

अविनाश जोशी

स्वदेशी सोच आधुनिक भारतीय समाज के लिए एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। इसका मतलब है अपनी देशीय उत्पादों को प्राथमिकता देना, उन्हें समर्थन देना और स्वदेशी उत्पादों की उपयोगिता बढ़ाना। स्वदेशी सोच विशेष रूप से अर्थव्यवस्था, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण है। यह देश की आत्मनिर्भरता और समृद्धि के लिए एक महत्वपूर्ण अभियान है।

भारतीय वस्तुओ के प्रति अनुराग एवम विदेशी वस्तुओ का बहिष्कार यही तो हमारा मुख्य धर्म होना चाहिए। आज की पीढ़ी को यह सब बताना होगा हमे स्वदेशी उद्योगों, शिक्षा, साहित्य, कला एवं संस्कृति को बढ़ावा देना होगा। फैशन ही सही लेकिन स्वदेशी मोह हमारा मुख्य उद्देश्य होना चाहिए। खादी एवम सूती कपड़े का प्रचलन स्वदेशी उत्पाद के प्रति जागरूकता का ज्वलंत उदाहरण है। स्थानीय बाजार में स्वदेशी ब्रांड्स के उत्पादों और सेवाओं को समर्थन देना और बढ़ावा देना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इन सभी पहलों के साथ, स्वदेशी ब्रांड्स को उत्पादों और सेवाओं के लिए अधिक विश्वसनीय, उपयुक्त और रचनात्मक समाधान प्रदान करने के लिए प्रयास करना होगा।

स्वदेशी सोच देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान करती है क्योंकि यह उत्पादन, रोजगार, और आय को स्थानीय स्तर पर बढ़ाती है। स्वदेशी उत्पादन और सेवाओं का समर्थन करने से देश में निजी और सार्वजनिक क्षेत्र का विकास होता है, जिससे सार्वजनिक उत्पादन और सेवाओं की गुणवत्ता भी बढ़ती है। इसके अलावा, स्वदेशी सोच भ्रष्टाचार को कम करने में भी मदद कर सकती है, क्योंकि स्थानीय उत्पादन और सेवाओं को समर्थन करने से विभाजन और अन्य संगठनात्मक असंतोष कम होता है।

स्वदेशी हमारे राष्ट्रीय स्वाधीनता संग्राम का मूल-मंत्र था, कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं। उन्नीसवीं सदी में दादा भाई नौरोजी की 'ड्रेन थ्योरी' हो या रमेशचंद्र दत्त की लिखी 'भारत का आर्थिक इतिहास' या सखाराम गणेश देउस्कर लिखित 'देशेर कथा' जैसी पुस्तकें हो, सभी के केंद्र में औपनिवेशिक शासन-तंत्र द्वारा देसी संसाधनों का दोहन व देशी धन-संपदा के विलायत में पलायन को रोकना मुख्य सरोकार थे। आधुनिक हिंदी साहित्य के जनक माने जाने वाले भारतेंदु हरिश्चंद्र ने अपने लेखन से स्वदेशी की अलख जगाई। 1905 का बंग-भंग विरोधी आंदोलन भी स्वदेशी की भावना से ओतप्रोत था जब बंगाल में विदेशी वस्तुओं की होली जलाई गई और उनके बहिष्कार पर बल दिया गया। इस स्वदेशी भाव को राष्ट्रीय स्तर पर बहुआयामी स्वरूप प्रदान किया महात्मा गांधी ने 1920 में असहयोग आंदोलन आरंभ करके। उन्होंने इसे न केवल विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार तथा उनके अग्निदाह तक सीमित रखा, बल्कि उद्योग-शिल्प, भाषा, शिक्षा, वेश-भूषा आदि सब पर स्वदेशी का रंग चस्पा कर दिया।

स्वदेशी ब्रांड्स के सामने अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स के प्रति लोगों का विश्वास और विचारशीलता बढ़ाने हेतु स्वदेशी ब्रांड्स को अपने उत्पादों और सेवाओं की उच्च गुणवत्ता और प्रदर्शन को संदर्भित करना होगा। लोगों को स्वदेशी ब्रांड्स के उत्पादों के सामाजिक और पर्यावरणीय मूल्यों को समझाना चाहिए। स्वदेशी ब्रांड्स को अपने ब्रांड इमेज और विश्वसनीयता को मजबूत करने के लिए प्रयास करना होगा। उन्हें नई तकनीकों का उपयोग करके उत्पादों और सेवाओं को बेहतर बनाने का प्रयास करना होगा।

स्वदेशी वस्तुओं के मोह को बढ़ाने हेतु लोगों को स्वदेशी उत्पादों के बारे में जागरूक करें, उनके गुणवत्ता, स्थानीय उत्पादन और पर्यावरणीय लाभों के बारे में बताएं। स्वदेशी उत्पादों का समर्थन करने के लिए लोगों को प्रेरित करें, विशेष रूप से स्थानीय व्यवसायों को समर्थन दें। स्वदेशी उत्पादों की अधिक उपलब्धता सुनिश्चित करें, यह ऑनलाइन या अधिक स्थानीय दुकानों में उपलब्ध हो सकता है। स्वदेशी उत्पादों का उपयोग करने से देश की समृद्धि और आत्मनिर्भरता में योगदान के महत्व को समझाएं। स्वदेशी ब्रांड्स को बढ़ावा देने के लिए उनका ब्रांड इमेज और विश्वसनीयता को मजबूत करें। स्वदेशी उत्पादों के लिए स्थानीय बाजारों और दुकानों में यात्रा करें, और अपने समर्थन का एक विशेष रूप उन्हें दिखाएं। इन तरीकों का अनुसरण करके, स्वदेशी उत्पादों के मोह को बढ़ा सकते हैं और देश के स्थानीय अर्थव्यवस्था को समर्थन दे सकते हैं।

ग्रामीण हाट और हस्तशिल्प स्थानीय स्तर पर स्वदेशी उत्पादों के विकास और प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये उत्पादकों को सीधे बाजार तक पहुँचने का माध्यम प्रदान करते हैं और स्थानीय विकास को समर्थन देते हैं। ग्रामीण हाट और हस्तशिल्प स्थानीय कला, शिल्प, और संस्कृति को प्रमोट करते हैं, जिससे उनकी अर्थात्मकता बढ़ती है। ये हाट और हस्तशिल्प क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्रदान करते हैं, विशेष रूप से महिलाओं और गरीब वर्ग के लोगों के लिए। ये ग्रामीण हाट और हस्तशिल्प स्थानीय उत्पादकों के उत्पादों को बाजार में प्रसारित करने का माध्यम होते हैं। ये हाट और हस्तशिल्प स्थानीय शिल्पकला, बुनाई, और अन्य परंपरागत कलाओं को बचाव और संरक्षण का माध्यम भी बनाते हैं। ये स्थानीय समुदाय के आर्थिक विकास में सहायक होते हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों का उत्थान होता है। इस प्रकार, ग्रामीण हाट और हस्तशिल्प स्थानीय विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर स्वदेशी उत्पादों के प्रसार और समर्थन में मदद करते हैं।

स्वदेशी सोच को केवल एक दिखावा मानना गलत हो सकता है। हालांकि, कुछ लोग इसे सिर्फ आधुनिक एवं कुछ अलग दिख सके इसका माध्यम मानते हैं, लेकिन असल में, स्वदेश सोच एक विचारशीलता और सामाजिक परिवर्तन की दिशा है। यह उत्पादन, वित्तीय स्वावलंबन, और स्थानीय समुदायों के विकास को समर्थन करता है। इसका उदाहरण उत्पादों की स्थानीय खरीदारी, स्थानीय उत्पादन को प्रोत्साहित करना, और विदेशी निवेशों के साथ समर्थन का एकीकरण हो सकता है। इसलिए, स्वदेश सोच वास्तव में सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन की अवधारणा है, जो समृद्धि और समाज की उन्नति की दिशा में मदद कर सकती है।

स्वदेशी सोच में खादी का महत्वपूर्ण योगदान है। खादी एक परंपरागत भारतीय वस्त्र है जो देश की स्वतंत्रता संग्राम के समय महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। खादी का उत्पादन देश के ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार का स्त्रोत बनाता है और स्थानीय विकास को समर्थन करता है। खादी के उत्पादन में श्रमिकों की संख्या बहुत बड़ी होती है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं। यह उत्पादन भी परंपरागत और स्थानीय वस्त्रों का उत्पादन प्रोत्साहित करता है, जो स्थानीय बाजारों को समृद्ध करता है। इसके अलावा, खादी के उत्पादन में विदेशी निवेशों की कमी होती है, जिससे देश की आत्मनिर्भरता को मजबूती मिलती है। खादी उत्पादन और उपभोक्ता के बीच संबंध भी स्थापित करता है, जो राष्ट्रीय एकता और गर्व को बढ़ाता है। इस तरह, खादी स्वदेशी सोच के माध्यम से सामाजिक, आर्थिक, और सांस्कृतिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान करती है।

स्वदेशी मानसिकता और आधुनिक फैशन का संगम आधुनिक जीवनशैली में एक महत्वपूर्ण दिशा है। आज के समय में, लोग अपने स्थानीय वस्त्र, शैली, और विरासत को महत्व देते हैं, जो स्वदेशी मानसिकता को प्रोत्साहित करता है। आधुनिक फैशन में स्थानीय अनुभूति, परंपरा, और कला को शामिल किया जाता है। यह लोगों को अपनी संस्कृति के प्रति गर्व महसूस कराता है और स्थानीय कलाओं को प्रोत्साहित करता है। स्वदेशी मानसिकता के साथ, लोग अपने स्थानीय उत्पादों को पसंद करने और समर्थन करने के लिए प्रेरित होते हैं, जिसमें स्थानीय वस्त्र, उपहार, और आभूषण शामिल हो सकते हैं। इस तरह, स्वदेशी मानसिकता और आधुनिक फैशन दोनों को ही एक मंत्र बना सकते हैं, जो स्थानीय समुदायों को समृद्धि और समाज में गर्व का अहसास कराते हैं।

–अविनाश जोशी,
स्वतन्त्र पत्रकार एवम लेखक

स्कूलों की मरम्मत के लिए 102.4 लाख रुपये मंजूर

निम्बाहेड़ा। निम्बाहेड़ा-छोटीसादड़ी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न क्षतिग्रस्त विद्यालयों की मरम्मत के लिए पूर्व यूडीएच मंत्री एवं विधायक श्रीचंद कृपलानी की अनुशंसा पर राज्य सरकार के राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद् के द्वारा निम्बाहेडा ब्लॉक में 4 तथा छोटीसादड़ी ब्लॉक में 5 राजकीय विद्यालयों के क्षितठास्त भवनों की मरम्मत के लिए 102.4 लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति जारी की है। विधायक कृपलानी ने बताया कि स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर समठा शिक्षा एंड स्कूल शिक्षा की कमिश्नर अनुपमा जोरवाल द्वारा निम्बाहेड़ा ब्लॉक के 4 क्षतिग्रस्त विद्यालयों की मरम्मत के लिए 59 लाख रूपये तथा छोटीसादड़ी ब्लॉक के 5 क्षतिग्रस्त विद्यालयों की मरम्मत के लिए 43.40 लाख रूपये की प्रशासनिक स्वीकृति जारी की है। इनमें निम्बाहेड़ा ब्लॉक के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मंडला चारण के लिए 13 लाख, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कनेरा के लिए 16 लाख, तथा राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय भुजिया खेड़ी के लिए 17 लाख रूपये की स्वीकृति जारी की गई है।

हलैना का संस्कृत स्कूल जर्जर हालत में

हलैना (निस)। संस्कृत शिक्षा विभाग के अधीनस्थ कस्वा हलैना में संचालित राजकीय संस्कृत उच्च प्राथमिक स्कूल के भवन की हालत दयनीय होने से विद्यार्थी व गुरूजन बेहद परेशान है, ये स्कूल साल 1996 में खुला और साल 2006 में क्रमोन्नत हुआ और साल 2007 में करीब 50 लाख की लागत से भवन का निर्माण हुआ। ये भवन गुजरे 18 साल के अन्दर ही जर्जर होने लग गया, भवन के कमरों की दीवारों में दरारे पड गई और हल्की बरसात होने पर छत्त से पानी टपकता है तथा दीवारों से सीमेन्ट व बजरी-कंकड गिरते है। भवन के अभाव में बच्चें खुले आसमान के नीचे और मैदान में बैठ कर पढने को मजबूर है। संस्था प्रधान भागचन्द मीणा की सूचना पर संभागीय संस्कृत शिक्षा अधिकारी सतीश बागौरिया ने 29 जुलाई को कस्वा हलैना के सरकारी संस्कृत स्कूल की हालत देखी और जर्जर भवन के अन्दर प्रवेश पर पाबन्दी लगा दी। साथ ही प्रशासन,समसा,संस्कृत शिक्षा विभाग के आलाधिकारियों स्कूल की हालत से अवगत करा दिया। संस्कृत स्कूल के संस्था प्रधान भागचन्द मीणा ने बताया कि 18 साल के अन्दर ही भवन कीइ हालत जर्जर होना चिन्ता का विषय है,जिसकी सूचना विभाग को भेज दी। स्कूल में कक्षा एक से आठवी तक 70 विद्यार्थी पढते है और संस्था प्रधान सहित सात शिक्षक-शिक्षिका लगे हुए है। भवन का अभाव होने से बच्चों की पढाई प्रभावित हो गई। संभागीय संस्कृत शिक्षा अधिकारी सतीश बागौरिया ने बताया कि कस्वा हलैना के संस्कृत स्कूल का निरीक्षण किया,जिसकी हालत बेहद खराब है,बच्चे खुले मैदान में पढ रहे है,जिन्हे बरसात होने पर बचाव नजर नही आता। स्कूल के जर्जर भवन के अन्दर प्रवेश पर रोक लगा कर संस्था प्रधान से बोल दिया कि भवन में बच्चों सहित कोई भी कर्मचारी व अभिभावक प्रवेश नही करे।

नवाचारों से संवरता भविष्य, राजस्थान बन रहा शिक्षा का पथप्रदर्शक

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की क्रियान्विति के अनुरूप राजस्थान शैक्षिक उन्नित की दिशा में तेज़ी से अठासर हो रहा है। शिक्षा के वर्तमान परिदृश्य में समठा शिक्षा अभियान के तहत राज्य में कई नवाचारी पहलें की गई हैं, जिन्होंने पारंपरिक शिक्षा पद्धित को प्रगतिशील स्वरूप प्रदान किया है। इन नवाचारों के चलते अब सीखने-सिखाने की प्रक्रिया केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं रही बल्कि यह डिजिटल तकनीक, परियोजना आधारित अधिगम और कौशल विकास जैसे आधुनिक आयामों तक विस्तृत हो चुकी है। शिक्षा विभाग द्वारा की गई ये पहलें न केवल सराहनीय हैं बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता, समावेशिता और तकनीकी सशक्तता को भी नई दिशा दे रही हैं । समग्रशिक्षा अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों की विद्यालयों तक पहुंच सरल हुई है, अधिगम के परिणाम बेहतर हुए हैं और समावेशी विकास को बल मिला है। इस अभियान ने न केवल शिक्षा प्रणाली में बदलाव की गति को तेज किया है बल्कि राजकीय विद्यालयों में नामांकन दर में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। राज्य में शिक्षा के प्रत्येक स्तर पर नवाचारों को अपनाकर एक व्यापक परिवर्तन लाया जा रहा है। अब ध्यान गुणवत्तापूर्ण, समावेशी और कौशल आधारित शिक्षा प्रणाली को और अधिक उन्नत एवं प्रभावी बनाने पर केंद्रित है।

नवाचारों ने बढ़ाया राजकीय विद्यालयों का दायरा – शिक्षा विभाग द्वारा किए जा रहे निरंतर नवाचारों का प्रभाव अब धरातल पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। राजकीय विद्यालयों में न केवल विद्यार्थियों का नामांकन तेजी से बढ़ रहा है, बल्कि परीक्षा परिणामों के स्तर पर भी इन विद्यालयों के विद्यार्थी निजी संस्थानों को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। हाल ही में जारी हुए कक्षा 5वीं, 8वीं, 10वीं और 12वीं के बोर्ड परिणाम इसका प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। हजारों विद्यार्थियों ने 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर राजकीय विद्यालयों की छवि को एक नई पहचान दी है। परिणामों में निरंतर सुधार देखा जा रहा है, जो पिछले वर्षों की तुलना में कहीं अधिक संतोषजनक और उत्साहवर्धक है। डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से चलाया जा रहा प्रवेशोत्सव अभियान भी राजकीय विद्यालयों में नामांकन दर में उल्लेखनीय वृद्धि का एक प्रमुख कारण बना है। अभिभावकों और विद्यार्थियों में इन विद्यालयों के प्रति विश्वास लगातार बढ़ रहा है, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता और पहुंच दोनों में समांतर रूप से सुधार हो रहा है। यही वजह है कि पिछले सत्र की तुलना में वर्तमान सत्र में करीब दोगुना नामांकन दर्ज किया गया है।

प्राथमिक शिक्षा को नई दिशा : राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता और मातृभाषा में प्रारंभिक शिक्षण पर विशेष बल दिया गया है। इसी दिशा में शिक्षा विभाग द्वारा ठोस कदम उठाए जा रहे हैं जिससे न केवल शिक्षा की बुनियाद मजबूत हो रही है बल्कि विद्यार्थियों में प्रारंभ से ही सीखने की सही समझ विकसित हो रही है। प्रदेश के 402 पीएमश्री विद्यालयों में पूर्व-प्राथमिक कक्षाओं की शुरुआत की गई है जिससे तीन से छह वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को सुनियोजित प्रारंभिक शिक्षा मिल रही है। साथ ही, स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल सीबीएसई अंठोजी माध्यम विद्यालयों में पहली बार प्राथमिक कक्षाएं प्रारंभ कर इन विद्यालयों को पूर्ण शैक्षिणक संस्थान के रूप में विकसित किया जा रहा है। कक्षा 1 से 5 तक के 1.15 लाख शिक्षकों को फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरेसी (एफएलएन) आधारित प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा ह, ताकि वे बच्चों को बेहतर भाषा और गणितीय कौशल प्रदान कर सकें। इसके अतिरिक्त, 45 हजार विद्यालयों में गतिविधि आधारित शिक्षण (एबीएल) किट की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है जिससे पढ़ाई को रोचक, अनुभवात्मक और प्रभावी बनाया जा सके। ये प्रयास न केवल प्राथमिक शिक्षा को समृद्ध बना रहे हैं बल्कि भविष्य के नागरिकों की बौद्धिक नींव को भी सुदृढ़ कर रहे हैं।

डिजिटल प्लेटफार्म ने शिक्षा को बनाया हाईटेक : शिक्षा के वैश्विक आदान-प्रदान और डिजिटल माध्यमों की पहुंच ने पारंपरिक सीमाओं को तोड़ते हुए सीखने-सिखाने की परिभाषा को ही बदल दिया है। स्मार्ट डिवाइस, ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म और डिजिटल टूल्स ने शिक्षा को न केवल अधिक सुलभ बल्कि प्रभावशाली और व्यक्तिगत भी बना दिया है। राजस्थान में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए बड़े स्तर पर कदम उठाए गए हैं। प्रदेश के 13,976 विद्यालयों में आईसीटी लैब और 17,421 स्मार्ट क्लासरूम की स्थापना इस दिशा में एक मील का पत्थर है। इससे विद्यार्थी तकनीकी रूप से सशक्त शिक्षण वातावरण में सीखने का अनुभव प्राप्त कर रहे हैं। डिजिटल शिक्षा को और अधिक सशक्त बनाने के लिए कक्षा 8वीं, 10वीं और 12वीं के 55,000 से अधिक मेधावी विद्यार्थियों को टैबलेट वितरित किए गए हैं जिनमें 3 वर्षों का निःशुल्क इंटरनेट कनेक्शन भी शामिल है। यह कदम छात्रों को आत्मनिर्भर और तकनीकी रूप से दक्ष बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो रहा है। शिक्षा गुणवत्ता में उन्नयन के लिए शिक्षा संकुल में हाल में विद्या समीक्षा केंद्र (वीएसके) स्थापित किया गया है। इसमें डेटा, तकनीक एवं एआई के प्रयोग से विद्यार्थियों के परिणाम एवं समठा विकास का डेटा प्राप्त किया जा सकता है। इसके साथ ही, शाला दर्पण पोर्टल के माध्यम से विद्यालयों, शिक्षकों और विद्यार्थियों का रियल टाइम डेटा उपलब्ध हो रहा है जिससे पारदर्शिता और प्रभावशीलता दोनों में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। यह पोर्टल न केवल प्रशासनिक कार्यों को सरल बना रहा है बल्कि नीति निर्धारण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

बालिका शिक्षा को दिया जा रहा प्रोत्साहन : राजस्थान सरकार और शिक्षा विभाग बालिका शिक्षा को सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। शहरी क्षेत्रों से लेकर दूरस्थ ग्रामीण अंचलों तक बालिकाओं को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए बहुआयामी योजनाएं लागू की जा रही हैं। प्रदेश में 342 कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालयों का संचालन किया जा रहा है, जो विशेष रूप से वंचित और पिछड़े वर्ग की बालिकाओं को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहे हैं।

डॉ.अमृता कटारा,
सहायक जनसंपर्क अधिकारी,
डीआईपीआर,जयपुर, राजस्थान।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 30 जुलाई, 2025

सावन मास, शुक्ल पक्ष, षष्ठि तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2082, हस्त नक्षत्र रात्रि 9:53 तक, सिद्ध योग रात्रि 3:40 तक, कौलव करण दिन 1:44 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-कर्क चन्द्रमा-कन्या, मंगल-कन्या, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-मिथुन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से रात्रि 9:53 तक, रवियोग और कुमार योग रात्रि 9:53 तक बने रहेंगे। राजयोग रात्रि 9:53 से सूर्योदय तक है। आज कल्की जयन्ती, श्रियाल छठ, वर्षा षष्ठी है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:13 तक, शुभ 10:53 से 12:33 तक, चर 3:53 से 5:33 तक, लाभ 5:33 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:54, सूर्यास्त 7:12

मेष
व्यक्तिगत परेशानियां दूर होने लगेगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

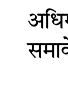

वृष
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

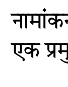

मिथुन
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

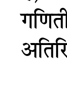

कर्क
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

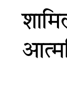

सिंह
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बना रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता से बनने लगेंगे।

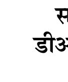

कन्या
व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

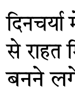

तुला
व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखें। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

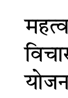

वृश्चिक
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

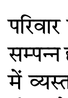

धनु
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

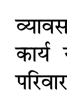

मकर
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

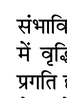

कुंभ
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

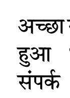

मीन
परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

विधान सभा स्थापना का अमृत महोत्सव मनायेगी विधान सभा : देवनानी

'विधान सभा को लोकतंत्र का जीवन्त स्थल बनाने में सहभागी बने'

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि राजस्थान विधान सभा अपनी स्थापना का अमृत महोत्सव मनायेगी। उन्होंने कहा कि विधान सभा गठन के 75वें वर्ष में प्रवेश के साथ अमृत महोत्सव के शुभारम्भ की रूप रेखा तैयार की जा रही है। देवनानी मंगलवार को यहां विधान सभा में तीन अधिकारियों के सेवानिवृत्ति समारोह को सम्बोधित कर रहे थे।

- देवनानी से राजस्थान विधान सभा में हिमाचल प्रदेश विधान सभा के पूर्व अध्यक्ष राजीव बिंदल ने शिष्टाचार मुलाकात की

देवनानी (दांये) ने सेवानिवृत्त होने वाले उप सचिव बनवारी लाल, सहायक सचिव नरेन्द्र कुमार और निजी सचिव पुरुषोत्तम शर्मा (बांये) को उनकी सेवा यात्रा के लिए सम्मानित किया।

देवनानी ने सेवानिवृत्त होने वाले उप सचिव बनवारी लाल मीणा, सहायक सचिव नरेन्द्र कुमार शर्मा और निजी सचिव पुरुषोत्तम शर्मा को उनकी सेवा यात्रा के लिए सम्मानित किया।

देवनानी ने कहा कि राजस्थान विधान सभा प्रदेश की लोकतांत्रिक गरिमा का प्रतीक है। इसकी प्रतिष्ठा और प्रभावशीलता सभी कर्मियों के परिश्रम और निष्ठा से ही सुनिश्चित होती है। इस मौके पर विधान सभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा, विशिष्ट सहायक के.के. शर्मा, वरिष्ठ उप सचिव पुरुषोतम शर्मा, विधान सभा कर्मचारी सहकारी साख समिति के अध्यक्ष रवि जैन सहित विधानसभा के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से मंगलवार को यहां राजस्थान विधान सभा में हिमाचल प्रदेश विधान सभा के पूर्व अध्यक्ष राजीव बिंदल ने शिष्टाचार मुलाकात की। देवनानी ने बिंदल को राजस्थान विधान सभा का सदन और भवन का अवलोकन कराया।

पुलिस अकादमी में अंगदान का संकल्प लिया

जयपुर। राजस्थान पुलिस अकादमी जयपुर में ट्रेनी प्रशिक्षणार्थियों के लिए मोहन फाउंडेशन जयपुर सिटीजन फोरम की ओर से में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम मे अंगदान के संकल्प की अपील की।

- ट्रेनी प्रशिक्षणार्थियों के लिए मोहन फाउंडेशन सिटीजन फोरम की ओर से जागरूकता कार्यक्रम मे अंगदान के संकल्प की अपील की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अंगदान - जीवन संजीवनी अभियान के अनुरूप सेमिनार के माध्यम से रवि कामरा , मुख्य वक्ता द्वारा अंगदान के संकल्प का संदेश दिया गया।

समन्वय भावना जगवानी द्वारा बताया गया कि अंगदान का प्रकल्प न सिर्फ सामाजिक बल्कि मानवता ,वैश्विक एवं देशभक्ति की भावना से परिपूर्ण है। उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति मृत्यु के पश्चात भी अंगदानकर 8 व्यक्तियों को जीवन दान दे सकता है।

अंगदान जागरूकता के लिए कार्य कर रही संस्था मोहन फाउंडेशन जयपुर सिटीजन फोरम की टीम एवं संस हॉस्पिटल से डॉ धर्मेश द्वारा उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को अंगदान के लिए संकल्प की प्रक्रिया बताई गई। कार्यक्रम में अजय गुप्ता भी उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि प्रतिवर्ष 3 अगस्त को राष्ट्रीय अंगदान दिवस आयोजित किया जाता है। किंतु इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आ ान पर इस बार एक दिवसीय आयोजन के स्थान पर वर्ष पर्यंत जागरूकता कार्यक्रम जारी रखने की सभी से अपेक्षा की गई है।

'काम के प्रति उदासीन अधिकारियों को चिन्हित करें'

जयपुर। शासन सचिव, पशुपालन, गोपालन एवं मत्स्य डॉ समित शर्मा ने पशुपालन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि बजट घोषणा की क्रियान्विति सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को सक्रिय होकर काम करना होगा। डॉ शर्मा ने मंगलवार को पशुधन भवन के सभागार में आयोजित एक बैठक में काम के प्रति उदासीन अधिकारियों को चिन्हित कर उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। बैठक में विभाग के निदेशक डॉ आनंद सेजरा, अतिरिक्त निदेशक डॉ सुरेश मीना, डॉ प्रवीण सेन, डॉ विकास शर्मा, डॉ ओमप्रकाश बुनकर, वित्तीय सलाहकार मनोज शांडिल्य तथा निदेशालय के वरिष्ठ अधिकारियों सहित जिलों के लिए मनोनीत नोडल अधिकारियों ने भाग लिया।बैठक में डॉ शर्मा ने कहा कि काम करने में आने वाली बाधाओं और समस्याओं दूर करते हुए ही काम में तेजी लानी होगी और इसके लिए शासन के स्तर पर पूरा सहयोग किया जाएगा। मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के तहत वर्ष 2024-25 के लक्ष्य को अगस्त तक पूरा कर एक सितंबर से वित्तीय वर्ष 2025-26 की बजट घोषणा के अनुरूप नवीन पंजीकरण शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कम प्रगति वाले जिलों के प्रभारियों को इस दिशा में अधिक प्रयास करते हुए लक्ष्य को पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लक्ष्य पूरा नहीं करने वाले अधिकारियों के खिलाफ उचित अनुशासनात्मक कार्यवाही अमल में लाई जाए।बैठक में मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना, सेक्स सॉर्टेड सीमन, एमवीयू कॉल सेंटर तथा चैटबॉट, उष्ट्र संरक्षण योजना, पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम, निःशुल्क आरोग्य योजना, नवीन पशु चिकित्सा केंद्रों के लिए भूमि की उपलब्धता, केपीआई आधारित प्रगति आदि विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई।

पीएमकेंद्रीय विद्यालय के नए भवन का लोकार्पण

जयपुर/पाली। पीएमकेंद्रीय विद्यालय,पाली के नव-निर्मित भवन का विधिवत उद्घाटन पशुपालन, डेयरी व देवस्थान विभाग कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने मंगलवार को किया। इस दौरान केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, वर्चुअली कार्यक्रम से जुड़े। इस अवसर पर केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री डॉ सुकांता मजूमदार एवं केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी भी ऑनलाइन माध्यम से कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती मूर्ति पर दीप प्रज्जवलन कर किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने वर्चुअल माध्यम से भवन का लोकार्पण किया। समारोह में कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जिन्होंने विद्यालय भवन का फीता काटकर उद्घाटन किया, उद्घाटन कार्यक्रम में विद्यालय के विद्यार्थियों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, देशभक्ति गीत और लोक नृत्य के माध्यम से अतिथियों का स्वागत किया।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से देशभर के 15.76 लाख से अधिक परिवारों को मिला लाभ : सांसद मदन राठौड़

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में शुरू की ऐतिहासिक पहलः- सांसद मदन राठौड़
- योजना के अंतर्गत लाभार्थी परिवारों के घरों पर रूफटॉप सोलर पैनल की स्थापना की जा रही है

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रारंभ की गई प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत अब तक देशभर में 15,76,860 परिवारों को लाभ प्राप्त हो चुका है। यह उपलब्धि 19 जुलाई 2025 तक की है, और यह भारत सरकार के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों का महत्वपूर्ण उदाहरण है। इस योजना के अंतर्गत लाभार्थी परिवारों के घरों पर रूफटॉप सोलर पैनल की स्थापना की जा रही है, जिससे उन्हें न केवल मुफ्त बिजली प्राप्त हो रही है, बल्कि वे अतिरिक्त ऊर्जा का ग्रिड में योगदान भी कर पा रहे हैं। राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ के सवाल के जवाब में नवीन, नवीकरणीय ऊर्जा एवं विद्युत राज्य मंत्री श्रीपाद येसो नाइक ने यह जानकारी सदन को दी।

राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सौर ऊर्जा सरंक्षण के लिए इस महत्वाकांक्षी योजना की शुरुआत फरवरी 2024 में की गई थी। इसका उद्देश्य आम नागरिकों को सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध कराना तथा देश में सौर ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहित करना है। इस योजना में पारदर्शिता रखते हुए पूरी प्रक्रिया को ऑनलाइन किया गया। इसमें आवेदन से लेकर सब्सिडी के वितरण तक का कार्य पर आनलाइन निगरानी भी रखी जा सकताी है। ऊर्जा मंत्रालय की ओर से राष्ट्रीय पोर्टल..जारी किया गया है। इसके माध्यम से आवेदन किया जा सकता है। सरकार की इस पहल से न केवल लाखों परिवारों को राहत मिली है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में भी एक बड़ा कदम साबित हुआ है।

राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने बताया कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत प्रति किलोवाट तक लाभार्थी को सब्सिडी का प्रावधान किया गया है। इसमें एक किलोवाट पर 30 हजार, 2 किलोवाट पर 60 हजार और 3 किलोवाट तक 78 हजार तक की अधिकतम सब्सिडी का प्रावधान है। तीन किलोवाट के बाद 10 किलोवाट तक छह हजार की सब्सिडी मिल सकती है। इससे बिजली बिल से बड़ी बचत होती है और ग्रिड में अतिरिक्त बिजली बेचकर आय भी हो सकती है।

लूटपाट करने वाला गिरफ्तार

जयपुर। मुहाना थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए डिग्गी रोड टीलावाला गांव के आस पास फर्जी पुलिसकर्मी बनकर लूटपाट करने वाले गढ़ मण्डोरा जिला करौली निवासी मनीष शर्मा को बापर्दा गिरफ्तार किया गया। आरोपित मनीष व उसका साथी मोटरसाइकिल से डिग्गी रोड पर टीला वाला गांव के आस पास बाइक सवार युवकों को पुलिसकर्मी बताकर गिरफ्तारी का भय दिखाकर लूट की वारदात करते थे। आरोपित पिछले दो साल में करीब एक दर्जन वारदात करनी कबूली है ।

बिना अनुमति रजिस्टर्ड ट्रेडमार्क का किया था इस्तेमाल, कोर्ट ने दिए कुर्क के आदेश

जयपुर। जयपुर महानगर द्वितीय की कमर्शियल कोर्ट-1 ने ट्रेडमार्क से जुड़े मामले में उदयपुर की लक्ष्य क्लासेज की संपत्तियों को कुर्क करने के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने यह आदेश मनु प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड के एग्जिक्यूशन प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए दिए। प्रार्थना पत्र में कहा गया था कि लक्ष्य क्लासेज ने वादी के रजिस्टर्ड ट्रेडमार्क का गलत तरीके से इस्तेमाल किया है। जबकि दोनों के बीच ट्रेडमार्क के इस्तेमाल को लेकर राजीनामा भी हुआ था। जिसकी कोर्ट ने 16 मई को तस्दीक कर डिक्री भी जारी की थी, लेकिन प्रतिवादी ने उसकी पालना नहीं की गई।

वादी के वकील शुभम अरोड़ा ने बताया कि मैसर्स मनु प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड कंपनीज एक्ट 1956 के तहत रजिस्टर्ड संस्था है। जो कई सालों से लक्ष्य और लक्ष्य ज्ञान अनंत ट्रेडमार्क से प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तक प्रकाशित कर रही है। प्रतिवादी मैसर्स लक्ष्य क्लासेज और लक्ष्य क्लासेज एडयूटेक प्राइवेट लिमिटेड, उदयपुर ने इसी नाम से ऑनलाइन व ऑफलाइन प्रतियोगी पुस्तकों की बिक्री शुरू कर दी। वादी की ओर से प्रतिवादी को कई बार सचेत करने के बाद दोनों के बीच राजीनामा हुआ कि प्रतिवादी लक्ष्य ट्रेडमार्क का इस्तेमाल नहीं करेगा। इसके बावजूद भी प्रतिवादी ऑफलाइन और ऑनलाइन लक्ष्य के नाम से किताब की बिक्री कर रहा है।

'ई-रिक्शा चालकों को नियम तोड़ना और जोन से निकलना अब पड़ेगा महंगा'

जयपुर। राजधानी जयपुर में ट्रैफिक जाम एक बड़ी समस्या बनती जा रही है। इस समस्या में सबसे बड़ी बाधा ई रिक्शा को माना जा रहा है। जयपुर के परकोटे, जयपुर रेलवे स्टेशन, सिंधी कैंप सहित शहर के कई इलाकों में पीक ऑवर्स में वाहनों की लंबी कतारें हर किसी को परेशान कर रही हैं। वहीं ट्रैफिक जाम को देखते हुए ई-रिक्शा चालकों की मनमानी पर पुलिस अब इस पर लगाम लगाने की तैयारी में है। इसके लिए एक कलर कोड का नियम बन रहा है। जिससे ई रिक्शा को सात जोन में बांटा जाएगा। हर जोन का एक अलग कलर कोड होगा। कोई चालक अपने जोन से बाहर ई रिक्शा ले जाएगा तो उसका चालान कटेगा।

- ई रिक्शा पर जिस जोन का कलर कोड होगा. उसी में संचालित होगा. दूसरे जोन में ई रिक्शा चलाने पर चालान काटा जाएगा

अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (यातायात एवं प्रशासन) योगेश दाधीच ने बताया कि ई रिक्शा का संचालन शुरू करने के पीछे मंशा यह थी कि शहर के हर छोर तक कनेक्टिविटी सुनिश्चित की जा सके ताकि लोग शहर में कहीं से भी अपने घर तक पहुंच सके, लेकिन जिस ढंग से ई रिक्शा की संख्या बढ़ी है। वह ट्रैफिक जाम का बड़ा कारण बनती जा रही है। इससे सुगम यातायात में बाधा बन रही है।

उन्होंने बताया कि अब ई रिक्शा संचालन को विकेंद्रीकृत करने की कवायद की जा रही है. इसके तहत अलग-अलग जोन में कलर कोड के आधार पर ई रिक्शा का संचालन किया जाएगा। ई रिक्शा पर जिस जोन का कलर कोड होगा. उसी में संचालित होगा. दूसरे जोन में ई रिक्शा चलाने पर चालान काटा जाएगा। इससे यातायात में आ रही बाधा को भी दूर किया जा सकेगा. इसके लिए कानूनी व्यवस्था की गई है।

जयपुर में चालीस हजार से ज्यादा ई रिक्शा

दाधीच ने बताया कि अब सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग की मदद से एक पोर्टल बनाया गया है। सभी ई रिक्शा इस एप में रजिस्टर्ड होंगे। इसके बाद सभी ई रिक्शा को विकेंद्रीकृत किया जाएगा। शहर में चालीस हजार से ज्यादा ई रिक्शा हैं। इन्हें सात जोन में बांटकर उनका संचालन किया जाएगा. उन्होंने बताया कि जो ई रिक्शा जिस जोन में रजिस्टर्ड होगा। कलर कोड के आधार पर उसी जोन में संचालित होगा। अपने जोन के अलावा कोई ई रिक्शा दूसरे जोन में नहीं जा पाएगा।

तकनीक के आधार पर होगी मॉनिटरिंग

इसकी तकनीक के आधार पर मॉनिटरिंग की जाएगी. कोई ई रिक्शा दूसरे जोन में संचालित होता है तो चालान किया जाएगा। दरअसल, शहर में कई जगहों पर चालक रात के समय भी हेडलाइट ऑफ कर ई रिक्शा चलाते हैं। इस पर भी लगाम लगाई जाएगी। उन्होंने बताया कि कई चालक बैटरी बचाने के लिए हेडलाइट बंद कर ई रिक्शा चलाते हैं। इससे हादसे होने का अंदेशा रहता है। ऐसे मामलों में चालान किए जाते हैं। अब ऐसे मामलों में भी सख्ती की जाएगी।

सहायक पुलिस उप निरीक्षक पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो(एसीबी) की डूंगरपुर टीम ने कार्रवाई करते हुए पुलिस थाना चौरासी जिला डूंगरपुर के सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) जीवन लाल को परिवादी से पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते पकड़ा गया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की पुलिस महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि एसीबी डूंगरपुर टीम को परिवादी ने शिकायत दी कि उसके भाई व भतीजे को पुलिस थाना चौरासी (झौथरी) के सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) जीवन लाल सहायक ने थाने में ले जाकर बंद कर दिया गया। परिवादी ने पुलिस थाना चौरासी पर जाकर सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) जीवनलाल उसके भाई व भतीजे को बंद क्यों किया है पूछा तो कहा 4 महीने पहले एक अन्य व्यक्ति व भतीजे ने लाबासा दौड़ में झगड़ा किया था। जिस पर परिवादी द्वारा अपने भाई को छोडने का कहाँ तो सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) ने कहाँ की अन्य व्यक्ति को लाओ और भाई को ले जाओ। जिस पर अन्य व्यक्ति को लाया व परिवादी के भाई को छोडा गया।जब परिवादी द्वारा अपने भतीजे व

जीवन लाल पटेल

अन्य व्यक्ति को छोडने का कहाँ तो सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) की ओर से दस हजार रुपये की रिश्वत मांगी गई। जिस पर रिश्वत मांग का सत्यापन हुआ। जिसमें सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) द्वारा परिवादी से तीन हजार रुपये रिश्वत ली गई व शेष सात हजार रुपये ग्रहण करने की सहमति देने की पुष्टि हुई।

जिस पर एसीबी की टीम ने ट्रेप की कार्रवाई करते हुए सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) जीवन लाल पटेल को पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड कर रिश्वत राशि बरामद की गई।

जोगाराम पटेल जिलाध्यक्ष एवं मंडल अध्यक्षों का करेंगे स्वागत

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा सरकार प्रदेश के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। भाजपा सरकार की नीतियों, योजनाओं एवं निर्णयों के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर भाजपा जयपुर जिले के सभी जिला एवं मंडल अध्यक्षों की बैठक बुधवार को आयोजित की गई है। लालकोठी स्थिति कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में 30 जुलाई बुधवार सुबह 11 बजे से आयोजित बैठक में जिलाध्यक्ष एवं मंडल अध्यक्षों का स्वागत जिला प्रभारी मंत्री एवं कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल द्वारा किया जाएगा।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. एस.एस. अग्रवाल ने बताया कि बैठक का मुख्य उद्देश्य जिला स्तर पर प्रदेश सरकार की योजनाओं की जानकारी साझा करना, जयपुर जिले से संबंधित समसामयिक विषयों पर चर्चा करना एवं संगठन की सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करना है।

कार्यक्रम में सभी जिला एवं मंडल अध्यक्षों का स्वागत, सरकार की योजनाओं एवं उपलब्धियों की जानकारी और जयपुर जिले के सम-सामयिक विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

बालिका स्कूल का विलय करने पर हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने ब्यावर की राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, देलवाडा का विलय स्थानीय स्कूल में करने पर मुख्य सचिव, प्रमुख शिक्षा सचिव, माध्यमिक और प्राथमिक शिक्षा निदेशक सहित ब्यावर कलेक्टर से जवाब तलब किया है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश चाहत परिहार व अन्य छात्राओं की ओर से अपने परिजनों के जरिए याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

- 'कई छात्राओं ने स्कूल छोडने का मन भी बना लिया है। ऐसे में स्कूल का विलय करने के आदेश को रद्द किया जाए'

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, देलवाडा की छात्राएं हैं। राज्य सरकार ने गत 16 जनवरी को आदेश जारी कर इस स्कूल को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, देलवाडा में विलय कर दिया। बालिका स्कूल की प्रिंसिपल ने विभाग को इसका विलय निरस्त करने के लिए पत्र भी लिखा, लेकिन विभाग ने विलय निरस्त नहीं किया। याचिका में कहा गया कि यह स्कूल 1973 में प्राथमिक विद्यालय के तौर पर स्थापित हुआ था। वहीं बाद में इसे समय-समय पर क्रमोन्नत किया गया। वर्तमान में आसपास के पांच गांव की करीब तीन सौ छात्राएं यहां अध्ययन करती है। इसके अलावा यहां अलग से अन्य कोई बालिका विद्यालय भी नहीं है। विभाग की ओर से बालिका स्कूल के लिए 4.15 करोड़ की लागत से भवन भी बनाया जा रहा है। याचिका में कहा गया कि केवल उन्हीं स्कूलों का विलय हो सकता है, जिनका नामांकन शून्य या काफी कम है। ऐसे में याचिकाकर्ताओं की स्कूल का विलय उचित नहीं है। स्कूल का विलय होने से छात्राओं को लडकों के साथ पढने के लिए बाध्य होना पड रहा है और कई छात्राओं ने स्कूल छोडने का मन भी बना लिया है। ऐसे में स्कूल का विलय करने के आदेश को रद्द किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

असुरक्षित भवनों में कक्षा संचालन पर केबिनेट मंत्री ने तत्काल लगाई रोक

जयपुर/पाली। पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने मंगलवार को जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक का प्रमुख बिंदु जिले में सरकारी भवनों, स्कूलों, चिकित्सा संस्थानों और सड़कों की खराब स्थिति था। बैठक में केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जर्जर और नकारा भवनों का उपयोग किसी भी स्थिति में न किया जाए। उन्होंने स्कूलों, छात्रावासों, आंगनबाड़ी केंद्रों के अंतर्गत असुरक्षित भवनों में कक्षा संचालन पर रोक लगाई। उन्होंने वैकल्पिक व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए। साथ ही पीडब्ल्यूडी द्वारा पूर्व में नकारा घोषित भवनों को नियमानुसार तत्काल गिराने और नए प्रस्ताव भेजने के लिए कहा। कुमावत ने प्रथम दृष्टि से की गई सर्वे को पीडब्ल्यूडी तकनीकी इंजीनियरों के साथ दोबारा जांच कर फाइनल रिपोर्ट देने के निर्देश दिए। उन्होंने टीएडी छात्रावास, सामाजिक न्याय विभाग के छात्रावास, स्कूल, आंगनबाड़ी, चिकित्सा केंद्र और पशुपालन चिकित्सा केंद्रों सहित सभी विभागों से ब्लॉकवार जानकारी ली।

- मंत्री जोराराम कुमावत ने जिले के जर्जर सरकारी भवनों की मांगी रिपोर्ट
- मंत्री जोराराम कुमावत नपीडब्लयूडी एक्सईएन को जमकर फटकारा

मंत्री जोराराम कुमावत (बांये) ने मंगलवार को जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

जोराराम कुमावत ने कहा कि जिन भवनों पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है, उन पर प्राथमिकता से कार्रवाई की जाए। जर्जर भवनों को कमेटी द्वारा प्रमाणित कर गिरवाने और क्षितग्रस्त भवन या क्षेत्र में किसी को प्रवेश न देने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि इन स्थानों पर सूचना चस्पा की जाए ताकि सभी को जानकारी मिल सके। उन्होंने पंचायती राज के अधिकारियों को उनके भवन व उनके अधीन स्कूलों की रिपेयरिंग हेतु निर्देशित किया।

छह आरोपितों को गिरफ्तार किया

जयपुर। भट्टा बस्ती थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पढ़ाई के नाम पर छोटे बच्चों को बिहार से जयपुर लाकर उनको बालश्रम में धकेलने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए गर्म लाख चूड़ी बनाने के कारखाने में काम करने वाले पन्द्रह बाल श्रमिकों को मुक्त कराया। साथ ही छह आरोपितों को धर-दबोचा है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (उत्तर) करण शर्मा ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (सिबिन राईटस एवं एएचटी) राजस्थान जयपुर की ओर से चलाए जा रहे अभियान उमंग-111 के अन्तर्गतभट्टा बस्ती थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर एक मकान में चल रहे चूड़ी बनाने कारखानों पर दबिश दी गई । जहां पर कारखाने में गर्म लाख की चूड़ी बनाते मिले पन्द्रह बाल श्रमिकों को मुक्त कराया गया। मुक्त कराए बालश्रमिक बिहार के रहने वाले है। जिन्हें उनके गांव से झांसा देकर लाया गया और फिर जबरन गर्म लाख की चूड़ी बनाने का काम पर लगाने के साथ ही मकान से बाहर नहीं जाने दिया जाता और नहीं समय पर भोजन दिया जाता था। आरोपित छोटे अंधेरे कमरे मे जिसमे हवा भी नही पहुंच पा रही थी तथा बदबूदार वातावरण मे बच्चों से बालश्रम करवा रहा थे ।

तीन दिवसीय संगीत समारोह का समापन

जयपुर। संगीत आश्रम संस्थान की ओर से चल रहे तीन दिवसीय संगीत समारोह के आखिरी दिन मंगलवार को यहां संस्थान परिसर में अनेक बाल व युवा कलाकारों ने खुदा के नूर गायक मो.रफी के गाए सदाबहार सुरीले नगमों को अपनी पुरकशिश आवाज में पेश किए।

- संगीत आश्रम संस्थान में गूंजे मो.रफी के तराने

गिटारिस्ट वत्सल अनुपम के निर्देशन में सजे बहारों फूल बरसाओ...शीर्षक से कार्यक्रम में कलाकारों ने रफी के गाए भजन, रोमांटिक व दर्द भरे गीतों की माला पिरोई। कार्यक्रम में विमला शर्मा ने भई देर भई नंदलाला..., जयति कुमारी ने तेरी आंखें के सिवा दुनिया..., गीत शर्मा ने रिमझिम के गीत सावन..., कशिश कंवर ने मन रे तू काहे..., जगदीश जीनगर ने पत्थर के सनम..., हिमांशु वर्मा ने खोया-खोया चांद..., पुष्पेन्द्र सिंह ने लिखे जो खत..., सुमित्र अग्रवाल ने बहारों फूल बरसाओ..., प्रीति प्रधान ने तस्वीर तेरी दिल..., खुशबू कंवर व आदित्य सिंह ने दीवाना हुआ बादल..., सोनू सोनी ने गुलाबी तेरी आंखें..., सीनियर सिंगर ताराचंद जैन ने इस भरी दुनिया में..., भूमिका राठौर ने ढल गया दिन..., समन्विता सरकार ने अच्छा जी मैं हारी..., रीना सोनी ने झिलमिल सितारों का... जैसे गीतों को सुर, लय और ताल में दिलकश अंदाज में सुनाकर माहौल को रफीमय कर दिया। नीत खत्री, नीतेश, आलिया, नव्या, आराध्या और स्तुति ने गिटार पर चुरा लिया है दिल...व क्या हुआ तेरा वादा...जैसे गीतों की धुनें बजाईं।

राघव सोनी, आशिका, तनिष खंडेलवाल,मीशा और सृष्टि गोयल ने भी की-बोर्ड पर सदाबहार गीतों की पेश किया। इसी प्रकार निहाल कुमावत, अभिराम,मिष्का, प्रियंका सिंह, रियांशी अग्रवाल ने भी गीत सुनाए। गिटार पर वत्सल अनुपम व दिशा शर्मा, तबले पर वरुण जांगिड़, ऑक्टोपेड पर अनुपम निर्वाण और की-बोर्ड पर हबीब खान ने प्रभावी संगत की।

संचालन वीना अनुपम ने किया। अंत में संस्थान सचिव अमित अनुपम ने सभी आगन्तुकों का आभार जताया।

वरिष्ठजन संगीत प्रतियोगिता दो व तीन अगस्त को

जयपुर। संगीत के प्रति समर्पित सुपर 60 क्लब की ओर से संगीत के शौकीन वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयोजित गायन प्रतियोगिता दिल से, फिर एक बार के ऑडिशन दो और तीन अगस्त को होंगे। देवरंजनी म्यूज़िक स्कूल के संयोजन में होने वाली इस प्रतियोगिता में 60 वर्ष से अधिक उम्र के पुरुष और महिलाएँ भाग ले रहे हैं। सभी प्रतिभागियों को ऑडिशन के लिए आमंत्रण पत्र भिजवा दिए गए हैं। ऑडिशन चित्रकूट स्थित देवरंजनी म्यूजिक स्कूल में दो पारियों में पूर्वाह्न 11.00 बजे सेअपराह्न 2.00 बजे तथा 3.00 बजे से 6.00 बजे तक होगा।

क्लब के प्रवक्ता प्रेम भारती ने बताया कि दिल से फिर एक बार संगीत प्रतियोगिता को लेकर प्रतिभागियों में ख़ासा उत्साह देखने को मिल रहा है। इस प्रतियोगिता में महिला और पुरुष वर्ग के लिए अलग-अलग प्रतियोगिता होगी जिसमें पुरुष वर्ग के विजेता को विंटेज किंग और महिला को विंटेज क्वीन का ख़िताब दिया जाएगा। दोनों वर्ग में द्वितीय और तृतीय पुरस्कार भी दिए जाएँगे देवरंजनी म्यूज़िक स्कूल की निदेशक सरिता द्विवेदी ने बताया कि प्रतियोगिता में केवल शौकिया तौर पर गाने वाले वरिष्ठजन ही हिस्सा ले रहे हैं।

'लेडी ऑफ द लेक' रणथंभौर की रानी मछली (टी-16) को समर्पित स्मारक का वन मंत्री ने अनावरण किया

विश्व बाघ दिवस पर भारत की सबसे प्रतिष्ठित बाघिन को आधिकारिक श्रद्धांजलि

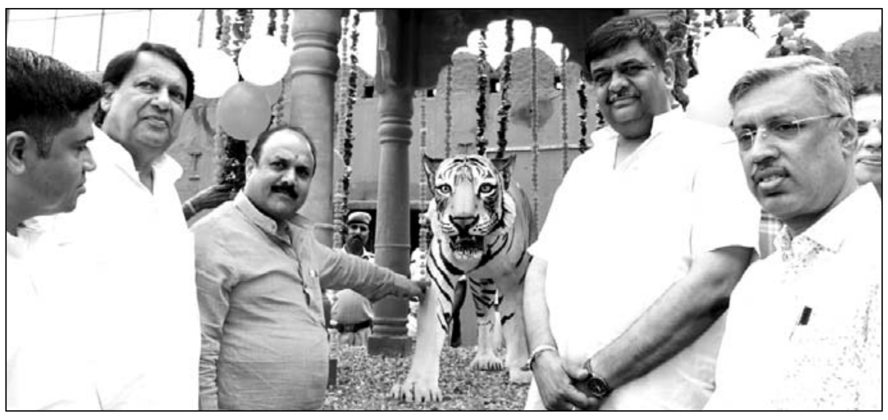

वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री संजय शर्मा ने रणथम्भौर में विश्वविख्यात बाघिन मछली (टी-16) को चिरस्थायी स्मृति देने के लिए स्मारक का अनावरण किया।

- मछली ने 5 बार शावकों को जन्म दिया और 2004-05 के शिकार संकट के समय रणथंभौर को पुनः आबाद किया।

सवाई माधोपुर,। विश्व बाघ दिवस के अवसर पर वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने मंगलवार को सवाईमाधोपुर के रणथम्भौर टाइगर रिजर्व की गौरवशाली और विश्वविख्यात बाघिन मछली (टी-16) को चिरस्थायी स्मृति देने हेतु जोगी महल गेट रणथम्भौर पर भव्य स्मारक का अनावरण किया।

वन राज्यमंत्री शर्मा ने सवाईमाधोपुर जिलेवासियों को विश्व टाइगर दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रणथम्भौर टाईगर रिजर्व सवाई माधोपुर की पहचान है तथा इसके संरक्षण एवं संवर्धन के लिए राज्य सरकार संकल्पबद्ध है। उन्होंने कहा कि रणथम्भौर टाईगर रिजर्व क्षेत्र को आबाद करने में बाघिन मछली (टी-16) की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि देश में टाईगर का यह द्वितीय स्मारक है। वन विभाग की ओर से यह स्मारक बाघिन मछली (टी-16) को सच्ची श्रद्धांजलि है। शावको के साथ यह स्मारक, न केवल उसकी महान विरासत को जीवंत करता है, बल्कि रणथंभौर भ्रमण पर आने वाले पर्यटकों एवं त्रिनेत्र गणेश मंदिर के श्रद्धालुओं के लिए वन्यजीव संरक्षण की एक प्रेरणास्पद झलक भी प्रस्तुत करेगा। रणथम्भौर की सबसे प्रसिद्ध बाघिन मछली (टी-16) का जन्म, 1997 में हुआ। वह अपने चेहरे पर मछली जैसी आकृति के कारण यह नाम पाई और वर्षों तक पदम तालाब, राजबाग और मलिक तालाब जैसे झीलों वाले क्षेत्र पर नियंत्रण रखने के कारण लेडी ऑफ द लेक्स एवं एक विशाल मगरमच्छ को परास्त कर क्रोकोडाइल किलर भी कहलाई। मछली ने 5 बार शावकों को जन्म दिया और 2004-05 के शिकार संकट के समय रणथंभौर को पुनः आबाद किया। रणथंभौर की वर्तमान बाघ आबादी का एक बड़ा हिस्सा मछली के वंशजों से बना है, जिनमें सुंदरी (टी-17) और ऐरोहेड (टी-84) जैसे नाम शामिल हैं। मछली की ही संतान बाघिन एसटी-2 राजमाता ने अलवर के सरिस्का को आबाद किया। 2016 में लगभग 19 वर्षों की आयु में मछली का देहांत हुआ, जो किसी जंगली बाघिन के लिए अभूतपूर्व आयु मानी जाती है। बाघिन मछली के जीवन पर डॉक्यूमेंट्री बन चुकी है व राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। वर्ष 2013 में भारत सरकार ने मछली पर स्मारक डाक टिकट जारी कर उसे राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया। कार्यक्रम के अंतर्गत 107 नवचयनित वन्यजीव गाइड्स को प्रशिक्षण समापन प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए। वन्यजीव गाइड खुश बैरवा (विस्थापन श्रेणी) और उमेश सैनी (ईडीसी श्रेणी) को रणथंभौर संरक्षण में उत्कृष्ट योगदान हेतु सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राज्यमंत्री शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाने का संकल्प लेकर हरियाली को जन आंदोलन बना रही है।

स्कूलों का निरीक्षण किया : प्रतापगढ़ में अतिवृष्टि के कारण विद्यालयों भवनों की स्थिति को जानने के लिए जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी कमलेश तेतरवाल ने मंगलवार को जिले के विद्यालयों का निरीक्षण किया। इस दौरान ब्लॉक सुहागपुरा के राउमावि सुहागपुरा, राउमावि सोडलपुर का,ब्लॉक पीपलखूंट के राउप्रावि कुड़ापाड़ा प्रथम, राप्रावि उगमना पाड़ा, राप्रावि भोई फला का निरीक्षण किया।

नीमकाथाना कोर्ट में पेश हुआ हार्डकोर अपराधी मनीष उर्फ बच्या, कोर्ट परिसर बना छावनी

राजू ठेठ हत्याकांड का मुख्य आरोपी है मनीष, कड़े पुलिस पहरे में तिहाड़ से लाया गया ।

पाटन (निसं)।राजस्थान के चर्चित राजू ठेठ हत्याकांड का मुख्य आरोपी और कुख्यात अपराधी मनीष उर्फ बच्या को मंगलवार को भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच नीमकाथाना कोर्ट में पेश किया गया।

मनीष का संबंध कुख्यात गैंगस्टरों आनंदपाल और लॉरेंस बिश्नोई गैंग से बताया जा रहा है। कोर्ट में पेशी के दौरान परिसर को छावनी में तब्दील कर दिया गया था। चारों ओर पुलिस बल की तैनाती की गई थी, ताकि कोई अप्रिय घटना न हो।पुलिस के अनुसार, मनीष उर्फ बच्या पर वर्ष 2018 में डकैती और जानलेवा हमले का मामला दर्ज हुआ था, जिसमें वह लंबे समय से फरार चल रहा था। बाद में उसे गिरफ्तार कर पहले अजमेर जेल और फिर तिहाड़ जेल भेजा गया था। मंगलवार को इसी डकैती और हमले के केस में उसे नीमकाथाना कोर्ट में पेश किया गया।मनीष न केवल पुराने मामलों में वांछित रहा है, बल्कि वह सीकर जिले के बहुचर्चित राजू ठेठ हत्याकांड का भी मुख्य साजिशकर्ता बताया जा रहा है। जांच के अनुसार, मनीष और उसके साथियों ने राजू ठेठ पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाकर उसकी हत्या कर दी थी। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गया था, जिसे विशेष पुलिस टीम ने गिरफ्तार कर लिया था।पुलिस सूत्रों का कहना है कि मनीष पर नीमकाथाना समेत प्रदेश के कई थानों में संगीन धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। उसकी गतिविधियों को लेकर पुलिस की अलग-अलग टीमें लगातार निगरानी बनाए हुए हैं।

एक दिन में एक करोड़ की साइबर ठगी करने का अरोपी गिरफ्तार

अपराधियों के खिलाफ चलाया जा रहा है अभियान

करौली (निंसं.) महानिरीक्षक पुलिस भरतपुर रेंज भरतपुर एवं पुलिस अधीक्षक लोकेश सोनवाल आईपीएस जिला करौली द्वारा साइबर अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान ऑपरेशन एंटी वायरस 2.0 के तहत गुमनाराम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय करौली के सुपरविजन में थानाधिकारी हरीराम मीणा आरपीएस, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक साइबर थाना करौली के द्वारा कार्यवाही की गई।

करोडो रूपये से अधिक की ठगी करने वाले साइबर ठग को साइबर थाना करौली के द्वारा की टीम द्वारा गुजरात के अहमदाबाद से दस्तयाब कर गिरफतार किया गया। साइबर थाने के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मुस्तगीस से ई-कॉमर्स बूस्ट कम्पनी के नाम पर हुई 10,00000 लाख रूपये की साइबर ठगी मुलजिम द्वारा 4,33,040.00 रूपये आईएमपीएस के जरिये स्वयं के खाते में प्राप्त किये गये। मुलजिम के एक ही खाते पर भिन्न-भिन्न राज्यो से 23 साइबर ठगी की शिकायते दर्ज है पुलिस अधीक्षक लोके'ा सोनवाल आईपीएस जिला करौली द्वारा साइबर अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान ऑपरेषन एंटी वायरस 2.0 के तहत गुमनाराम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक करौली के सुरपरविजन में थानाधिकारी हरीराम मीणा आरपीएस, अति0पु0अधीक्षक साइबर थाना करौली के नेतृत्व में टीम ने कार्यवाही करते हुये 26.जुलाई .को आरोपी धर्मेन्द्र चावडा हरीषभाई पुत्र हरीषभाई उम्र 40 साल जाति अहीर निवासी 36501 गीता अपार्टमेन्ट नियर बालकृष्ण मन्दिर रानिप, थाना रानिप जिला अहमदाबाद राज्य गुजरात हाल किरायेदार मकान न0 08 अरविन्द सोसाइटी गायत्री मन्दिर रोड रानिप थाना रानिप अहमदाबाद को प्रकरण संख्या 02ध्2025 धारा 318(4),316 (2) 3 फरवरी को साइबर थाना करौली में गिरफतार किया गया। आरोपी द्वारा परिवादी से ई-कॉमर्स बूस्ट कम्पनी के नाम पर साइबर ठगी कर 4,33,040 रूपये आईएमपीएस के जरिये स्वयं के खाते में प्राप्त किये गये। उक्त मुलजिम को आज दिनांक 27.07.2025 को पे'ा न्यायालय किया जाकर जेल दाखिल कराया जा चुका है।

आरोपी के खाते पर मुस्तगीस सहित कुल 23 साइबर ठगी की शिकायते हैं जिनमें 33 लाख रूपये की साइबर ठगी करना सामने आया है आरोपी ने एक ही दिन में साइबर ठगी कर एक करोड रूपये से अधिक की राषि की अपने खाते में प्राप्त की है। जिस टीम मे साईबर थाना अधिकारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरिराम मीणा,नेत्रेष कुमार हैड कानि0 न0 84 साइवर थाना करौली, संदीप कानि0 1100 साइवर थाना करौली, गिरेन्द्र सिंह कानि0 1336 साइवर थाना करौली,विष्णु कुमार कानि0 1285 साइवर थाना करौली, रेनूषर्मा म0कानि0 274 साइवर थाना करौली उन्होने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी में थानाधिकारी रीडर रेनूषर्मा व संदीप की मुख्य भूमिका रही है।

जर्जर चिकित्सा भवनों के प्रस्ताव मांगे

- जिला प्रमुख की अध्यक्षता में स्थाई समितियों की बैठक आयोजित
- बैठक में जिले में विद्यमान समस्त जर्जर

बांसवाड़ा,। जिला परिषद सभागार में जिला प्रमुख रेशम मालवीया की अध्यक्षता में स्थाई समितियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में विद्यमान समस्त जर्जर राजकीय विद्यालयों की स्थिति के बारे में बताया गया तथा उनके प्रस्ताव लेकर उन्हें गिराने तथा नवीन भवनों के निर्माण के लिए विभाग को प्रस्ताव भिजवाने के लिए निर्देशित किया गया।

चिकित्सा विभाग के अधिकारी को मौसमी बीमारियों की रोकथाम, जर्जर चिकित्सा भवनों के प्रस्ताव एवं चिकित्सा व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा जहां पर डॉक्टर उपलब्ध नहीं हों वहां डॉक्टर लगाने हेतु निर्देशित किया गया। इसके अलावा कृषि विभाग को हाईब्रीड बीज उपलब्ध करवाने तथा खाद की कालाबाजारी रोकन तथा समान दर पर वितरण करवाने के निर्देश दिए गये। बैठक में जनजाति विकास विभाग के छात्रावासों में गुणवत्तायुक्त भोजन सामठी उपलब्ध करवाने तथा साफ-सफाई हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में जिला परिषद की स्थाई समितियों के अध्यक्ष तथा सदस्यगण उपस्थित रहे।

पौधारोपण किया

नागौर। ग्राम पंचायत ऊंटवालिया में महात्मा गाँधी राजकीय विद्यालय भाकरी में हरियालो राजस्थान के अंतर्गत पौधे लगाए गए । राजस्थान सरकार ने हरियालो राजस्थान के अंतर्गत विद्यालयों को अधिकतम वृक्षारोपण का लक्ष्य दिया है जिसके अंतर्गत सभी बच्चों ने एक-एक पौधा लगाकर उसकी जिओ टेगिंग करने का संकल्प लिया। प्रधानाचार्य बाबू राम ने बताया कि विद्यालय में पौधारोपण के दौरान नागौर सीबीईओ कार्यालय के अधिकारी ओमप्रकाश मूंड भी मौजूद थे।

खतरे वाले कमरों में बच्चों को नहीं बैठाने के आदेश

किशनगढ़ बास। जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने किशनगढ़ बास के गंज व बास कृपाल नगर में संचालित हो रहे राजकीय विद्यालय, संस्कृत विद्यालय, कस्तूरबा गांधी आवासीय सहित आंगनबाडी केन्द्रों के भवनों का सुरक्षा की दृष्टि से अवलोकन कर स्थिति का जायजा लिया व मौके पर अधिकारियों को मरम्मत कराने व कमरों से बच्चों को शिफ्ट करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम मनीष जाटव व पीडब्ल्यूडी अधिकारी साथ रहें। एसडीएम मनीष जाटव ने बताया कि झालावाड़ की स्कूल दुर्घटना के बाद प्रदेशभर में स्कूल भवनों की सुरक्षा को लेकर राज्य सरकार ने विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश जारी किए हैं।

इसी क्रम में जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने मंगलवार को किशनगढ़ बास क्षेत्र के बास कृपाल नगर और गंज के विद्यालयों और आंगनबाड़ी केंद्रों का सघन निरीक्षण किया और सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक निर्देश दिए । निरीक्षण के दौरान पीएम श्री विद्यालय, बास कृपाल नगर के दो कमरों की छत की पट्टियां टूटी हुई पाई गईं।

लाइट फिटिंग के तार चोरी करने वाला गिरफ्तार

- वहीं कोतवाली पुलिस ने पुरानी अनाज मण्डी में हुई चोरी का 12 घंटे में ही किया खुलासा, आरोपी से किया माल बरामद

गंगापुर सिटी । पुलिस ने दो चोरी के मामले में बडी सफलता हासिल की है। पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार बेनीवाल के निर्देश पर थाना सदर गंगापुरसिटी की टीम ने जयपुर रोड स्थित गुप्ता नर्सिंग होम की निर्माणाधीन बिल्डिंग से लाइट फिटिंग के तारों के बंडल चुराने के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार आरोपियों में लेखराज सैनी, हेमराज सैनी, जीतराम सैनी और तेजराम सैनी शामिल हैं। सभी आरोपी उदई कला गांव के रहने वाले हैं। इस मामले में पहले ही एक आरोपी शेर सिंह सैनी को गिरफ्तार किया जा चुका था। घटना 24 मई 2०25 की रात को हुई थी। परिवादी मोहनलाल माली ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि देवनारायण मंदिर के सामने स्थित गुप्ता नर्सिंग होम की निर्माणाधीन इमारत से अज्ञात व्यक्तियों ने लाइट फिटिंग के तारों के बंडल चुरा लिए हैं। इस रिपोर्ट पर प्रकरण संख्या 1०6/25 धारा 331(4) 3०5(ए) बीएनएस पंजीबद्ध किया गया था। इस कार्रवाई में थानाधिकारी बनीसिंह के नेतृत्व में सहायक उप-निरीक्षक रामबाबू और कॉन्स्टेबल राजमल, विशाल और संजीव की टीम शामिल थी। यह कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश राजौरा और वृत्ताधिकारी संतराम मीना के सुपरविजन में संपन्न हुई। वहीं दूसरी ओर पुरानी अनाज मण्डी में एक परिवार के घर का किवाड तोड कर चोर सोना चांदी के जेवर सहित नकदी चुरा कर ले गए जिस पर कोतवाली थानाधिकारी करण सिंह ने त्वरित कार्रवाही करते हुए घटना स्थल के आसपास के करीब 8० सीसीटीवी कैमरो को खंगाल कर आरोपी को पकडने में सफलात मिली। आरोपी ने पीडिता सोनल के यहां से सोने के जेवर व नकदी को चुरा कर ले गए। पीडिता अपने परिवार के साथ पर्ल होटल में सावन महोत्सव में शामिल होने के लिए गई थी। उसी समय पीछे से आरोपियो ने गेट तोड कर आलमारी में रखे आभूषण व नकदी पर हाथ साफ कर दिया। पीडिता जब घर पहुंची तो घर का सामान बिखरा हुआ देख कर उसके होश पुख्ता हो गए। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने जानकारी ले कर मामला दर्ज कर स्पेशल टीम का गठन किया और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरो को खंगाला जिसमें एक युवक मकान में घुसते हुए व निकलते हुए दिखा। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार आरोपी को डिटेन कर जानकारी हासिल की तो आरोपी फब्बारा चौक हरिजन मोहल्ला निवासी काकू उर्प निर्मल हरिजन है जिसे पुलिस ने त्वरित कार्वाही करते हुए घर से दबोचा।

युवाओं में तार्किक एवं रचनात्मक क्षमता विकसित करें : राज्यपाल

भरतपुर (निस)। महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय का पंचम दीक्षान्त समारोह राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ किसनराव बागडे की अध्यक्षता में बीडीए ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। समारोह के विशिष्ट अतिथि उप मुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा रहे।

राज्यपाल बाडगे ने कहा कि ज्ञान का परिदृश्य पूरे विश्व में तेजी से परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, वैज्ञानिक और तकनीकी अनुसंधान के चलते विश्वभर में कुशल कामगारों की जरूरत और मांग बढेगी। युवाओं को तार्किक एवं रचनात्मक रूप से सोचते हुये विविध विषयों के बीच अर्न्तसंबंधों और बदलती परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को तैयार करना होगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में बौद्धिक क्षमता के आंकलन की सुव्यवस्थित पद्धित होनी चाहिए जिससे युवाओं के कौशल एवं ज्ञान का पारदर्शिता से आंकलन हो सके। उन्होंने कहा कि शिक्षा एक बीज की भांति है जो निरंतर जीवन को निखारने का कार्य करती है। जिस प्रकार बीज एक पेड बनकर समाज को ऑक्सीजन, फल, फूल, छाया, ईंधन आदि देने का कार्य करता है उसी प्रकार शिक्षा प्राप्त करने वाले को भी अपनी ज्ञान का उपयोग समाज को प्रगति में करना चाहिये। शिक्षा का उद्देश्य जीविकोपार्जन तक सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि इसका उपयोग समाज को दिशा देने एवं उत्थान के लिए होना चाहिए।

महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय का पंचम दीक्षान्त समारोह राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे की अध्यक्षता में हुआ।

उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति एवं पुरातन शिक्षा पद्धित विश्वभर में अठाणी रही है, उच्च शिक्षा के लिए गुरूकुल परम्परा शोध, अनुसंधान के साथ जीवन के सर्वांगीण विकास का आधार होती थी। उन्होंने कहा कि विश्व विद्यालयों में हमारी पुरातन संस्कृति एवं शिक्षा को संरक्षित करते हुए शोध कार्य को प्रोत्साहन मिले इस दिशा में कार्य करना चाहिए। अनुसंधान नये ज्ञान का सृजन करता है इसे समाज के उत्थान में काम लेकर युवा देश के विकास में भागीदार बनें।

उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षाविदों को आव्हान किया कि शिक्षा को उन्मुक्त बनाकर अधिक से अधिक फैलाऐं, जितना विस्तार होगा युवाओं में उतना ही बौद्धिक क्षमता का विकास होगा। उन्होंने कहा कि युवाओं को हमारी संस्कृति एवं अनुसंधान पद्धित पर गर्व हो इसके लिए विश्वविद्यालयों को कार्य योजना बनाकर आगे बढने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि न्यूटन ने गुरूत्वाकर्षण का सिद्धांत 16 वीं सदी में दिया था जबकी भास्कराचार्य ने लीलावती ठांथ में काफी पहले ही सौरमंडल में गुरूत्वाकर्षण के बारे में बता दिया था। उन्होंने कहा कि जब विश्व में उच्च शिक्षा के लिए 6 विश्वविद्यालय हुआ करते थे उस समय भारत में दो विश्वविद्यालय नालंदा एवं तक्षिशला विद्यमान थे जिनमें विदेशी विद्यार्थी भी विद्या प्राप्त करने आते थे। उन्होंने कहा कि समारोह में बालिकाओं की संख्या अधिक है हर क्षेत्र में नारी शक्ति अपनी पहचान सिद्ध कर रही है।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

पूरक परीक्षा - 2025 हेतु सूचना

वर्ष 2025 की बोर्ड पूरक परीक्षाएं दिनांक 06.08.2025 से 08.08.2025 तक निर्धारित केन्द्रों पर आयोजित की जायेगी। जिसके प्रवेश पत्र तथा केन्द्र सामग्री बोर्ड की वेबसाईट https://rajeduboard.rajasthan.gov.in पर अपलोड कर दी गई है। प्रवेश पत्र, शुल्क व अन्य जानकारी विस्तृत रूप से बोर्ड की वेबसाईट पर उपलब्ध है। बोर्ड का कन्ट्रोल रूम दिनांक 01.08.2025 से 08.08.2025 तक प्रातः 07.00 बजे से रात्रि 09.00 बजे तक कार्यरत रहेगा। दूरभाष नम्बर 0145-2632866, 2632867, 2632868 Email ID ddexamfirst@gmail.com सचिव

कार्यालय उप वन संरक्षक एवं उप क्षेत्र निदेशक (द्वितीय) रणथम्भौर टाईगर रिजर्व करौली

Mail ID- dcfb.kroli.forest@rajasthan.gov.in Phone No. 07464-297007

क्रमांक-एफ( )स्टोर/उवसं(द्वितीय)2025-26/ दिनांक-

Notice Inviting Bid

Bids for Construction of Forest Guard Choki under Range Kailadevi and Construction of Range Cum Resident Range Compus Range Karanpur are invited from interested bidders upto 6.00 PM Date 01.08.2025. Other particulars of the bid may be visited on the procument portal (https://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in) of the state website. The approximate value of the procurements is 11.16/- Lacs and 22.77/- Lacs.

NIB CODE- FOR2526A0824, UBN CODE-FOR2526WSOB01043, FOR2526WSOB01044

(Hari Singh Hada) Deputy Conservator of forest & Dy Field Director II Ranthambhore Tiger Reserve Karauli

DIPR/C/10573/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड नोखा

क्रमांक-885-892 दिनांक-18.07.2025

Notice Inviting Bid-03/2025-26

Bids for various maintenance and road works are invited from interested bidders upto 21.07.2025 (09.30 AM) to 05.08.2025 (06.00 PM) other particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://www.pwd.rajasthan.gov.in. & eproc.rajasthan.gov.in & http://sppp.rajasthan.gov.in of the state and departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 173.00 Lakh.

NIB CODE NO: PWD2526A2077, UBN- PWD2526WSOB07500

Executive Engineer PWD Dn. Nokha

DIPR/C/10404/2025

राजस्थान सरकार

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, खण्ड प्रथम, जयपुर

सी-ब्लॉक, बेसमेन्ट, स्वास्थ्य भवन, तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर-302005 (राज.) फोन-0141-2229737

क्रमांक-993 दिनांक-17.07.2025

ई-निविदा सूचना संख्या 33/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत "Upgradation of Cottage Ward (First Floor) at Jaipuria Hospital, Jaipur" कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग/राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत अनुभवी संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रप्त्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेबसाईट www.dipronline.Org, www.sppp.raj.nic.in, http://eproc.rajasthn.gov.in व विभागीय वेब साईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता हैं।

UBN- 1. NRH2526WSOB00749

अधिशाषी अभियन्ता चिकित्सा एवं स्वास्थ्य खण्ड प्रथम, जयपुर

DIPR/C/10345/2025

राजस्थान सरकार

निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, जयपुर

क्रमांक निदे/अ.ख.अ.नीलामी/निलामी (ERCC/RCC 14)/2025/ई-12004

ई-नीलामी विज्ञप्ति संख्या-(ERCC/RCC 14)/2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली, 2017 के नियम-36 व 37 के तहत विभाग द्वारा इस विज्ञप्ति से अप्रधान खनिजों के प्रभावशील खनन पट्टों/क्वारी लाईसेंसों व परमिट क्षेत्रों से निर्गमित होने वाले खनिजों पर अधिशुल्क/अधिक अधिशुल्क, परमिट शुल्क, प्रिमीयम शुल्क, डी.एम.एफ.टी., आर.एस.एम.ई.टी. एवं अन्य शुल्क संग्रहण के कुल 49 ठेके खुली ई-नीलामी के माध्यम से दिये जाने हेतु इलक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर इच्छुक बोलीदाताओं से बोली आमंत्रित की जाती है। ठेकों से संबंधित विस्तृत विवरण जैसे-ठेका क्षेत्र, खनिज, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण व ई-ऑक्शन की प्रक्रिया एवं मुख्य शर्ते विभागीय वेबसाइट www.:mines.rajasthan.gov.in एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेट फार्म प्रदाता कंपनी RailTel की वेबसाइट www.://rajminorrccerce.enivida.com पर उपलब्ध हैं।

(दीपक तंवर) निदेशक

DIPR/C/10426/2025

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER P.W.D. CIRCLE DAUSA

क्रमांक-फा./निविदा/2025-26/1632-48 दिनांक-16.07.2025

Notice Inviting Bid 05/2025-26

Bids for Nit No. 05/2025-26, No. of 1 Roads works for Atal Path are invited from interested bidders upto Date 11.08.2025. Time 06.00 P.M. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state, and-departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 124.51 Lacs.

NIB CODE: PWD2526A2043

UBN NO. PWD2526WSOB07345

(एम.एल. मीना) अधीक्षण अभियन्ता सा.नि.वि. वृत्त दौसा

DIPR/C/10326/2025

राजस्थान सरकार

कार्यालय खनि अभियन्ता, खान एवं भू-विज्ञान विभाग, करोली

क्रमांक-खअ/करौ/अवैध/2025/ दिनांक-17.07.2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कार्यालय द्वारा अवैध खनन/निर्गमन/भण्डारण की चैकिंग के दौरान जब्त किया गया खनिज सिलिका सेण्ड की नीलामी दिनांक 13.08.2025 को प्रात 11.00 बजे कार्यालय खनि अभियन्ता, करौली परिसर में की जावेगी। इच्छुक बोलीदाता नीलामी से पूर्व बयाना राशि एवं प्रतिभूति राशि का डी.डी. खनि अभियन्ता, करौली के पक्ष में कार्यालय में जमा कराकर बोली में भाग ले सकेंगे।

क्र. स.	सामग्री का नाम	भण्डारण स्थल	अनुमानित मात्रा	अनुमानित लागत मूल्य	बयाना राशि	अमानता राशि
1	खनिज सिलिका सैण्ड	खनन पट्टा संख्या 3/1990 निकट ग्राम सैमरदा तहसील व जिला करौली	1150 टन	12,65,000/-	25300/-	63250/-

नोट-नीलामी से संबंधित शर्तो एवं खनिज सिलिका सेण्ड के स्टॉक की जानकारी विभागीय वेबसाईट mines.rajasthan.gov.in से प्राप्त की जा सकती है एवं इस संबंध में जानकारी कार्यालय दिवस में कार्यालय से भी प्राप्त की जा सकती है।

(डी.एस. मीना) खनि अभियन्ता करौली

DIPR/C/10300/2025

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, जन स्वा.अभि.विभाग, वृत बारां

क्रमांक-अअ/वृत/बारां/2025-26/1230-37 दिनांक-17.07.2025

निविदा सूचना संख्या- 02 से 03/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। विभाग में उचित श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार/कार्य के ठेकेदार तथा केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक, दूरसंचार, रेल्वे, सेना अभियांत्रिकी सेवा, अन्य राज्य सरकारों/केन्द्रीय सरकार के उपक्रमों/संगठनों के पास सूचीबद्ध ठेकेदार, जो कि राजस्थान सरकार के "एए" श्रेणी के समतुल्य है भी कार्यो के लिये निविदा हेतु नियमानुसार विहित अग्रिम धनराशि देने के पश्चात निविदा हेतु पात्र होंगे, से निर्धारित प्रपत्रों में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती है।

निविदा फार्म ऑनलाईन वेबसाईट http://www.eproc.rajasthan.gov.in से दिनांक 21.07.2025 प्रात 10.00 बजे से डाउनलोड किये जा सकते है। ऑनलाईन निविदाऐं इसी वेबसाईट पर इच्छुक संवेदकों द्वारा दिनांक 21.07.2025 से 04.08.2025 सायं 18.00 बजे तक पलोड किये जा सकते है। वेबसाईट पर दिनांक 05.08.2025 को इस कार्यालय में दोपहर 15.00 बजे निविदा खोली जावेगी। यदि किसी कारणवश उस दिन अवकाश रहता है तो उसके अगले दिन कार्यदिवस को उसी समय पर निविदा खोली जावेगी। निविदा शुल्क/प्रक्रिया शुल्क/धरोहर राशि निविदादाता द्वारा ईग्रास के माध्यम से चालान की प्रति इस कार्यालय में 05.08.2025 को दोपहर 1.00 बजे तक जमा करवाना होगा। **विभाग में पंजिकृत स्थाई संवेदक/फर्म पंजीयन जीवित नहीं होने संवेदक/फर्म का पुनरावलोकन जीवित नहीं होने की स्थिति में निविदा मान्य नहीं होगी।**

उक्त निविदा एसपीपी पोर्टल पर प्रकाशित की जा चुकी है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण निम्नलिखित वेबसाईट पर देखे जा सकते है-

1- http://www.eproc.rajasthan.gov.in 2- http://sppp.rajasthan.gov.in

निविदा संख्या	कार्य का विवरण	अनुमानित राशि (लाखों में)	धरोहर राशि		निविदा/प्रक्रिया शुल्क (रूपये में)		कार्य पूर्ण करने की अवधि
			2%	0.50%	Tender Fees	RISL Fees	
02/ 2025-26	Supply of ISI Marked Alumina Ferric Gr-4 at UWSS Baran Dn Baran District BARAN UBN NO.: PHE2526WSRC04713	07.00	14,000/-	3500/-	500/-	500/-	06 माह
03/ 2025-26	Annual Rate Contract for Construction and Commissioning of 200 mm and 150 mm tube wells with Submersible pump sets etc. complete work in all types of strata including defect liability period of 02 year at various villages of PHED Division Chhabra. UBN NO.: PHE2526WSRC04714	121.00	2,42,000/-	60500/-	5000/-	2000/-	12 माह

"जल ही जीवन है"

(आलोक कुमार गुप्ता) अधीक्षण अभियंता जन स्वा.अभि. विभाग, वृत बारां

DIPR/C/10329/2025

बदमाशों को गिरफ्तार कर पन्द्रह लाख के वाहन बरामद किए

पुलिस ने 11 मोटरसाइकिल व एक महंगी स्विफ्ट कार सहित कुल 12 चोरी के वाहन बरामद किए।

- मास्टर चाबी गैंग पांच शातिर चोर गिरफ्तार
- चोरी किए गए वाहनों को सुनसान स्थानों या झाड़ियों में छिपा देते थे

जयपुर। झालावाड़ जिले की कोतवाली थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक अंतरराज्यीय और बेहद शातिर वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पन्द्रह 15 लाख की अनुमानित कीमत की 11 मोटरसाइकिल और एक महंगी स्विफ्ट कार सहित कुल 12 चोरी के वाहन बरामद किए हैं।

इस कार्रवाई में गिरोह के सरगना सहित पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है, जिनके खिलाफ चोरी, नकबजनी, लूटपाट और हत्या के प्रयास जैसे कुल 33 संगीन मामले दर्ज हैं। जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने कोतवाली थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक अंतरराज्यीय और बेहद शातिर वाहन चोर गिरोह के शातिर बदमाश समीर उर्फ टुंडा (28) निवासी पीलखाना मोहल्ला गिरोह का सरगना है, जिसके खिलाफ नकबजनी, चोरी, लूट, आर्म्स एक्ट, हत्या के प्रयास, एक्साइज एक्ट जैसे 20 संगीन प्रकरण दर्ज हैं। साथी कैलाश चन्द (25) निवासी कुशलपुरा के खिलाफ चोरी, नकबजनी, आर्म्स एक्ट सहित 7 प्रकरण, शाहिद खान उर्फ चम्मू (30) निवासी के खिलाफ नकबजनी, एक्साइज एक्ट सहित 4 प्रकरण, सुरेन्द्र धाकड़ (26) निवासी हरिगढ़ खेड़ा के खिलाफ चोरी, आर्म्स एक्ट के 2 प्रकरण और आकाश (25) निवासी कृष्णा मोहल्ला धुलेट कोटा ग्रामीण का आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है। गिरफ्तार किए गए सभी अभियुक्त बेहद शातिर और आदतन अपराधी हैं। इनका आपराधिक रिकॉर्ड चौंकाने वाला है।

मास्टर चाबी और रंग बदलने का खेल:

पूछताछ में इन अपराधियों ने वाहन चोरी के तरीके का खुलासा किया। ये अधिकतर हीरो कंपनी की बाइक को निशाना बनाते थे, क्योंकि उनकी बाजार में अच्छी मांग होती है और उन्हें आसानी से बेचा जा सकता है। भीड़-भाड़ वाली जगहों पर वाहनों की रेकी करते थे। जैसे ही कोई व्यक्ति अपना वाहन खड़ा करके जाता था, ये तुरंत मास्टर चाबी का उपयोग कर गाड़ी का लॉक खोलते थे। चोरी किए गए वाहनों को सुनसान स्थानों या झाड़ियों में छिपा देते थे। पहचान से बचने के लिए तुरंत नंबर प्लेट हटा देते थे, उन पर दूसरी गाड़ियों की नंबर प्लेट लगा देते थे या गाड़ी का रंग भी बदल देते थे। इंजन नंबर और चेसिस नंबर भी मिटाने का प्रयास करते थे। बाद में इन चोरी की गाड़ियों को औने-पौने दामों में बेचकर अपने महंगे शौक पूरे करते थे।

गिरफ्तार अभियुक्तों से गहन पूछताछ जारी है और उम्मीद है कि झालावाड़ सहित आसपास के जिलों में चोरी की और भी कई वारदातों का खुलासा हो सकता है। इस महत्वपूर्ण सफलता में सहायक उप निरीक्षक अशोक कुमार, कांस्टेबल राजेश स्वामी, कांस्टेबल चंद्रशेखर और कांस्टेबल भीम सिंह की विशेष भूमिका रही, जिनके अथक प्रयासों और बुद्धिमत्ता से इस गिरोह का पर्दाफाश संभव हो सका।

उपमुख्यमंत्री बैरवा की सुरक्षा में तैनात एक जवान की सड़क हादसे में मौत

जयपुर। राजधानी के एमआई रोड पर मंगलवार सुबह उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा की सुरक्षा में तैनात दो पुलिसकर्मी सड़क हादसे में घायल हो गए। इनमें से एक जवान रामावतार बुनकर की इलाज के दौरान मौत हो गई। जबकि मनोज मीणा गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल पुलिसकर्मी का एसएमएस अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में इलाज चल रहा है।

वहीं दुर्घटना की सूचना मिलने पर उपमुख्यमंत्री बैरवा भी एसएमएस अस्पताल पहुंचे। जवान की मेडिकल रिपोर्ट की जानकारी लेकर डॉक्टरों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जानकारी के अनुसार उपमुख्यमंत्री का मंगलवार को भरतपुर में कार्यक्रम प्रस्तावित था। इसी ड्यूटी में जाने के लिए दोनों जवान रामवतार और मनोज मीणा बाइक पर आ रहे थे। गवर्नमेंट चौराहे पर मंगलवार सुबह एक्सीडेंट हो गया। जिसमें दोनों घायल हो गए। दोनों को स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से ट्रॉमा सेंटर लाकर भर्ती करवाया। जहां उनका इलाज किया गया।

ट्रोमा सेंटर के इंचार्ज और हड्डी रोग डिपार्टमेंट के सीनियर प्रोफेसर डॉ. अनुराग धाकड़ ने बताया कि जवान रामावतार जब हॉस्पिटल आया था, तब उसकी हालात बेहद नाजुक थी, जिसे वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है।

'प्रथम नियुक्ति तिथि से वरिष्ठता देने पर करें विचार'

- राज्य सरकार ने साल 1998 में पीटीआई के पदों पर भर्ती निकाली थी। जिसमें याचिकाकर्ता सफल हुए थे राज्य सरकार ने भर्ती को लेकर पहली नियुक्ति 5 दिसंबर,1998 को दी थी

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को आदेश दिए हैं कि वह पीटीआई भर्ती-1998 में याचिकाकर्ताओं को प्रथम नियुक्ति तिथि से वरिष्ठता सहित अन्य परिलाभ देने पर विचार करें। इसके लिए अदालत ने याचिकाकर्ताओं को राज्य सरकार के समक्ष अपना अभ्यावेदन देने को कहा है। जस्टिस महेन्द्र कुमार गोयल की एकलपीठ ने यह आदेश अशोक कुमार व अन्य की ओर से दायर याचिका का निपटारा करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता धर्मेन्द्र शर्मा ने अदालत को बताया की राज्य सरकार ने साल 1998 में पीटीआई के पदों पर भर्ती निकाली थी। जिसमें याचिकाकर्ता सफल हुए थे। राज्य सरकार ने भर्ती को लेकर पहली नियुक्ति 5 दिसंबर,1998 को दी थी। वहीं योग्यता संबंधी विवाद होने पर भर्ती अटक गई। इसके बाद मामला सुप्रीम कोर्ट से तय होने के बाद याचिकाकर्ताओं को साल 2003 में नियुक्ति दी गई। याचिका में कहा गया कि उन्हें भर्ती के पांच साल बाद नियुक्ति दी गई और इसमें याचिकाकर्ताओं की कोई गलती नहीं थी। वहीं एक भर्ती के सभी अभ्यर्थियों को एक समान परिलाभ दिए जाने चाहिए। याचिकाकर्ता की ओर से इस संबंध में कई बार संबंधित अधिकारियों को प्रार्थना पत्र दिए गए, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। याचिका में गुहार की गई कि उन्हें भर्ती की प्रथम नियुक्ति से वरिष्ठता सहित अन्य परिलाभ दिलाए जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने इस संबंध में याचिकाकर्ताओं को अपना अभ्यावेदन राज्य सरकार को देने और राज्य सरकार को इसे तय करने को कहा है।

गंदगी, जल जमाव और कीचड़ से घिरे बालाजी और शनि देव

जयपुर। राजधानी के जगतपुरा रोड स्थित मॉडल टाउन के प्रेम नगर में खेड़ापति बालाजी और उससे जुड़े शनि देव मंदिर के प्रवेश मार्गों के चारोंओर टूटी फूटी सड़क पर जल जमाव, गंदगी और कीचड़ के कारण लोगों को आने-जाने में भारी परेशानी हो रही है। सबसे अधिक परेशानी दर्शन पूजन करने जाने वाली महिलाओं, पुरुषों और बच्चों को हो रही है।

स्थानीय निवासी एडवोकेट शुभम कुरका ने बताया कि क्षेत्रीय विधायक और संबंधित विभाग को कई बार शिकायत दी गई। इसके बाद भी कोई स्थायी समाधान नहीं निकला है। श्रद्धालुओं ने बताया कि श्रावण माह में मंदिरों में विशेष भीड़ होती है। स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं ने प्रशासन से तुरंत समाधान की मांग उठाई है। लोगों ने कहा कि गंदा पानी पूरे रास्ते में फैला रहता है जिससे श्रद्धालुओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इससे न केवल उनका स्वास्थ्य खतरे में है, बल्कि श्रद्धा भी आहत हो रही है। बदबू की परेशानी के साथ रास्ते में कीचड़ से भरे गड्ढों में गिरने का भी खतरा रहता है।

हेरिटेज निगम आयुक्त डॉ निधि पटेल ने किया हिंगोनिया गोशाला का औचक निरीक्षण

जयपुर। हेरिटेज निगम आयुक्त डॉ निधि पटेल ने मंगलवार को हिंगोनिया गोशाला का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान आयुक्त निधि पटेल ने गोशाला में गायों के सार सम्भाल की व्यवस्थाएं देखी और गोशाला प्रबंधन के पदाधिकारियों के साथ समीक्षा की।

- बीमार गायों को अलग से रख कर विशेष ध्यान, बैटर मॉनिटरिंग सिस्टम करें लागू - आयुक्त निधि पटेल

इस दौरान निगम आयुक्त ने गोशाला में बैटर मॉनिटरिंग सिस्टम लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गोशाला में बीमार गायों को अलग से रखा जाएं और लगातार मॉनिटरिंग की जाएं। इसके साथ ही गायों को गोचर क्षेत्र में भ्रमण कराएं, जिससे उनका स्वास्थ्य सही रहे। इस के साथ भीड़ में नहीं रखें, बाड़ों में सीमित संख्या में बीमार गायों को रखें। इनमें भी यदि कोई गाय गंभीर बीमार है तो उसे भी अलग से रखें। गायों को चरने के लिए अच्छा स्पेस दें, हल्के कुपोषण के स्तर पर ही पहचानें गाय को फिर उच्च प्रोटीन चारा देना है।

मेन गेट पर कैमरे से निगरानी की जाएं, साथ ही एंट्री के समय एक ही गेट हो खोला जाएं। वहीं निगम आयुक्त डॉ निधि पटेल ने गायों की गिनती के लिए नई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने के निर्देश भी दिए।

उन्होंने गोशाला के ट्रस्टियों से कहा किवे अन्य सुव्यवस्थित गोशालाओं का रिसर्च कर वहां की तकनीक का उपयोग करें।गोशाला में तैनात पशु चिकित्सक से भी फीडबैक लिया और कहा कि बीमार गायों को मरने से बचाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएं।

आयुक्त निधि पटेल (बीच में) ने गोशाला में गायों के सार सम्भाल की व्यवस्थाएं देखी।

अचानक ब्रेक लगाने के लिए टोकना एक स्कूटी सवार को पड़ा भारी

जयपुर। कालवाड़ थाना इलाके में कार के अचानक ब्रेक लगाने के लिए टोकना एक स्कूटी सवार को भारी पड़ गया। कार चला रही युवती के साथियों ने स्कूटी सवार की जमकर पिटाई कर दी। बचाने आए परिवार पर लाठी-डंडे से हमलाकर उनकी कार में तोड़फोड़ कर डाली। इस संबंध में थाने में पीड़ित की ओर से हमलावरों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया गयाहेड कांस्टेबल सीताराम ने बताया कि आनंदम सिटी भैरव विहार निवासी सक्षम शर्मा (19) ने मामला दर्ज करवाया है कि वह सोमवार की शाम अपने दोस्त के साथ स्कूटी पर घर लौट रहा था। आनंदम सिटी में आगे चल रही स्कोडा कार ने अचानक ब्रेक लगा दिए। खिड़की से अंदर देखने पर कार चला रही युवती से अचानक ब्रेक लगाने का कारण पूछाइस बात से गुस्साए कार में मौजूद उसके तीन साथी नीचे उतरे। कार सवार हमलावरों ने उसकी जमकर पिटाई कर दी।

'सहकार से समृद्धि' परिकल्पना की समीक्षा बैठक हुई

- वास्तविक एवं एनसीडी पोर्टल पर प्रदर्शित डेटा के अंतर को किया जाए दूर

जयपुर। सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां मंजू राजपाल ने मंगलवार को वीसी के माध्यम से आयोजित 'सहकार से समृद्धि' परिकल्पना की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को वास्तविक और एनसीडी पोर्टल पर प्रदर्शित हो रहे डेटा के बीच के अंतर को यथाशीघ्र दूर करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एनसीडी पोर्टल आधारित सहकारी समितियों की रैंकिंग में सुधार लाने के लिए, ट्रेनिंग मॉड्यूल बनाकर पैक्स व्यवस्थापकों को प्रशिक्षित एवं जागरूक किया जाए।

शासन सचिवालय स्थित अपने कक्ष से वीसी के माध्यम से बैठक को सम्बोधित करते हुए राजपाल ने कहा कि पोर्टल पर रैंकिंग में 50 से कम अंक प्राप्त करने वाले पैक्स हमारे लिए चिन्ता का विषय होना चाहिए और इसमें सुधार के लिए सभी व्यावहारिक कदम उठाये जाने चाहिए। ट्रेनिंग मॉड्यूल से पैक्स व्यवस्थापक यह जान सकेंगे कि वे किन आधारों पर अधिक अंक प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि पोर्टल पर रैंकिंग हेतु 5 प्रकार के मापदण्ड पहचान, गतिविधियां, भौतिक संरचना, वित्तीय प्रदर्शन एवं लेखा परीक्षण पर आधारित हैं, जिन्हें ध्यान में रखते हुए एनसीडी पोर्टल पर डेटा प्रतिदिन अपडेट किया जाए। राजपाल ने कहा कि 'सहकार से समृद्धि' की पहलों को क्रियान्वित करने में अच्छा कार्य कर रहे जिलों को पुरस्कृत किया जाए, जिससे अन्य जिलों को भी इनसे प्रोत्साहन मिले। इससे कमजोर प्रदर्शन वाले जिलों के गैप्स की पहचान भी आसानी से हो पाएगी। प्रमुख शासन सचिव ने राष्ट्रीय स्तर पर गठित तीन बहुराज्यीय सहकारी समितियों की सदस्यता के बिन्दु पर समीक्षा करते हुए कहा कि भारतीय बीज सहकारी समिति लि. की सदस्यता समस्त फंक्शनल पैक्स द्वारा अनिवार्य रूप से ली जाए। अब तक 5 हजार से अधिक पैक्स द्वारा इसके लिए आवेदन किया जा चुका है, जो सराहनीय है। शेष रही लगभग 3600 पैक्स से भी शीघ्र आवेदन करवाया जाए, जिससे शत प्रतिशत लक्ष्य पूरे हो सकें। भविष्य में पैक्स को इसके कई लाभ मिलेंगे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक्स लि. एवं राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लि.की सदस्यता का आंकड़ा भी सराहनीय है।

सोमवार को हुई तेज़ बारिश से रेल्वे स्टेशन मेट्रो स्टेशन के पास सड़क धंस ने पर ट्रैफिक डाइवर्ट करके सड़क को ठीक करते हुए।

मोबाइल टावर पर चढ़कर एक युवक ने आत्महत्या करने की दी धमकी

जयपुर। मालपुरा गेट थाना इलाके में मंगलवार शाम मोबाइल टावर पर चढ़कर एक युवक ने आत्महत्या करने की धमकी दी। लेन-देन के विवाद को लेकर परेशान युवक ने कोर्ट में चल रहे केस के जल्द निपटारे की मांग रखी। पुलिस ने एक घंटे की मशक्कत के बाद समझाइश कर नीचे उतार लिया। मोबाइल टावर से नीचे उतरे युवक को पुलिस ने राउंडअप कर लिया।

थानाधिकारी मनेन्द्र सिंह ने बताया कि मोबाइल टावर पर चढ़ने वाला सांगानेर के गुर्जरों की ढाणी निवासी मोहन सैनी है, जो मंगलवार की शाम को एसडीएम ऑफिस के पास स्थित मोबाइल टावर पर चढ़कर आत्महत्या की धमकी दी। यह देखकर लोगों ने पुलिस को सूचना दी।

दादी का फाटक अंडर पास में रात की बारिश के भरे पानी से निकलते बाईक सवार व पम्प के जरिये पानी को बाहर निकालने में लगे कर्मचारी।

राजस्थान में अपराधियों पर पुलिस का ऑपरेशन प्रहार: 2 दिन में 2903 बदमाश गिरफ्तार

- अभियान की सफलता सुनिश्चित करने के लिए रेंज महानिरीक्षक, जयपुर और जोधपुर कमिश्नर स्वयं नियंत्रण कक्षों में मौजूद रहे, जबकि पुलिस अधीक्षकों और डीसीपी ने फील्ड में रहकर समन्वय स्थापित किया

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने प्रदेश में अपराधियों, माफियाओं और आपराधिक गैंग्स के खिलाफ एक विशाल और सुनियोजित अभियान चलाकर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस महानिदेशक राजस्थान राजीव शर्मा के निर्देशन में चलाए गए इस दो दिवसीय "एरिया डोमिनेशन" अभियान में 2 हजार 903 बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है, जो राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आमजन में विश्वास, अपराधियों में भय - पुलिस का ध्येय वाक्य हुआ साकार

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अपराध दिनेश एमएन ने बताया कि राजस्थान पुलिस के ध्येय वाक्य "आमजन में विश्वास एवं अपराधियों में भय" के अनुरूप इस राज्य स्तरीय अभियान को शुरू करने से पहले सभी जिलों और रेंजों द्वारा गहनता से तैयारी की गई थी। अभियान की सफलता सुनिश्चित करने के लिए रेंज महानिरीक्षक, जयपुर और जोधपुर कमिश्नर स्वयं नियंत्रण कक्षों में मौजूद रहे, जबकि पुलिस अधीक्षकों और डीसीपी ने फील्ड में रहकर समन्वय स्थापित किया।

एडीजीपी एनएम ने बताया कि इस विशेष अभियान का मुख्य लक्ष्य उन गैंग्स को निशाना बनाना था जो आग्नेयास्त्रों का प्रदर्शन करते हैं या फायरिंग की घटनाओं में शामिल होते हैं। इसके अलावा, जघन्य अपराधों में वांछित अपराधी, स्थायी वारंटी, उद्घोषित अपराधी, इनामी बदमाश और सामान्य प्रकरणों में वांछित अभियुक्तों की भी बड़े पैमाने पर गिरफ्तारियां की गईं।

बदमाशों के 15,521 ठिकानों पर दबिश

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक दिनेश एमएन ने बताया कि प्रदेश भर में अपराधियों के विरुद्ध चलाए गए विशेष अभियान में राजस्थान पुलिस ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। कुल 3104 टीमों द्वारा की गई कार्रवाई में बदमाशों के 15,521 ठिकानों पर दबिश दी गई, जिसमें विभिन्न अपराधों में लिप्त 2,903 बदमाशों को गिरफ्तार किया गया।

417 कुख्यात अपराधियों सहित 2903 गिरफ्तार

इस अभियान के दौरान कुल 13164 पुलिसकर्मियों ने भाग लिया। अभियान में 417 कुख्यात अपराधियों को जघन्य अपराधों जैसे आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट, हत्या, लूट, डकैती आदि में वांछित होने पर गिरफ्तार किया गया। साथ ही 1688 स्थायी वारंटी,उद्घोषित अपराधियों की धरपकड़ की गई। इसके साथ ही 39 इनामी बदमाशों सहित सामान्य प्रकरणों में वांछित 759 बदमाशों को गिरफ्तार किया गया। **जयपुर रेंज ने मारी बाजी -916 गिरफ्तार**

जयपुर रेंज ने सर्वाधिक 4056 स्थानों पर दबिश देकर 79 गंभीर अपराधियों, 579 वारंटियों एवं 20 इनामी और 238 सामान्य अपराधियों की गिरफ्तारी कर अग्रणी स्थान प्राप्त किया।

माहेश्वरी समाज : मंजू खटोड़ विजयी घोषित

जयपुर। श्री माहेश्वरी समाज जयपुर के त्रैवार्षिय चुनावी सत्र 2025 – 2028 के चुनाव में महिला परिषद् श्याम नगर चौकड़ी टीम रघुकुल से मंजू खटोड़ विजयी घोषित हुई। गौरतलब है कि मंजू खटोड़ प्रसिद्ध चित्रकार चंद्रप्रकाश गुप्ता (खटोड़) की धर्मपत्नी है।

सार-समाचार

बीस वर्षो से फरार चल रहा इनामी वारंटी राजू उर्फ सम्राट गिरफ्तार

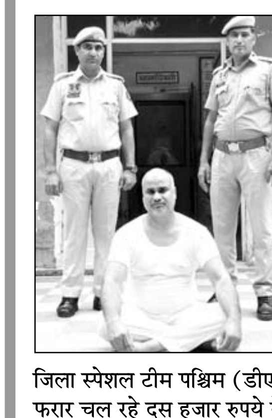

जयपुर। चौमू थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम पश्चिम (डीएसटी) ने कार्रवाई करते हुए बीस वर्षो से फरार चल रहे दस हजार रुपये के इनामी वारंटी राजू उर्फ सम्राट को पकड़ा है। गिरफ्तार आरोपित राजू उर्फ सम्राट मारपीट,धोखाधड़ी, एवं राजकार्य में बाधा के प्रकरण में वांछित चल रहा था। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर शहर (पश्चिम) हनुमान प्रसाद ने बताया कि चौमू थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम पश्चिम (डीएसटी) ने कार्रवाई करते हुए बीस वर्षो से फरार चल रहे दस हजार रुपये के इनामी वारंटी राजू उर्फ सम्राट निवासी निवासी रींगस चौमू को गिरफ्तार किया है। आरोपित वारंटी के विरुद्ध विभिन्न न्यायालयों से 4 स्थाई वारंट जारी है। आरोपित के खिलाफ पुलिस थाना चौमू विश्वकर्मा जयपुर पश्चिम, विधाधर नगर जयपुर उत्तर कालाडेरा जयपुर ग्रामीण में विभिन्न धाराओं में कुल 8 प्रकरण दर्ज है।

अवैध गाँजा के 74 पौधे वजन जब्त कर किया एक आरोपित को गिरफ्तार

जयपुर। विन्दायका थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम जयपुर पश्चिम (डीएसटी) ने ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत संयुक्त कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ गांजा (कैनाबिस) के कुल 74 पौधे वजन (लगभग 67 किलोग्राम) जब्त कर एक आरोपित को गिरफ्तार किया गया। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम हनुमान प्रसाद ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत विन्दायका थाना पुलिस और डीएसटी पश्चिम ने कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ गांजा (कैनाबिस) के कुल 74 पौधे वजन (लगभग 67 किलोग्राम) जब्त कर राजकिशोर मीणा उर्फ राजू मीणा निवासी सिरसी को गिरफ्तार किया गया। आरोपित ने सिरसी चौराहा के पास कोर्नर पर स्थित खाली भूखंड में काफी संख्या में अवैध मादक पदार्थ गांजा (कैनाबिस) के पौधे उगा रखे थे।

लाखो रुपये हड़पने वाला शातिर ठग नानग राम सोनी गिरफ्तार

जयपुर। झोटवाडा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बिना विधिक अधिकार के परिवादी और अन्य को भूखण्ड बेचकर लाखों रूपये हड़पने वाला शातिर ठग नानग राम सोनी निवासी बगरू हाल नाहरगढ़ जयपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम हनुमान प्रसाद मीणा ने बताया कि आरोपित ने एक ही संपत्ति को एक से अधिक व्यक्तियों को बेच कर दोनो पक्षो से राशि प्राप्त कर विवादित कर दोहरा लाभ प्राप्त करने का आदी है। आरोपित के खिलाफ ऐसे ही अपराध के अन्य कई प्रकरण दर्ज है।

ज्वेलरी की दुकान से जेवरात चोरी

जयपुर। जयसिंह पुरा थाना इलाके में एक ज्वेलरी की दुकान चोरी का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार नकाबपोश बदमाशों ने शटर तोड़कर अन्दर प्रवेश कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। वहीं बदमाशों ने चुराए गहनों को तौलिए में बांधकर बाइक पर बैठकर फरार हो गए। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाशों की तलाश कर रही है। एएसआई भगवान सहाय ने बताया कि जयसिंहपुरा खोर के ओम कॉलोनी निवासी धर्मेन्द्र सोनी (49) ने मामला दर्ज करवाया है कि थाना इलाके में स्थित आरा मशीन के पास उसकी स्नेहा ज्वेलर्स के नाम से दुकान है। देर रात बदमाशों ने चोरी की नीयत से दुकान का शटर तोड़कर बदमाश अंदर घुसे। अलमारी व दराज में रखे लाखों रुपए कीमत के सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर ले गए। सुबह दुकान पर आने पर शटर टूटा मिलने पर चोरी की पता चला। कुछ जेवरात और करीब 2.5 किलो चांदी के जेवरात गायब मिले। पुलिस फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश कर रही है।

समर फंक के 31 वर्षो का जश्न मनाया

जयपुर। जयपुर के एक स्कूल के 700 से अधिक युवा कलाकारों ने विभिन्न नृत्य शैलियों और थीम आधारित स्टोरी टेलिंग के माध्यम से अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। यह अवसर था श्यामक डावर इंस्टीट्यूट फॉर द परफॉर्मिंग आर्ट्स जयपुर के प्रतिष्ठित समर फंक के 31 वर्षो के जश्न का, जिसमें जयश्री पेरीवाल ग्रुप ऑफ स्कूल्स के कलाकारों ने एक जीवंत और ऊर्जावान परफॉर्मेंस देकर जश्न में चार चांद लगा दिए। इस शाम ने गति और अभिव्यक्ति की भावना का जश्न मनाया। जो समर फंक की शुरुआत से ही इसकी पहचान रही है। दर्शकों को विविध प्रस्तुतियों का आनंद मिला, जिन्होंने न केवल मनोरंजन किया, बल्कि उन छात्रों के विकास और परिवर्तन को भी दर्शाया, जो आत्मविश्वास और रचनात्मकता के साथ मंच पर उतरे। श्यामक डावर द्वारा "हैव फोट्स. विल डांस" के आदर्श वाक्य के साथ शुरू किया गया यह कार्यक्रम अब एक वैश्विक आंदोलन के रूप में विकसित हो गया है, जो विभिन्न पीढ़ियों के हजारों युवा नर्तकों को सशक्त बना रहा है। समर फंक के माध्यम से, छात्र प्रदर्शन कलाओं में पेशेवर प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं, नवीन नृत्य-आधारित गतिविधियों, आत्मविश्वास बढ़ाने वाले अभ्यासों और मंच प्रदर्शन के माध्यम से सीखते हैं।

केनरा बैंक डॉक्टर्स म्यूजिक प्रीमियम लीग सीज़न 4 ग्रैंड फिनाले के साथ संपन्न

जयपुर। राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर जयपुर में डॉक्टर्स की तीन दिवसीय गायन प्रतियोगिता डी एम पी एल सीजन 4 के फाइनल हुए व ग्रैंड फिनाले सम्पन्न हुआ।प्रतियोगिता के संयोजक डॉ सन्दीप निझावन ने बताया कि विजेताओं को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महात्मा गाँधी यूनिवर्सिटी जयपुर के एमिरटस चेयर पर्सन डॉ एम एल स्वर्णकार ,समारोह अध्यक्ष केनरा बैंक राजस्थान सर्किल की महाप्रबंधक गीतिका शर्मा ,विशिष्ट अतिथि महिमा ग्रुप के सीएम डी धीरेंद्र मदान ,एमिटी यूनिवर्सिटी राजस्थान के वी सी प्रोफेसर अमित जैन ,बॉलीवुड सिंगर रविंद्र उपाध्याय व गौरी ज्वेल्स की गौरी माहेश्वरी ने ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया।

Eat your Cheesecake!

National Cheesecake Day is one of the creamiest days of the year! It's a day to indulge in the decadence of this dessert, and sample some of the tastiest flavours. From the humble plain baked to the tangy key lime, or maybe, a chocolate one would hit the spot. Whatever grabs that sweet tooth, it is certain that today is the day for some cheesecake! Celebrating National Cheesecake Day is super easy. Just eat, bake and enjoy cheesecake of any variety. Over the centuries, cheesecake moved around the world and popped up as different expressions in different regions. But no matter the variation, cheesecake is a tasty invention that has developed and evolved over time into something that almost everyone in the world loves to eat!

#SCIENTIFIC ANALYSIS

Ancient Volcanoes Erupt In Iceland

The Reactivation of Iceland's Reykjanes Volcanic System

After lying dormant for nearly 800 years, Iceland's Reykjanes Peninsula has entered a period of renewed volcanic activity, surprising scientists and reshaping our understanding of long-term tectonic cycles. Since March 2021, the region has experienced a sequence of fissure eruptions, most recently in July 2025 near Sundhnúkur, that signify the reawakening of a complex and long-slumbering volcanic system.

Tectonic Setting

The Reykjanes Peninsula lies atop the Mid-Atlantic Ridge, a divergent tectonic boundary where the North American and Eurasian plates are slowly pulling apart. As the plates drift apart at a rate of about 2 cm per year, magma rises from the mantle to fill the gap, occasionally resulting in surface eruptions. Unlike central Iceland's explosive stratovolcanoes (like Eyjafjallajökull), Reykjanes is dominated by rift-associated fissure eruptions, which are generally effusive and non-explosive. These eruptions produce low-viscosity basaltic lava, which spreads easily across the surface and forms lava fields rather than ash clouds.

Geophysical Indicators

The July 2025 eruption near Sundhnúksgígar followed weeks of elevated seismic activity and ground deformation. Using GPS data, InSAR (Interferometric Synthetic Aperture Radar), and micro-seismic monitoring, the Icelandic Meteorological Office detected magma intrusion at shallow depths as early as June 2025. The data showed horizontal expansion of the crust, classic signs of dyke formation, where magma forces its way through rock layers, cracking them apart.

At the height of the eruption, lava fountains reached up to 100-150 meters, and a fissure over 2 km long opened up. Gas sensors recorded elevated levels of sulfur dioxide (SO_2) and carbon dioxide (CO_2), common volcanic gases that provide insight into magma depth, composition, and temperature.

Volcanic System Reactivation

What makes this ongoing sequence of eruptions scientifically remarkable is its episodic nature. Since 2021, at least a dozen eruptions have occurred, most lasting days to weeks. This pattern resembles the Reykjanes Fires period between 1210-1240 CE, during which multiple eruptions were separated by months or years, suggesting that the region may be entering a new multi-decade volcanic cycle.

Recent petrological studies of erupted lavas indicate a primitive basalt composition, sourced directly from the upper mantle. The chemical uniformity suggests that the magma reservoir is relatively shallow and not significantly evolved, which aligns with the fast and frequent eruption style observed in the region.

Implications for Hazard Assessment

From a scientific and civil protection standpoint, the reactivation of the Reykjanes system presents both challenges and opportunities. While these eruptions are not currently explosive, they threaten infrastructure such as the Svartsengi geothermal plant, Grindavík town, and the Blue Lagoon resort. The Icelandic government has responded by constructing lava diversion walls and improving early warning systems. For volcanologists, the Reykjanes events offer a rare chance to study plate-boundary volcanism in real-time, from magma migration to eruption forecasting. These insights are vital for understanding not just Iceland's geology but also rift zones worldwide, including those in East Africa and under the oceans.

Next to the haunting pillars of the Akbari Mosque is a one-grave shrine, maintained as a living legacy by the locals of Kalanaur.

Akbar The Great's Simple Coronation Platform

The villagers of Kalanaur clearly knew their legacy. I was quickly pointed the way to the Takht-i-Akbari, and also informed of the village's other attractions; a famous Shiv Mandir, and the Gurdwara Banda Bahadur. We drove on to a *kuccha* track, leaving the village behind us and lurching through waist-high wheat fields. In the middle of the fields, we passed the haunting ruins of the once-imposing *Akbari Masjid*, which from the size of its massive pillars and the fine carvings still visible, must have been an impressive structure in its prime. Besides its broken remains was a small shrine with a single grave draped in a green cloth. I stopped to have a look, and the villagers told me that this was part of the Akbari Masjid and was now looked after by the locals.

Kalanaur's little-visited heritage, The ASI protected Takht-i-Akbari.

Akbar's Coronation Platform: Where the fourteen-year old Boy-King was crowned King of Hindustan.

The gurgling sound of fresh water, a farmer's *tabela* now adjoins Akbar's Takht-i-Akbari.

#HISTORY

Adil Ahmad

Kalanaur is a village in Punjab that few have heard of, let alone visited. Yet, this small settlement, close to the border with Pakistan and about an hour's drive from Amritsar, has made an oversized contribution to Indian history. For it was here, on February 14th, 1556, that a young and unruly boy-prince, the fourteen year old Jalaluddin Muhammad Akbar, was crowned the King of Hindustan.

Akbar badshah's brick coronation platform, the *Takht-i-Akbari*, still stands among the swaying wheat fields of Kalanaur as a mute reminder that this is where it all began for one of India's most famous rulers. Not in the celebrated corridors of Delhi or Lahore or Agra, all of the cities associated with Akbar, but here, in the rural heart of Punjab.

Kalanaur is difficult to reach when treated as a one-off. But, if combined with a visit to Amritsar and the Golden Temple, it makes for a perfect itinerary. Specially for history buffs like me. I could hardly wait to touch and connect with arguably the greatest king my country has produced. What a bonus, barely an hour's drive from Amritsar.

So, on a bright April morning with a slight winter nip in the air, my driver, Simranjeet, and I had left Amritsar for Kalanaur. Within a few minutes, we were on to the wide highway for Pathankot, Punjabi pop blaring from the car radio. One of the pleasures of driving in Punjab is the soothing view of lush fields stretching to the horizon. It was Spring, a few days before Baisakhi, and the wheat had turned ripe golden yellow, being ready for harvesting. As we drove, Simranjeet kept up a constant chatter.

"Sirji, did you know that Baisakhi is celebrated even in Canada?"

"Sirji, farmers have now banned the lighting of fires at Spring. Because their dry crops could get burnt."

"Sirji, earlier we had eucalyptus trees lining these highways. Now, it is poplar, much better for making plywood and matchsticks."

Occasional brick kilns dotted the landscape, standing erect in the yellow-green fields, emitting lazy plumes of smoke into a pale blue sky. Simranjeet had ready information on this too.

"Sirji, these kilns are very valuable for farmers for an extra income. The kiln owners buy clay for bricks from their fields."

Just before reaching Batala, we came off the highway on to a narrow country road, driving past small communities with names like Taragarh and Dharamkot. This was typical rural Punjab; villagers gossiped at hand pumps while filling water into their vessels, chickens for sale clucked from behind wire-mesh cages, impatient kids gathered around sugarcane juice stalls doing brisk business. By mid-morning, after a pleasant hour's drive from Amritsar, we entered Kalanaur.

The villagers of Kalanaur clearly knew their legacy. I was quickly pointed the way to the Takht-i-Akbari, and also informed of the village's other attractions; a famous Shiv Mandir, and the Gurdwara Banda Bahadur. We drove on to a *kuccha* track, leaving the village behind us and lurching through waist-high wheat fields. In the middle of the fields, we passed the haunting ruins of the once-imposing *Akbari Masjid*, which from the size of its massive pillars and the fine carvings still visible, must have been an impressive structure in its prime. Besides its broken remains was a small shrine with a single grave draped in a green cloth. I stopped to have a look, and the villagers told me that this was part of the Akbari Masjid and was now looked after by the locals.

Shiv Temple's unique horizontal Shivlingam, in a lying position.

Gurudwara Banda Bahadur, with Banda Bahadur's mural on the entry gate.

And then suddenly in front of us, surrounded on all sides by ripe wheat fields, was a neatly fenced enclosure with a bright blue ASI sign; the Takht-i-Akbari.

I stepped out of the car to take in the scene. Birds twittering, fresh air, and the gurgling sound of clear water. Akbar's coronation platform lies quietly in the middle of this pastoral setting. A small *tabela* had a few cud-chewing buffaloes looking at me quizzically. There was an overwhelming silence and peace. As I looked over the coronation platform and the tranquil fields, I tried imagining this site five hundred years ago.

The Takht-i-Akbari was hastily erected by Bairam Khan, young Akbar's guardian and tutor, when he received the news of Akbar's father, Emperor Humayun's death. Humayun died suddenly and unexpectedly, slipping on the stairs of his library in Delhi's Purana Qila, and Bairam Khan decided on quick action. He was camped at Kalanaur, close to the Ravi river, with the young prince Akbar and the Mughal army. According to the court historian Abul Fazl, when Akbar heard the news of his father's death, he broke down and wept 'as much for himself as for his lovable, though, eccentric father. The burden of the empire was on him suddenly, and he was not yet done with childhood.' Akbar was fourteen at the time.

Harbhajan Singh and his son.

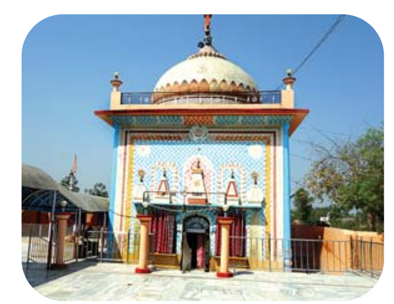

The single-domed old Shiv temple at Kalanaur.

Bairam Khan wasted no time in formalizing Akbar's ascension. A masonry platform was built, with a brick throne on top of it. Within a few days of Humayun's death, by midday on Friday the fourteenth of February 1556, at a time and date considered astrologically auspicious, Akbar was crowned Emperor of Hindustan. Right here in Kalanaur, without any elaborate ceremony!

Nevertheless, this was after all the Mughal Empire. Whatever be the need for haste, some pageantry, style and grace was mandatory. There is a water feature in the middle of the Takht-i-Akbari. A square water tank, about five feet deep, is set in to the coronation platform with floral carvings on the four corners. As I climbed down in to the water tank, I thought to myself, why the need for this, in the harsh winter cold of February in Punjab? But to lend this impromptu stage some additional flourish and dignity fit for the occasion, the coronation of a Mughal king!

I sat on the brick throne as Akbar had done five centuries ago. To my side would have stood Bairam Khan. In front of me, the vast Mughal army. Neither would realise that in this young prince, 'they had not a boy who must be managed, but a master would be obeyed.' As I took in the remote isolation of the Takht-i-Akbari, with just the soft gurgle of flowing water and the undulating wheat fields for company, I felt an indescribable sadness and poignancy in the air. Where I was sitting, one of India's greatest sons had begun his journey. An 'illiterate and unruly youth of fourteen' who had gone on to rule India for fifty years, and in the words of historian Abraham Eraly, 'inaugurated the second golden age of India, after the decline of its classical civilization a thousand years earlier.' This is where a golden-hued chapter in India's history had started, with Akbar creating a mighty Mughal empire, famous all over the world and synonymous with India. And yet, the Takht-i-Akbari is quietly forgotten, with just a handful of history enthusiasts interested enough to visit. There are no statues, no ceremony, no recognition for one of India's best.

While I was busy clicking photographs, I was approached by the gentle Harbhajan Singh. Harbhajan works on these fields, and is paid a modest five thousand rupees a month by the ASI for maintaining the Takht-i-Akbari. He does a fine job. The enclosure was neat and well swept, with no litter. I complimented Harbhajan and his son on their excellent work, and signed the red coloured ASI visitor's register he had with him.

The sun was now hot in a cloudless sky as I returned to the air conditioned comfort of Simranjeet's Innova. There were still the other attractions of Kalanaur to visit; Gurdwara Banda Bahadur and the Shiv Mandir. Simranjeet, who, when we started the journey, had no idea about this historical gem in his own backyard, asked me how I was liking the visit. What could I say? I was a bit overwhelmed and still taking it all in. Just the thought that where I was standing, events that had shaped the history of India had been created, left me in awe. Is there any other place in the world where one could sit on the coronation throne of the country's most famous ruler? And, be so close to historical legacy as to actually touch it and feel it for oneself.

I was due to visit two religious places in the next hour at Kalanaur, and I knew exactly what to pray for; that these remarkable monuments, which dot our country, remain forever protected and cared for. Not only for our benefit but for the future generations as well; to visit and to recognise and love the richness of their own heritage and history.

Praying at Kalanaur

Opposite Kalanaur's hectic bus station is an arched gateway to the village's old Shiv temple, famous locally for its Shivratri mela. According to legend, Lord Shiva had rested in Kalanaur, so, the Shivalingam in the temple lies horizontal instead of vertical, which makes it unique. The temple's white marble courtyard was empty when I visited, apart from the temple workers washing it down. Buckets of water were splashed on to the cool marble floor as big brooms scrubbed it clean. I took off my shoes, and left footprints on the wet marble as I entered the mandir. There was nobody inside the temple, and I was left undisturbed. By the time I emerged, a few other devotees had entered the compound. Temple bells were being rung, each with its own distinct sound. I tipped the cleaners washing the temple, and then rang the temple bells as well.

Not far from the Shiv Mandir and at the end of an upward sloping lane, was the Gurdwara Banda Bahadur. In 1715, the heroic Banda Bahadur and his Sikh forces had staged their last great stand against the Mughals, at the famous battle of Gurdas Nangal, just a few miles from here. He had been captured and taken to Delhi in an iron cage, where he was executed in a particularly cruel manner. This Gurdwara is located on the spot where Banda Bahadur had built a well. I took off my shoes to enter the Gurdwara, but hesitated as I hadn't carried a handkerchief to cover my head. An elderly *sardar* offered to give me his, but his wife mentioned that there were head coverings available at the entry gate. As indeed, there were. I pushed open the mesh doors to enter the Gurdwara. Inside, there were about twenty devotees seated on a red carpet, women on one side and men on the other. The holy *Guru Granth Sahib* was under a golden canopy. I sat in a corner of the Gurdwara, and once again, I prayed.

rajeshsharma1049@gmail.com

The Brick Throne where Akbar the Great sat, to be crowned the next Mughal King.

Carved masonry for the Coronation Platform's water feature; some Style and Grace to befit the occasion.

The Emperor's View; the scene from top of Akbar's Throne.

#HERITAGE

One Of The World's Best- Jaipur!

Jaipur ranked 5th Best City in the World by Travel + Leisure's 2025 Survey

In a moment of pride for India, Jaipur has been ranked the 5th best city in the world in the prestigious Travel + Leisure World's Best Awards 2025. Known globally as the Pink City, Jaipur earned the accolade for its rich cultural heritage, iconic architecture, vibrant shopping experiences, and renowned hospitality.

The city's historic charm and architectural grandeur are amplified by its three UNESCO World Heritage Sites, a rare distinction shared by very few cities worldwide. These include the *Walled City of Jaipur*, recognized for its exceptional preservation of medieval urban planning; the *Amber Fort*, a hilltop marvel showcasing Rajput architecture; and the *Jantar Mantar*, an 18th-century astronomical observatory of global significance.

Rajasthan's Tourism Minister, Diya Kumari, who is also a former princess of Jaipur, expressed her delight over the ranking. "It is a matter of pride not just for Rajasthan but for the entire nation," she said. "Jaipur continues to be a favourite on the global tourism map. Though Udaipur has previously achieved such recognition, this year, Jaipur is the only Indian city on the list, reaffirming Rajasthan's global tourism appeal." She further emphasized civic responsibility, urging residents to maintain cleanliness and preserve the city's charm. "We must all take ownership of our surroundings. A cleaner, more welcoming Jaipur will not only attract more tourists but also boost investments and create new opportunities."

Diya Kumari also acknowledged the role of national leadership in boosting India's global profile. "Credit goes to Prime Minister Narendra Modi for positioning India as a world-class destination. The state government's efforts to conserve heritage and promote tourism have also played a key role," she added.

Local tour operators welcomed the news, with Sanjay Kaushik of Rajputana Holiday Makers calling it a well-deserved recognition. "Jaipur has always held a special place in the hearts of travelers worldwide. This award reinforces its status."

Tourists echoed the sentiment. "Jaipur is my favourite city in India. The culture, the food, it's all unforgettable. I would return in a heartbeat," said an Argentinian tourist visiting the iconic Hawa Mahal.

Jaipur now stands alongside global favourites like San Miguel de Allende (Mexico), Chiang Mai (Thailand), Tokyo (Japan), and Bangkok, while even surpassing the Italian city of Florence, which ranked 11th.

THE WALL

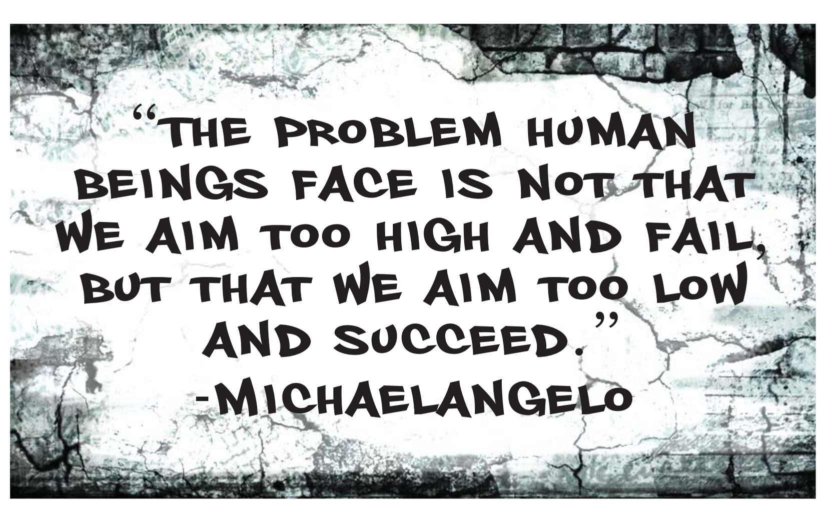

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

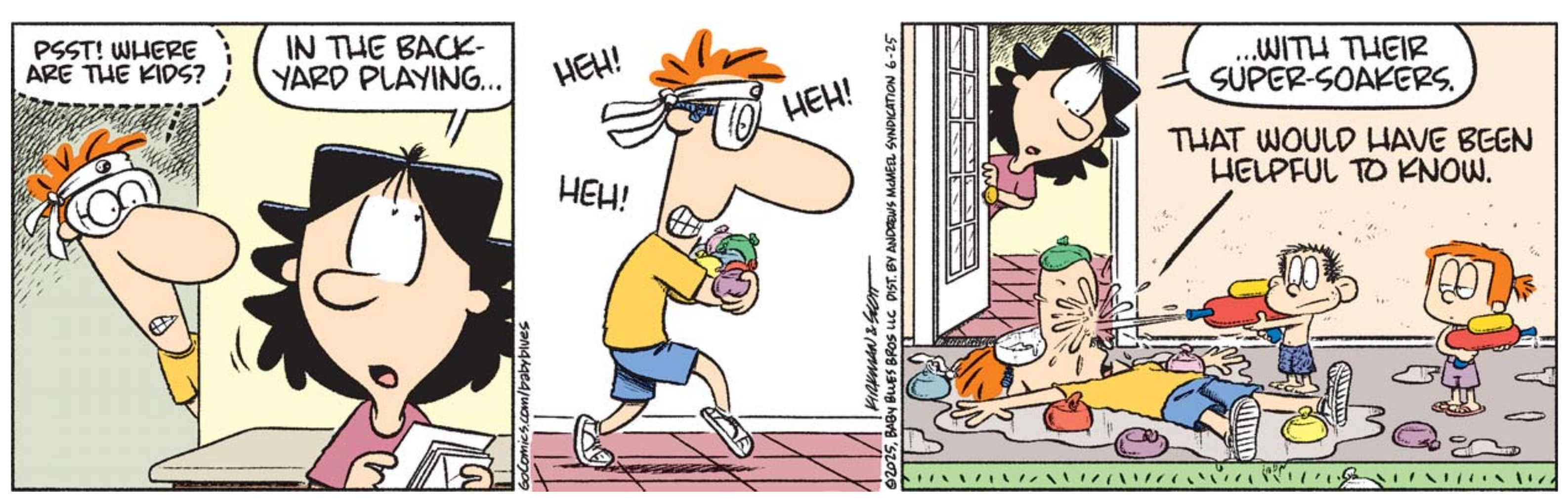

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

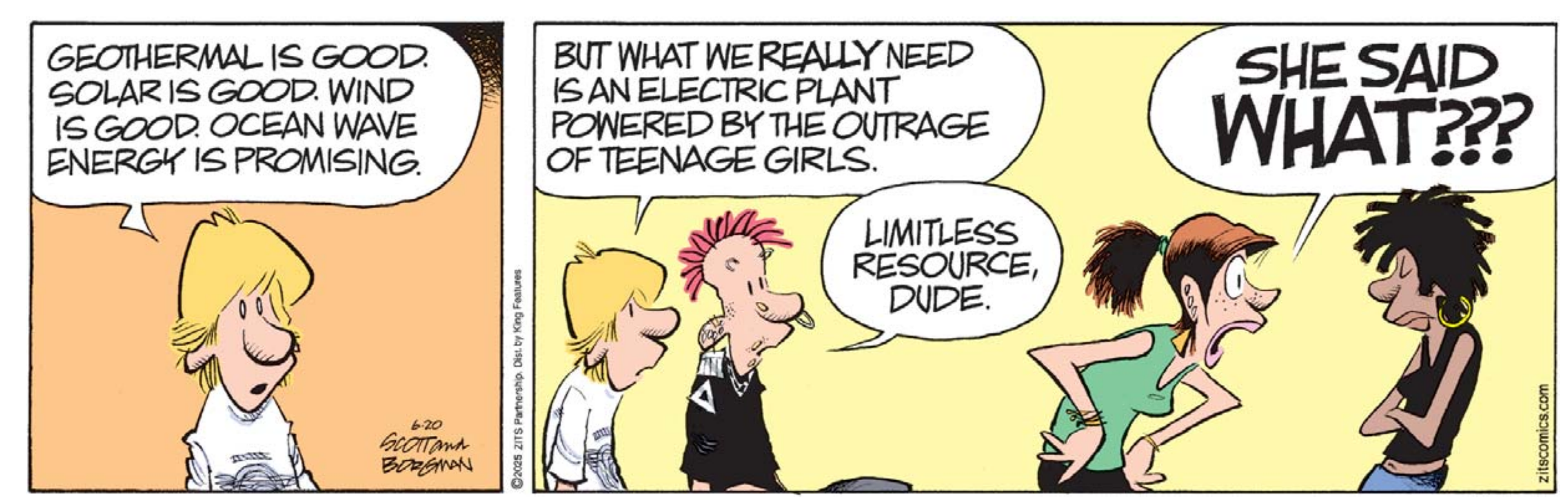

करौली कलेक्टर ने चंबल ब्रिज का औचक निरीक्षण किया

चंबल ब्रिज पर चढ़कर पुल के नीचे से बहरे नदी के जलस्तर का जमीनी स्तर पर जायजा लिया

करौली। कोटा बैराज से जल छोड़ने के कारण चम्बल नदी में जलस्तर बढ़ने की संभावना को देखते हुए जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना ने सोमवार को मंडरायल के संभावित प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान जिला कलेक्टर ने मंडरायल के कैंमकच्छ, टोडी, मल्हापुर का दौरा किया साथ ही चंबल ब्रिज पर चढ़कर पुल के नीचे से बहरे नदी के जलस्तर का जमीनी स्तर पर जायजा लिया।

इस दौरान जिला कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों से सक्रिय रहकर प्रभावी मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने समस्त अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा यदि जलस्तर के बढ़ने से कोई आपदा की स्थिति उत्पन्न होती है तो समस्त विभाग उससे निपटने के लिए निर्धारित एडवाइजरी के अनुसार पूर्ण तैयारी रखना सुनिश्चित करें। रसद, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, एसडीआरएफ, जिला परिषद सहित राजस्व विभाग के अधिकारी आपदा राहत एवं बचाव से संबंधित सभी आवश्यक संसाधन एवं उपकरण तैयार रखें जिससे आवश्यकता पड़ने पर उनका इस्तेमाल किया जा सके और बचाव राहत अभियान सकुशल चलाया जा सके।जिला कलेक्टर ने यह भी निर्देशित किया कि सपोटरा एवं मंडरायल के संभावित प्रभावित क्षेत्रों के अन्य गांवों की भी सतत निगरानी सुनिश्चित की जाए जिससे किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई की व्यवस्था समय पर सुनिश्चित की जा सके और किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हो और पशुधन को भी नुकसान नहीं पहुँचे।

करौली के निकट मंडरायल क्षेत्र मे बढ़ते पानी का निरीक्षण करते जिला कलेक्टर सहित संबधित विभागो के अधिकारी।

- **कोटा बैराज से जल छोड़ने के कारण चम्बल नदी में जलस्तर बढ़ने की संभावना को देखते हुए कलेक्टर नीलाभ सक्सेना ने मंडरायल के प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया।**

कुख्यात बदमाश सहित दो आरोपी गिरफ्तार

पावटा। शाहपुरा थाना पुलिस ने ज्वेलर्स की दुकान से धोखाधडी से सोने का मंगलसूत्र चोरी के मामले में शातिर ईरानी गैंग के कुख्यात बदमाश सहित दो आरोपियो को गिरफ्तार किया है।

जयपुर ग्रामीण जिला पुलिस अधीक्षक राशि डोगरा डूडी ने बताया कि 22 जुलाई 2025 को परिवादी शुभम सोनी निवासी श्याम कॉलोनी कस्बा शाहपुरा जिला जयपुर ने पुलिस थाना शाहपुरा पर मामला दर्ज करवाया था कि हमारी मुख्य बाजार चौपड़ परिसर में स्थित हर्षित ज्वेलर्स की दुकान पर मेरे दादा मालचंद सोनी अकेले थे उस समय एक व्यक्ति दुकान में आकर मंगलसूत्र देखने लगा और मेरे दादाजी को बातों में लगा लिया तथा धोखे से उसने सोने का मंगलसूत्र अपने हाथों में छुपा कर चोरी कर फरार हो गया। परिवादी द्वारा दर्ज मामले को लेकर अनुसंधान प्रारंभ किया गया। प्रकरण में अज्ञात मुल्जिमान की गिरफ्तारी व माल बरामद हेतु चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय रजनीश पूनिया तथा वृत्ताधिकारी शाहपुरा मुकेश चौधरी के निकटतम सुपरविजन व शाहपुरा थानाधिकारी हेमराज के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा तकनीकी सहायता द्वारा कड़ी मेहनत करते हुए वारदात में काम में ली गई मोटरसाइकिल के नंबर प्राप्त कर वारदात करने वाले आरोपियों की पहचान की गई तो छबड़ा कोटा निवासी ईरानी गैंग का कुख्यात सरगना अहमद व उसके साथी मुस्लिम अली का वारदात में शामिल होना पाया गया। उक्त दोनों कुख्यात बदमाशों के बारे में जानकारी प्राप्त की गई तो पता चला कि अपराधी कभी कभार घर आते हैं तथा बाकी समय में पूरे हिंदुस्तान में घूम कर इसी तरह धोखाधड़ी से जेवरात व नकदी की चोरी की वारदात को अंजाम देते रहते हैं।साथ ही अपने मोबाइल नंबर भी समय-समय पर बदलते रहते हैं। आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु साइबर सेल टीम प्रभारी कमलेश हेड कांस्टेबल, ताराचंद कांस्टेबल, बाबूलाल कांस्टेबल की तकनीकी मदद ली गई व मुख्य सरगना अहमद पुत्र हुसैन उम्र 45 साल निवासी 73 नगर निगम के पीछे साजिदेहडा दादाबाडी कोटा को चांदनी चौक दिल्ली व उसके साथी मुस्लिम अली पुत्र नजीर अली उम्र 20 साल निवासी संजय कॉलोनी मामा होटल गली छबड़ा जिला बांरा को सवाई माधोपुर से डिटेल कर पूछताछ की तो दोनों ने वारदात करना स्वीकार किया। जिस पर दोनों आरोपियों अहमदव मुस्लिम अली को को गिरफ्तार किया जाकर आरोपियों की इतला पर वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल सवाई माधोपुर से बरामद कर जप्त की। वही प्रकरण में चुराया गया सोने के मंगलसूत्र को बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है।

बरसात बनी मुसीबत, सड़कों पर भरा पानी

भरतपुर (निस)। भरतपुर में हुई हालिया बरसात ने जहां लोगों को गर्मी से कुछ राहत दी, वहीं दूसरी ओर शहर की बदहाल व्यवस्थाएं एक बार फिर उजागर हो गई। सड़कों पर जगह-जगह जलभराव से आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सीएम आवास के पास स्थित जवाहर कॉलोनी की हालत सबसे बदतर है। यहां पानी निकासी की कोई उचित व्यवस्था नहीं होने से कॉलोनी के कई घरों में बारिश का पानी घुस गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि छात्र-छात्राओं से लेकर राहगीरों तक को सड़क पर भरे पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है, जिससे उनकी दिनचर्या बुरी तरह प्रभावित हो रही है। स्थानीय निवासी सोमेन्द्र गोपालिया ने बताया कि जिला प्रशासन को कई बार शिकायत दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया है। प्रशासन की इस अनदेखी को लेकर क्षेत्र में नाराजगी बढ़ती जा रही है। स्थानीय लोग मांग कर रहे हैं कि जल्द से जल्द जल निकासी की समुचित व्यवस्था की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की परेशानी से उन्हें दो-चार न होना पड़े।

- **सड़कों पर जगह-जगह जलभराव से आमजन को भारी परेशानी**

भरतपुर में सड़कों पर पानी भरने से राहगीरों को आवाजाही में दिक्कत का सामना करना पड़ा।

एक हॉल में आठ कक्षाएं, छत पर टीनशेड के नीचे पढ़ रहे बच्चे

बीकानेर। झालावाड़ स्कूल हादसे के बाद जैसलमेर के सरकारी स्कूल में मुख्यद्वार का जर्जर खंभा गिरने से एक छात्र की मौत हो गई। वहीं एक शिक्षक घायल हो गया है।

दरअसल, जर्जर और क्षतिग्रस्त स्कूलों में बारिश के मौसम में ऐसे प्ररकण रोजाना सामने आ रहे हैं। बीकानेर के एमएम स्कूल में 26 जुलाई को जर्जर दीवार गिर गई थी। उधर, राज्य सरकार की ओर से दिए गए आदेशों के तहत राज्य भर के सरकारी स्कूलों का प्रशासन और शिक्षा विभाग की ओर से पिछले दो दिनों से सर्वे किया जा रहा है। इस सर्वे में कई चौंकाने वाले खुलासे सामने आए हैं।

गरीब और जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए कहीं झोपड़े में तो कहीं बिना कमरों के भवन में आठवीं तक के स्कूल संचालित किए जा रहे हैं। अनेक सरकारी स्कूल सर्वे में ऐसे सामने आए हैं जहां विद्याथिर्यों के बैठने के लिए पर्याप्त कक्षा – कक्ष ही नहीं है। बिल्डिंग जर्जर है। कमरों का प्लास्टर उतर चुका है। पट्टियों में दरारें हैं। झालावाड़ की घटना के बाद ऐसे क्षतिग्रस्त स्कूलों का सर्वे किया। सामने आया कि 6 महीने पहले राजकीय पाबू पाठशाला स्कूल भवन में छठी से 12वीं के राजकीय उच्च माध्यमिक बालिका स्कूल आर्य समाज को मर्ज किया गया। लेकिन पाबूपाठशाला स्कूल बिल्डिंग के 6 कमरों में से तीन कमरे क्षतिग्रस्त हैं।

किराए की बिल्डिंग में चले रहे राउमावि भुट्टो का बास स्कूल को 2023 में 8वीं से 12वीं में क्रमोन्नत किया गया। स्कूल में केवल चार ही कमरे हैं। अपग्रेड होने के कारण पहली से सातवीं कक्षा की पढ़ ाई छत पर करवाई जा रही है। जबकि 9वीं और 10वीं के छात्र कमरों में पढ़ रहे हैं। किराए की बिल्डिंग होने के कारण पिछले दो साल से मरम्मत भी नहीं हुई है। रानी बाजार स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक स्कूल बंगाली मंदिर परिसर में सिर्फ एक कमरा है। जिसमें संस्था प्रधान का दफ्तर है। पहली से 8वीं की कक्षाएं एक हॉल में एक साथ लग रही है। बच्चों के बैठने के लिए पर्याप्त स्थान नहीं होने से स्कूल का नामांकन भी घट गया है। वर्तमान में स्कूल में केवल 75 बच्चे ही अध्यनरत हैं।

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों पर आवश्यक निर्देश

प्रतापगढ़। जिला कलक्टर डॉ. अंजलि राजोरिया की अध्यक्षता में मंगलवार को विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक एवं आगामी स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों को लेकर बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में जिला कलक्टर ने कहा कि बारिश के मौसम को देखते हुए उपखंड अधिकारी, तहसीलदार, सीडीईओ, सीडीपीओ सहित सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए है कि वे जर्जर भवनों को चिन्हित कर प्रस्ताव प्रेषित करें तथा आवश्यकता पड़ने पर भवनों की शिफ्टिंग की व्यवस्था भी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि निर्देश की पालना प्राथमिकता से की जाए। जिला प्रशासन आमजन की सुरक्षा एवं हितों को लेकर पूर्णतः प्रतिबद्ध है, इसमें कोई भी कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि विभागीय स्तर पर जो कार्य संभव है उसे प्राथमिकता से करें तथा अन्य कार्यों के लिए संबंधित स्तर पर नियमानुसार अवगत करवाएं।

जिला कलक्टर ने सभी राजकीय कार्यालयों के भवनों का अवलोकन करने और भवनों की छतों पर झाड़ियां या घास पाई जाती है तो उसे तत्काल हटाने के निर्देश भी दिए। नगर परिषद आयुक्त को निर्देशित करते हुए उन्होंने कहा कि शहर में यदि कोई जर्जर भवन है तो उसे भी चिन्हित कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई कर जिला कलक्टर ने संपूर्णता अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए सम्बंधित अधिकारियों की सराहना की। उल्लेखनीय है कि संपूर्णता अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर जिला कलक्टर को राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सम्मान प्राप्त हुआ है। इस अवसर पर जिला कलक्टर ने अधिकारियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आगे भी इसी प्रकार टीम भावना और समर्पण के साथ कार्य करते करें।

सरदार पटेल जयंती पर राजकीय अवकाश के लिए बात रखूंगा : मंत्री जोगाराम पटेल

राष्ट्रीय सरदार पटेल सेना का प्रतिनिधिमंडल क़ानून मंत्री से मिला, आरक्षण पर चर्चा की

डूंगरपुर। श्री राष्ट्रीय सरदार पटेल सेना का प्रतिनिधिमंडल राजस्थान सरकार के विधि एवं संसदीय कानून मंत्री जोगाराम पटेल से उनके राजकीय निवास पर मिला।

प्रतिनिधिमंडल ने क़ानून मंत्री को लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की तस्वीर भेंट कर उनका सम्मान किया। क़ानून मंत्री जोगाराम पटेल ने बताया कि श्री सरदार पटेल सेना लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के आदर्श विचारों को प्रदेश भर में पहुँचाने का कार्य कर रही है। 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती पर राजकीय अवकाश को लेकर सरकार में चर्चा करेंगे प्राथमिकता से बात रखूंगा। कवि सुनील पटेल सन्नाटा नेजपुर ने कहा कि राजस्थान के सर्वाधिक लोकप्रिय मंत्री जोगाराम पटेल से मिलकर युवाओं में ख़ुशी है। मंत्री पटेल को वागड़-मेवाड़ आने का न्यौता दिया। श्री राष्ट्रीय सरदार पटेल सेना के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र डांगी धताणा ने कहा कि क्षेत्र में वर्ग को आरक्षण का लाभ मिलें। वर्ग को आरक्षण देना सबसे बड़ा मास्टर स्टॉक होगा। इस बीच संगठन प्रतिनिधि मंडल में राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद पाटीदार मसोटिया, जिला संयोजक बांसवाड़ा जगदीश पाटीदार चौखला, डूंगरपुर जिला अध्यक्ष इंडियालाल पाटीदार, विक्रम भाई, ललित भाई, हिमांशु पाटीदार, अमरजी भाई, वाजेंग पाटीदार सामागढ़ा, भगवान पाटीदार घाटोल, मानसिंह पटेल सियापुर, मुकेश पाटीदार भचड़िया, दिलीप पाटीदार आदि उपस्थित रहे।

- **कवि सुनील पटेल सन्नाटा नेजपुर ने कहा कि राजस्थान के सर्वाधिक लोकप्रिय मंत्री जोगाराम पटेल से मिलकर युवाओं में ख़ुशी है। मंत्री पटेल को वागड़-मेवाड़ आने का न्यौता दिया।**
- **श्री राष्ट्रीय सरदार पटेल सेना के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र डांगी धताणा ने कहा कि क्षेत्र में वर्ग को आरक्षण का लाभ मिलें। वर्ग को आरक्षण देना सबसे बड़ा मास्टर स्टॉक होगा।**

बारिश से मौसम हुआ खुशनुमा

गंगापुर सिटी। उपखण्ड मुख्यालय सहित आसपास के क्षेत्रों में मानसून पूरी तरह सक्रिय है। पिछले दो दिनों से बारिश का मौसम बना हुआ है। मंगलवार को दोपहर करीब 12 बजे के बाद बारिश शुरू हुई जो आधे घंटे तक चली।

बारिश के सडको पर पानीबह निकला। इसके बाद बारिश कुछ देर के लिए थम सी गई एवं जिसके बाद शाम 4 बजे तक रिमझिम बारिश का दौर जारी रहा। सोमवार रात को भी रुक-रुककर कभी धीमी और कभी तेज गति से बारिश होती रही। मंगलवार को सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे और रिमझिम फुहारें आती रहीं। सुबह 11 बजे और फिर दोपहर 12:30 बजे के बाद बादल छाने के साथ बारिश तेज हो गई। बारिश के कारण तापमान में गिरावट आई। मंगलवार को अधिकतम तापमान 29 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इससे लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिली। बारिश के दौरान आसमान में बिजलियां कडकती रहीं और बादलों की गर्जना भी होती रही।

तहसील सूत्रों के अनुसार, अब तक गंगापुर सिटी में 494 मिमी, वजीरपुर में 419 मिमी और तलावडा में 649 मिमी बारिश दर्ज की गई है। बारिश के बाद सडकों पर पानी बह निकला। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में भी बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है।

- **कई दिन की गर्मी व उमस से मिली लोगो को राहत**
- **बारिश के दौरान बिजलियां कडकती रहीं और बादलों की गर्जना भी होती रही।**

कोटा की डॉ.निधि ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड, डिप्टी सीएम ने सम्मानित किया

कोटा, (निसं)। कोटा की बेटी डॉ.निधि प्रजापति ने वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम किया है। डॉ. निधि ने 1 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस के दिन 100 किलोमीटर साइकिल चलाकर विश्व कीर्तिमान स्थापित किया। गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करवाया।

सोमवार को इसके लिए राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने अपने जयपुर सिविल लाइंस स्थित सरकारी आवास पर सम्मानित किया। डिप्टी सीएम ने डॉ.निधि को वर्ल्ड रिकॉर्ड का गोल्ड मेडल पहनाया, सर्टिफिकेट सौंपा और हौसला बढ़ाया। विश्व एड्स दिवस के दिन आज तक ऐसा वर्ल्ड रिकॉर्ड नहीं बना, जो डॉ. निधि ने बनाया है।

नेशनल यूथ अवार्डी और सोसाइटी हैज ईव शी इंटरनेशनल चौरिटेबल ट्रस्ट की अध्यक्ष डॉ.निधि ने एड्स के प्रति लोगों में जागरूकता लाने के लिए 100 किलोमीटर साईकिल चलाई। बेटी निधि ने कोटा शहर के नयानोहरा से साइकिल स्टार्ट की ओर लोगों को एड्स के प्रति जगह-जगह जागरूक करते हुए नेशनल हाइवे-27 के धनेश्वर टोल प्लाजा तक अप-डाउन साईकिल चलाई। बीच रास्ते में मिले कहीं ग्रामीणों को वाहन चालकों को एड्स के बारे में जागरूक किया, और लोगों में जो भ्रांतियां थी उन्हें भी दूर किया।

डिप्टी सीएम ने कहा डॉ.निधि ने किया प्रदेश का नाम रोशन-सरकारी आवास मौजूद प्रदेशभर से आए मेहमानों के बीच उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने नेशनल यूथ अवार्डी डॉ. निधि के कीर्तिमान की खूब प्रशंसा की, कहां बेटी डॉ.निधि ने प्रदेश का नाम रोशन किया है। राजस्थान की एजुकेशन सिटी कोटा से वह आती है। बचपन से उन्होंने लोगों को जागरूक करने का काम किया है। विश्व एड्स दिवस के दिन 100 किलोमीटर साइकिल चलाई, ग्रामीणों को जागरूक किया। प्रदेश की बेटियां डॉ.निधि की तरह आगे बढ़ ती रहे।

डिप्टी सीएम ने कहा प्रदेश की और भी बेटियों को समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए और लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए काम रहना चाहिए, ऐसा करने से लोग प्रेरित होते हैं।

डॉ. निधि ने उप मुख्यमंत्री से हुई चर्चा में बताया कि रास्ते में उन्होंने मिलने वाले राहगीरों को चाहे वह शहरी थे या ग्रामीण सबको एड्स के बारे में जागरूक करते उनके रिबन लगाया। यह साईकिल यात्रा सुबह 6 बजकर 30 मिनट से स्वयं के आवास महालक्ष्मीपुरम बारां रोड़ से शुरु की थी। नेशनल हाईवे 27 से होते हुए धाकड़खेड़ी बाईपास, हैंगिंग ब्रिज, गरड़िया महादेव बाईपास से धनेश्वर टोल प्लाजा तक व वहां से इसी मार्ग से वापसी करते हुए 5 घंटे 10 में 100 किलोमीटर की यात्रा पूरी की थी।

आज तक पूरे विश्व में किसी ने भी अकेले एड्स जैसे गंभीर विषय पर इतनी लम्बी साईकिल यात्रा एड्स जागरूकता दिवस के दिन नहीं की है। डॉ.निधि के कीर्तिमान के बारे में जानकर उपमुख्यमंत्री के आवास पर मौजूद तमाम प्रदेशभर के मेहमानों ने बेटी निधि को बधाई और शुभकामनाएं दी।

- **कोटा नया नोहरा से धनेश्वर टोल प्लाजा तक अप-डाउन 100 किलोमीटर साइकिल चलाकर बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड**

कोटा की डॉ.निधि के वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने पर डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने उन्हें सम्मानित किया है।

डॉक्टर से मांगी 25 लाख की रंगदारी

बीकानेर। जस्सूसर गेट पर प्रेक्टिस करने वाले शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. श्याम अग्रवाल से 25 लाख रुपए की रंगदारी मांगी गई है। इसके साथ ही हर महीने एक लाख रुपए की बंदी देने का दबाव बनाया गया है।

डॉ. अग्रवाल ने इस बारे में नयाशहर थाने में मामला दर्ज कराया है। इसके साथ ही एक प्रतिनिधि मंडल ने पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर रंगदारी मांगने वालों पर कार्रवाई की मांग की। एफआईआर में कहा गया है कि रात करीब पौने दो बजे मोहल्ले का रहने वाला विष्णु साध, अभिषेक पंवार व अन्य कुछ शरारती तत्व ने आकर मेरे से 25 लाख रुपए देने व हर माह एक लाख की बंदी देने की मांग की है। 25 लाख रुपए और बंदी नही देने पर जान से मारने की धमकी दी गई। इसके बाद चैंबर में आकर दोबारा देख लेने की धमकी दी गई। डॉ. अग्रवाल ने दावा किया है कि उनके पास सीसीटीवी फुटेज व ऑडियो-वीडियो किलप सुरक्षित है। इसके बाद सोमवार को डॉक्टर्स के एक प्रतिनिधि मंडल ने पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सिंह सागर से मुलाकात की। इस पर एसपी ने थानाधिकारी विक्रम तिवारी को इस बारे में दिशा निर्देश दिए। मामला दर्ज करके जांच हेड कॉन्स्टेबल पांचाराम को सौंपी गई है। इससे पहले फाइनेंशियल काम करने वाले पीयूष शंगारी को धमकी दी गई थी।

- **एक लाख रुपए की बंधी का दबाव; सीसीटीवी फुटेज और ऑडियो भी उपलब्ध**

कथावाचक मामला : भाजपा की जांच कमेटी ने बंद कमरे में मंथन किया

जालोर में कथावाचक अभयदास के मामले की जांच कमेटी के सदस्य सीकर के पूर्व सांसद सुमेधानंद सरस्वती, तिजारा विधायक बाबा बालकनाथ व पोकरण विधायक प्रतापपुरी महाराज भैंरूनाथ अखाड़ा पहुंचे।

जालोर, (कासं)। जालोर जिला मुख्यालय पर गत कई दिनों से कथावाचक अभयदास के जालोर में कथा व चातुर्मास करने की जिद के चलते मामला गर्माया हुआ है।

कथावाचक के मामले को लेकर भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड ने तीन सदस्य कमेटी का गठन किया। जिसमें सीकर के पूर्व सांसद सुमेधानंद सरस्वती, तिजारा विधायक बाबा बालकनाथ व पोकरण विधायक प्रतापपुरी महाराज मंगलवार को जालोर पहुंचे तथा आयोजन कमेटी, भैरुनाथ अखाडा, जिला प्रशासन व पुलिस एवं कथावाचक अभयदास से बंद कमरे में गुप्त मंत्रणा की। जांच रिपोर्ट प्रदेशाध्यक्ष को सौपेंगे। इसके बाद कथावाचक के जालोर में चातुर्मास व कथा करने को लेकर निर्णय सरकार द्वारा लिया जायेगा।

जालोर में कथावाचक अभयदास के जालोर में श्रीमद भागवत कथा के बाद बायोसा मंदिर दर्शन करने जाने पर पास स्थित मजार को लेकर विवादित बयान दिया था तथा इसके बाद अपने सभी भक्तो के साथ बायोसा मंदिर के दर्शन करने की जिद के चलते पुलिस व प्रशासन द्वारा कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए कथावाचक को भक्तों के जाने से रोका गया। इसके बाद कथावाचक द्वारा अपने एक भक्त के घर आमरण अनशन करने पर केबीनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने पहुंचकर कथावाचक का अनशन तुडवाया और बायोसा मंदिर के दर्शन भी करवाया। आयोजन कमेटी ने कथा को स्थगित कर कथावाचक को उनके आश्रम तखतगढ पहुंचा दिया था, लेकिन इसके बाद कथावाचक जालोर में ही कथा व चातुर्मास करने की जिद करने लगे। जिसके चलते कथावाचक के लिए खासकर महिलाओं के आगे आने पर कथावाचक दुगुना जोश के साथ जालोर आने की बात करना लगा, लेकिन प्रशासन द्वारा कथावाचक को कथा की अनुमति नहीं देने से मामला कई दिनों से तूल पकड़े रहा। मामला प्रदेश स्तर पर पहुंचने पर प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड ने तीन सदस्यो की जांच कमेटी बनाई, जिसमें सीकर के पूर्व सांसद सुमेधानंद सरस्वती, तिजारा विधायक बाबा बालकनाथ व पोकरण विधायक प्रतापपुरी महाराज को शामिल किया गया।

कोटपूतली में मतदाता सूची से संबंधित कार्यों पर चर्चा की

कोटपूतली, (नि.सं.)। जिला निर्वाचन अधिकारी (कलेक्टर) प्रियंका गोस्वामी की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2025 के तहत राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी से महासिंह चौधरी, राजेन्द्र सिंह, सुरेन्द्र चौधरी, अरुण कुमार सैनी, रमेश चंद रावत, दाताराम सैनी, राजवीर यादव एवं इंडियन नेशनल कांग्रेस से प्रकाश चंद सैनी, सतीश निमोरिया, विकास सिंह शेखावत, राजेन्द्र प्रसाद एवं भीम सिंह गुर्जर मौजूद रहे।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण में मतदाता सूची को पूरी तरह से जांचने की प्रक्रिया है, जिसमें सभी पात्र मतदाताओं के नामों को सूची में शामिल करने और अपात्र नामों को हटाने का काम किया जाता है, ताकि मतदाता सूची सटीक, पारदर्शी और विश्वसनीय बनी रहे। उन्होंने कहा कि यह सूची बीएलओ के पास हार्ड कॉपी में तथा सीईओ और डी ई ओ कि वेबसाइट पर ऑनलाइन भी उपलब्ध रहेगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि पुनरीक्षण के अन्तर्गत भी बीएलओ द्वारा हाउस टू हाउस जाकर मतदाताओं की पहचान के रूप में एक साल सरल गणना पपत्र भरवाया जाना है एवं आवश्यक दस्तावेज प्राप्त करने हैं.

जिला निर्वाचन अधिकारी (कलेक्टर) प्रियंका गोस्वामी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2025 के तहत राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक हुई।

उन्होंने बताया कि गणना पपत्र में प्रविष्ठियां, जैसे निर्वाचक का नाम, मतदाता पहचान पत्र संख्या, मतदाता का पुराना फोटू, पता, भाग संख्या एवं विधानसभा क्षेत्र का नाम पूर्व में ही मुद्रित होगा. मतदाता को गणना पपत्र में मात्र अपना नाम वर्तमान रंगीन फोटो लगाना है तथा इससे जन्म तारीख, मोबाइल नंबर, आधार संख्या (वैकल्पिक), पिता का नाम, माता का नाम, पत्नीध्पति का नाम एवं यदि इनके मतदाता पहचान पत्र उपलब्ध हों तो उनकी प्रविष्ठियां ही की जानी हैं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी (अतिरिक्त कलेक्टर) ओमप्रकाश सहारण ने विस्तार से निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों के बारे में जानकारी देते हुए मतदाताओं की श्रेणीवार व उपलब्ध संभावित दस्तावेजों, घर- घर गणना, ऑनलाइन पपत्र केसे सबमिट करें, मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों द्वारा नियुक्त बूथ स्तरीय एजेंट के कार्य, विशेष गहन पुनरीक्षण अपील की जानकारी दी साथ ही दलों के प्रतिनिधियों के सवालों व सुझावों पर चर्चा की।

ग्राम कराणा में रात्रि चौपाल आज

कलेक्टर प्रियंका गोस्वामी की अध्यक्षता में उपखंड नारायणपुर की ग्राम पंचायत कराणा में 30 जुलाई को सांय 6 बजे से रात्रि चौपाल होगी। उपखंड अधिकारी नारायणपुर दिनेश शर्मा ने जानकारी दी। दी।

गांजा तस्कर को 3 वर्ष का कारावास

कोटा, (निसं)। अवैध मादक पदार्थ गांजा तस्करी के साढ़े छह साल पुराने मामले में विशिष्ट न्यायालय एनडीपीएस न्यायालय ने सुनवाई करते हुए पकड़े गये आरोपी को दोषी मानते हुए 3 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई।

एनडीपीएस न्यायालय के न्यायाधीश रामपाल सिंह ने मामले में सुनवाई करते हुए गांजा तस्करी के आरोपी रोहित उर्फ विवेक को दोषी मानते हुए 3 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई साथ ही 25 हजार के जुर्माने से दंडित किया है। विशिष्ट लोक अभियोजक महेंद्र सिंह निर्भय ने बताया कि 22 सितम्बर 2019 को नयापुरा थानाधिकारी ने सूचना पर कार्यवाही करते हुए नयापुरा निवासी रोहित उर्फ विवेक के रिहायशी मकान में बने कमरे की अलमारी में से अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद किया। पुलिस ने मामले में कार्यवाही के दौरान 4 किलो 200 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद किया।

सोता नदी में वेस्ट सामग्री डालने पर जताया विरोध

कोटपूतली, (नि.सं.)। कोटपूतली से नीमकाथाना स्टेट हाईवे निर्माण के दौरान निकाली जा रही वेस्ट मिट्टी, मलबा व पत्थरों को ग्राम सरुण्ड स्थित टोल प्लाजा के पास सोता नदी के बहाव क्षेत्र में डम्प किये जाने को लेकर मंगलवार को खनन ग्रस्त संघर्ष समिति कोटपूतली के प्रतिनिधि मंडल ने सामाजिक कार्यकर्ता राधेश्याम शुक्लावास के नेतृत्व में कलेक्टर प्रियंका गोस्वामी को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में समिति के सचिव राधेश्याम शुक्लावास ने बताया कि फोरलेन निर्माण कार्य के चलते नदी के बहाव क्षेत्र में भारी मात्रा में मलबा डाला जा रहा हैं। जिससे प्राकृतिक जल प्रवाह बाधित हो रहा है और पर्यावरणीय संकट गहराता जा रहा है। इससे ना केवल जल स्त्रोतों पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा, बल्कि आसपास की खेती योग्य भूमि, वन्य जीवन व चारागाहों पर भी प्रतिकूल असर देखने को मिलेगा। इस संबंध में पूर्व में तहसीलदार को दिए गए परिवाद पर हल्का पटवारी की जांच रिपोर्ट में भी उक्त तथ्य सही पाए गए, जिसकी प्रति जिला प्रशासन को सौंपी गई। जिला कलेक्टर ने गंभीरता से मामले को संज्ञान में लेते हुए मौके पर ही आरएसआरडीसी के प्रोजेक्ट डायरेक्टर को कॉल कर शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों को पर्यावरणीय सुरक्षा के मानकों के अनुरूप कार्य सुनिश्चित करने को कहा। समिति ने यह भी चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के भीतर अवैध डम्पिंग हटाने की कार्यवाही नहीं की गई, तो जनहित में धरना व भूख हड़ताल शुरू की जायेगी, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। यह विरोध सिर्फ नदी नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र के पर्यावरण, खेती, जल संरक्षण व जन स्वास्थ्य की रक्षा के लिये है।

पुनरीक्षण कार्यक्रम की बारीकियां समझाई

कोटपूतली के राजकीय एलबीएस पीजी महाविद्यालय में जिला प्रशिक्षण नोडल अधिकारी एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी ओमप्रकाश सहारण ने बी.एल.ओ. के प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित किया।

कोटपूतली, (नि.सं.)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी राजस्थान के निर्देशानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत विधानसभा क्षेत्र के बीएलओ के प्रशिक्षण के दूसरे दिन मंगलवार को जिला प्रशिक्षण नोडल अधिकारी एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी ओमप्रकाश सहारण ने यहां के राजकीय एलबीएस पीजी महाविद्यालय में निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश प्रदान किये।

उन्होंने बीएलओ को बताया कि विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के दौरान घर-घर जाकर मतदाताओं की पहचान का कार्य किया जाता रहा हैं। उन्होंने बताया कि यह प्रक्रिया राजस्थान में 23 वर्ष पहले 2002 में की गई थी। वर्तमान में बीएलओ के द्वारा गणना प्रपत्र भरवाया जाना है एवं आवश्यक दस्तावेज प्राप्त किये जाने है।

इस गणना प्रपत्र में डिटेल पहले से भरी होगी एवं मतदाता को वर्तमान रंगीन फोटो लगाना है तथा जन्म तारीख, मोबाईल नंबर, आधार संख्या सहित अन्य प्रविष्टियां की जानी है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि राजस्थान में लगभग 53 प्रतिशत मतदाता ऐसे मिलेगें जिनका नाम मतदाता सूची में मिलेगा जिनसे किसी भी प्रकार का कोई दस्तावेज नहीं लिया जाना है, केवल गणना प्रपत्र भरवाना है। दूसरे मतदाताओं से एक अथवा दो दस्तावेज (एक स्वयं का एवं दूसरा उनके माता-पिता) एवं केवल 03 प्रतिशत ही ऐसे मतदाता होगें जिनसे 03 दस्तावेज प्राप्त करने है। आपको किसी भी प्रकार की परेशानी आये या जानकारी प्राप्त करनी हो तो डीएलएमटी एवं एलएमटी से संपर्क कर सकते है। डीएलएमटी राजेश कुमार यादव ने बीएलओ को सर्वे के दौरान किये जाने वाले कार्य एवं बीएलए व स्वंयसेवकों से सम्पर्क कर गणना प्रपत्र संकलन के बारे में बताया। मास्टर ट्रेनर रामबीर यादव ने बताया कि मतदाता से गणना प्रपत्र कैसे भरवाया जाना है एवं फॉर्म नंबर 6, 7 व 8 किस तरह से ईआरओ द्वारा स्वीकारध्अस्वीकार किये जायेगें। परीक्षण के दौरान 50 बूथ स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। इस मौके पर सत्यवीर सिंह यादव मास्टर ट्रेनर, अतुल कुमार आर्य, रामावतार नागर, विजय सिंह, मुकेश मीणा, पप्पू यादव समेत अन्य मौजूद रहे।

गणेशजी को निमंत्रण देंगे

फुलेरा, (नि.सं.)। भादवा मास सेवा समिति, पांच बत्ती चौराहा पुराना फुलेरा की ओर से बैठक आयोजित की गई। सर्वप्रथम सिद्ध श्री गणेश मन्दिर पर गणेश जी को प्रथम निमंत्रण अर्पित कर कार्यक्रम का पोस्टर विमोचन किया जाएगा। भादवा मास विश्राम स्थल का शुभारंभ 10 अगस्त को किया जाएगा, जो कि पूरे माह तक चलेगा। कार्यकारिणी सदस्यों व भक्तजनों से 30 जुलाई बुधवार को प्रात:10:15 बजे विश्राम स्थल पर पहुंचकर धर्मलाभ लेने की अपील की है। समिति अध्यक्ष रामपाल कुमावत, सचिव भगवान बाना, कोषाध्यक्ष वेदप्रकाश पारीक, संरक्षक नन्दकिशोर शर्मा, जानकी लाल कुमावत तथा व्यवस्थापक मनमोहन सैनी, मांगीलाल जांगिड़, राम अवतार टांक, मोहन कुमावत, राजकुमार देवाल, खेमचन्द निठारवाल, सीताराम हलवाई सहित भक्तजन मौजूद थे।

टी.बी. मुक्त भारत अभियान एवं एन.टी.ई.पी. की समीक्षा

जिला क्षय निवारण केन्द्र टोंक में टीबी मुक्त भारत अभियान व एनटीईपी कार्यक्रम की समीक्षा की।

टोंक, (नि.सं.)। जिला क्षय निवारण केन्द्र टोंक में टीबी मुक्त भारत अभियान एवं एनटीईपी कार्यक्रम की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शैलेन्द्र चौधरी ने सभी अधिकारियो व कर्मचारियों को कार्यक्रम की सफलता के लिये आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने वलनरेबल पॉपुलेशन स्क्रीनिंग, की पापुलेषन, नॉट टेस्ट, ऐक्स रे, निक्षय पोषण योजना, प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान, टीपीटी आउटकम, नोटिफिकेषन, एमबीपीएएल रेजीमेन, एसीएफ सर्वे, आदि बिंदु पर चर्चा की।

बैठक में जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ हिमांषु मित्तल ने कम प्रगति वाले चिकित्सा संस्थान को प्रेरित कर कार्य में प्रगति लाने, एवं चेस्ट ऐक्स रे के लिए समीप के लैब में जांच, टीपीटी में सीवाई टेस्ट करवाना ओर उनकी एंट्री निक्षय पोर्टल में करना, निक्षय पोषण योजना में बैंक खाता सीडिंग कर उनका भुगतान करना आदि के निर्देश दिए।

कांवड़ यात्रा लाने की तैयारी पर मंथन

फुलेरा, (नि.सं.)। कस्बे की बिचून रोड़ स्थित जनकल्याण केन्द्र पर फुलेरा जनकल्याण सेवा समिति की एक मिटिंग का आयोजन समिति अध्यक्ष गिरधारी सिंह शेखावत की अध्यक्षता में किया गया।

- **जनकल्याण केन्द्र पर एक मिटिंग का आयोजन समिति अध्यक्ष गिरधारी सिंह शेखावत की अध्यक्षता में किया**

मिटिंग के दौरान उपस्थित पदाधिकारियों द्वारा विभिन्न बिन्दुओं को लेकर चर्चा एवं विचार विमर्श किया गया। जिसमें मुख्य रूप से आगामी 3 अगस्त रविवार को सांभरलेक स्थित पवित्र तीर्थ स्थल देवयानी सरोवर से सामूहिक कांवड़ यात्रा लाने के लिए व्यवस्थाओं पर चर्चा की गयी। इसके बाद सर्वसहमति से निर्णय लिया गया कि सामूहिक कांवड़ यात्रा देवायानी सरोवर से रवाना होकर फुलेरा पांच बत्ती चौराहा, पुराना फुलेरा तक साथ साथ आयेगी। इसके बाद सभी कांवडिये अपने-अपने शिवालयों मे जा कर जलाभिषेक करेंगे। वहीं आगे बताया कि सभी कावडियें पुराना फुलेरा स्थित तेजाजी चौक में सायं 4 बजे से सामूहिक पंगत प्रसादी का आयोजन किया जायेगा। गौरतलब है कि इससे पूर्व 2 अगस्त से रूद्रमहायज्ञ का आयोजन रहेगा, जिसकी पूर्णाहूति 3 अगस्त को होगी। इसके अलावा वहीं 3 अगस्त को 12:15 बजे तेजाजी चौक में प्रणव अठावाल के संयोजन में वृक्षारोपण का कार्यक्रम रहेगा। मिटिंग के अन्तिम चरण में समिति के अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों द्वारा पोस्टर का विमोचन किया गया।

इसी क्रम में फुलेरा जनकल्याण सेवा समिति के अध्यक्ष गिरधारी सिंह शेखावत ने बताया कि हमारी अभिलाषा है कि सावन माह में किसी एक दिन नगर के समस्त शिवालयों में एक साथ रूद्राभिषेक हो। जिससे समस्त नगरवासी सम्पन्नता की ओर अठासर हो सके और नगर में किसी को भी हारी बीमारी और धनाभाव न रहे। मिटिंग के दौरान यादराम जोशी, दिलीप सुरोलिया, गजेन्द्र सिंह शेखावत, रतन राजौरा, मुकेश गेनोलिया, महावीर जैन, बजरंग जोशी, सुरेश सैनी, मुकेश सैनी, कृष्णकान्त वर्मा, मांगी लाल सैनी, भागचन्द कुमावत, अमर सिंह, पन्नालाल पंवार, बाबूलाल मीणा, सूरज वर्मा आदि उपस्थित रहे।

शपथ ग्रहण समारोह हुआ

राजगढ़ । समाजसेवी एवं स्वयंसेवी संस्थान लायंस क्लब की नवीन कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह त्याग एवं समर्पण भाव के साथ सेवा को लक्ष्य मान उत्साह एवं उल्लास से आयोजित हुआ। टहला बाईपास स्थित गणपति मैरिज होम में सोमवार देवरात्रि तक चले इस कार्यक्रम में लायंस की सेवा भावना का जादू एवं जरूरतमंद की सेवा का जज्बा देखने को मिला। पदाधिकारी देवेंद्र मदान ने कर्तव्य एवं दायित्व बोध के साथ सभी पदाधिकारी को जोश एवं उल्लास के साथ शपथ दिलाई। प्रांत पाल सुधीर बाजपेयी के मुख्य आतिथ्य में कार्यक्रम हुआ। लायंस क्लब राजगढ़ इकाई ने अतिथि सुधीर बाजपेयी, देवेंद्र मदान, सुमेर जैन, गायत्री सेठी, ऋषि फतेहपुरिया आदि का स्वागत किया।

नम्बर मिलाइए 9587884433

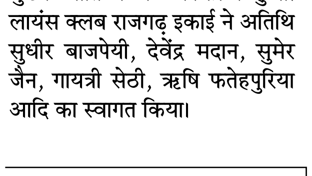

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

अपराधों पर अंकुश लगाने को लेकर अधिकाधिक कार्रवाई करने के निर्देश

कोटपूतली, (नि.सं.)। जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय में मंगलवार को एसपी देवेन्द्र कुमार बिश्नोई की अध्यक्षता में जिले के पुलिस अधिकारियों की अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान एसपी देवेन्द्र कुमार बिश्नोई द्वारा आपराधिक आंकड़ों का गत वर्ष से तुलना करते हुये संज्ञेय अपराधों में कमी लाने व लोकल एवं स्पेशल एक्ट में वृद्धि करने एवं अपराधों पर अंकुश लगाने को लेकर अधिकाधिक कार्रवाई करने के निर्देश दिये गये।

पोक्सो, बलात्कार, महिला अत्याचार व एस.सी.ध्एस.टी. के अन्तर्गत दर्ज प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर दो माह की अवधि में निस्तारण करने के निर्देश दिये गये। लम्बे समय से लम्बित प्रकरणों का वरिष्ठता के अधार पर शीघ्र निस्तारण करने व थाने पर पेंडिंग चालानध्एफ.आर. शीघ्र न्यायालय में पेश करने के लिये सम्बन्धित वृताधिकारी व थानाधिकारियों को निर्देश दिये गये। सक्रिय अपराधियों को चिन्हित कर गुण्डा एक्ट व राजपासा के तहत कार्यवाही करने तथा विभिन्न आपराधिक प्रकरणों में वांछित अपराधियों, स्थाई वारंटियों, उद्घोषित अपराधियों, ईनामी संगठित अपराधियों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। चोरीध्नकबजनी की वारदातों पर अंकुश लगाने हेतु समस्त थानाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में रात्रि गश्त बढ़ाने के निर्देश दिये गये। भू-माफिया, शराब माफिया, मादक पदार्थ तस्कर आदि पर प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। थानों में जप्तशुदा वाहनों के निस्तारण के संबंध में निर्देश दिये गये। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के प्रयास करने बाबत निर्देश दिये गये। सम्पति संबंधी अपराधों में बरामदगी प्रतिशत बढ़ाने व पैंडेंसी निर्धारित मापदण्ड के अनुरूप रखने के निर्देश प्रदान किये गये। न्यायालय से प्राप्त सम्मनध्वारन्टध्नोटिसों की समय पर तामील करवाने एवं साईबर अपराधों के संबंध में आमजन को जागरूक व सचेत कर साईबर अपराधों में कमी लाने के निर्देश दिये गये। आसूचना तंत्र को मजबूत करने व समय पर सूचनायें उच्चाधिकारियों को देने के संबंध में निर्देश प्रदान किये गये। आमजन के साथ मधुर व्यवहार, नियमित जनसुनवाई कर उनकी समस्याओं का उचित निराकरण करने व पुलिस कार्य प्रणाली में पारदर्शिता रखने हेतु समस्त एएसपी, डीएसपी व थानाधिकारियों को विशेष निर्देष दिये गये। बैठक में एएसपी कोटपूतली वैभव शर्मा, एएसपी नीमराणा शालिनी राज, डीएसपी कोटपूतली राजेन्द्र कुमार बुरड़क, डीएसपी विराटनगर शिप्रा राजावत, डीएसपी बहरोड़ कृतिका यादव, डीएसपी नीमराणा सचिन शर्मा सहित कई जने उपस्थित रहे।

कोटपूतली में जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एस.पी. देवेन्द्र कुमार बिश्नोई की अध्यक्षता में जिले के पुलिस अधिकारियों की अपराध गोष्ठी का आयोजन किया।

पौधारोपण एवं गौसेवा के कार्य फुलेरा में किए

फुलेरा, (नि.सं.)। विप्र सेना स्थापना दिवस पर विधानसभा क्षेत्र फुलेरा विप्र सेना द्वारा नरैना रोड पर स्थित श्री खाण्डल विप्र भवन परिसर में सेवा कार्य किये। जिसमें पर्यावरण एवं गौ सेवा के दो मुख्य कार्यक्रम आयोजित किये गये।

इसके चलते कार्यक्रम के दौरान सैकड़ो गौ माता को गुड खिलाया गया, एवं स्वच्छ पर्यावरण हेतु पौधारोपण किया गया। साथ वृक्षारोपण में वृक्ष पालन की सुरक्षा एवं संरक्षण हेतु जिम्मेदारी दी गई। इस अवसर पर फुलेरा तहसील विप्र सेना संरक्षक महेश दाधीच, युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष बजरंग जोशी, उपाध्यक्ष दीनदयाल दाधीच, महासचिव कृष्णकांत शर्मा, कपूर रिणवा, संगठन सचिव राजीव दत्त गौड, सचिव शिवकुमार गौड, साहित्यिक सचिव गौरी शंकर शर्मा, मीडिया प्रभारी मुरारी सिवांल, विप्र सेना फुलेरा नगर युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष मनीष पीपलवा, नरैना नगर विप्र सेना युवा प्रकोष्ठ अभिषेक शर्मा, नवल किशोर दाधीच, वासुदेव दाधीच, जुगल किशोर दाधीच सहित समाज के राजू दाधीच, शैलेन्द्र शर्मा, पण्डित नारायण माटोलिया, राम प्रसाद जोशी, यादराम जोशी, मोहन लाल माटोलिया, मदन रिणवा, श्याम रुथला एवं मातृ शक्ति व समाज के कई अन्य लोग उपस्थित रहे।

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रस्तावित रिसोर्ट प्रोजेक्ट "रिट्ज कार्लटन जयपुर" खसरा न. 622/737, 623/738, 782/622, 783/622 ग्राम जुगलपुरा, तहसील-आमेर, जयपुर, राजस्थान को जिसका कुल भूखंड क्षेत्र 1,50,000 वर्ग मीटर नेट भूखंड क्षेत्र 1,49,992.26 वर्ग मीटर तथा निर्मित क्षेत्र 61,330.95 वर्ग मीटर है पर भवन निर्माण की पर्यावरण स्वीकृति राज्य पर्यावरण प्रभाव आंकलन प्राधिकरण (SEIAA) से पत्र संख्या RJ/24/SEAC1/INFRA2/EC/0396 दिनांक 23/06/2025 को प्रदान कर दी गयी है।

सहमति प्रपत्र की प्रति पर्यावरण प्रभाव आंकलन प्राधिकरण (SEIAA) के पास उपलब्ध है।

गुरनानी रिसॉर्ट्स एण्ड होटल्स प्राइवेट लिमिटेड

नाम परिवर्तन

मेरा नाम समस्त पहचान दस्तावेजों में दया चन्द पुनियां है और पासपोर्ट में दया चन्द (Daya Chand) है। जबकि मेरा नाम दया चन्द पुनिया (Daya Chand punia) है दोनों नाम एक ही व्यक्ति के है मुझे भविष्य में दया चन्द पुनिया (Daya Chand Punia) के नाम से जाना जावें पता बी-7, हरि नगर शास्त्री नगर जयपुर

मैंने मेरा नाम सलमा बानो छीपा से बदलकर सलमा बानो (Salma Bano) रख लिया है। भविष्य में मुझे सलमा बानो के नाम से जाना जावें। पता-प्लाट नं. 12, आदर्श कॉलोनी, बगरू, जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर

क्रमांक-5723 दिनांक-22.07.2025

जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 61/11 (HIG), (एरिया 189.00 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन डॉ. हरिज्ञान सिंह पुत्र स्व. श्री भूपति सिंह को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 2543 दिनांक 31.03.1992 एवं संशोधित आवंटन पत्र क्रमांक 1897 दिनांक 03.07.1992 को जारी किया गया। डॉ. हरिज्ञान सिंह की मृत्यु दिनांक 28.07.1993 को हो जाने के कारण इनके दोनों पुत्र श्री संजय सिंह एवं श्री विजय सिंह पुत्रान स्व. श्री हरिज्ञान सिंह द्वारा उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण करने हेतु आवेदन किया गया है। श्री संजय सिंह एवं श्री विजय सिंह पुत्रान स्व. श्री हरिज्ञान सिंह के आवेदन पर कार्यालय आदेश क्रमांक 2917 दिनांक 31.03.1999 द्वारा नाम दर्ज किया गया। श्री संजय सिंह एवं श्री विजय सिंह के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 31.03.1999 को उप पंजीयक-सांगानेर, जयपुर के यहाँ पंजीकृत करवाये गये। श्री विजय सिंह द्वारा उक्त आवास को दिनांक 13.02.2004 के द्वारा श्री संजय सिंह पुत्र स्व. श्री हरिज्ञान सिंह का 1/2 हिस्सा विक्रय कर उप पंजीयक-सांगानेर, जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। श्री संजय सिंह पुत्र स्व. श्री हरिज्ञान सिंह द्वारा उक्त आवास का विक्रय पत्र के आधार पर 1/2 हिस्से का नाम हस्तान्तरण हेतु प्रपत्र प्रस्तुत किये गये। श्री संजय सिंह के आवेदन पर कार्यालय आदेश क्रमांक 5429 दिनांक 18.12.2024 द्वारा नाम दर्ज किया गया। श्री संजय सिंह भदौरिया द्वारा उक्त आवास को दिनांक 21.02.2025 के द्वारा श्री ऋषि राज शर्मा पुत्र श्री श्याम सुन्दर शर्मा को विक्रय कर उप पंजीयक अष्टम, मानसरोवर, जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। क्रेता/क्रेती श्री ऋषि राज शर्मा पुत्र श्री श्याम सुन्दर शर्मा द्वारा आवासन मण्डल में उक्त आवास में अपना नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज कराने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं हैं, श्री ऋषि राज शर्मा पुत्र श्री श्याम सुन्दर शर्मा का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।

सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज.आवा. मण्डल, जयपुर

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन

(आदेश 5 के नियम 1 और 5)

न्यायालय सहायक कलेक्टर (फास्ट ट्रेक) महोदय स्थान श्रीमाधोपुर

छीतरमल विरूद्ध गैन्द कंवर वगै.

वाद बाबत - दावा

वाद सं. 06सन् 2025

बनाम गैन्द कंवर पत्नी लादूसिंह जाति राजपूत स्थान निवासी तन ग्राम सांवलपुरा-तंवरान तह. श्रीमाधोपुर जिला सीकर (राज.) वादीगण ने आपके विरूद्ध दावा के लिये वाद पीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 05 माह 08 सन् 2025 को दिन में 10.00 ए.एम. बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह वाद ता. 03 माह 07 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

मोहर अदालत

न्यायालय की आज्ञा से-सरिश्तेदार
सहायक कलक्टर (फास्ट ट्रेक)
श्रीमाधोपुर, सीकर

कार्यालय नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

(पं. दीनदयाल उपाध्याय भवन, लालकोठी, टोंक रोड, जयपुर-15)

(राजस्व-द्वितीय प्रकोष्ठ)

क्रमांक: एफ-6() उप.राज.-द्वितीय(सा.प्र.)/ननिग्र./2025/125 दिनांक: 24.07.2025

सार्वजनिक सूचना

मूल भूखण्ड संख्या बी-40, बजाज नगर, जयपुर का अर्बन इम्प्रूवमेंट बोर्ड, जयपुर द्वारा श्री राजेन्द्र नाथ भार्गव के नाम से क्षेत्रफल 296.6 वर्गगज भूमि का आवंटन किया गया था। दिनांक 06.02.1976 को नगर विकास न्यास, जयपुर द्वारा भूखण्ड संख्या बी-40, बजाज नगर योजना, जयपुर क्षेत्रफल 296.6 वर्गगज श्री राजेन्द्र नाथ भार्गव पुत्र स्व0 श्री दीनानाथ भार्गव के नाम से पट्टा जारी किया गया। दिनांक 07.02.1976 को श्री राजेन्द्र नाथ भार्गव पुत्र श्री स्व. श्री दीनानाथ भार्गव द्वारा भूखण्ड संख्या बी-40, बजाज नगर, जयपुर श्री मृणाल कान्ति मुकर्जी पुत्र स्व. श्री अमृतलाल मुकर्जी को बेचान किया गया। दिनांक 17.06.1976 को नगर विकास न्यास, जयपुर द्वारा भूखण्ड संख्या बी-40, बजाज नगर, जयपुर, श्री एम. के. मुकर्जी पुत्र स्व. ए. एल. मुकर्जी (श्री मृणाल कान्ति मुकर्जी पुत्र स्व. श्री अमृतलाल मुकर्जी) के नाम से नाम हस्तान्तरण पत्र जारी किया गया। दिनांक 31.01.1980 को श्री मृणाल कान्ति मुकर्जी पुत्र स्व. श्री अमृतलाल मुकर्जी द्वारा भूखण्ड संख्या बी-40, बजाज नगर, जयपुर क्षेत्रफल 298.88 वर्गगज श्री मदन लाल जैन पुत्र श्री जेठमल जैन को बेचान किया गया। दिनांक 20.11.2008 को नगर निगम जयपुर द्वारा भूखण्ड संख्या बी-40, बजाज नगर, जयपुर क्षेत्रफल 296.6 वर्गगज श्री मदन लाल जैन पुत्र श्री जेठमल जैन के नाम हस्तान्तरण पत्र जारी किया गया। दिनांक 29.12.2018 को श्री मदन लाल जैन की मृत्यु हो गई। दिनांक 26.11.2024 को श्रीमती सुनिता जैन पुत्री स्व. मदन लाल जैन (पत्नी श्री संजय जैन) द्वारा भूखण्ड संख्या बी-40, बजाज नगर, जयपुर क्षेत्रफल 298.88 वर्गगज मे से अपना अविभाजित 1/4 हिस्सा 1. श्रीमती गुणमाला देवी जैन पत्नी स्व. मदन लाल जैन 2. श्री संजय जैन 3 श्री सुनिल जैन पुत्रान् स्व. श्री मदन लाल जैन के पक्ष में हक्त्याग किया गया। आवेदक द्वारा प्रस्तुत रजिस्टर्ड पट्टे की प्रति, रजिस्टर्ड विक्रय पत्र, नाम हस्तान्तरण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, राजिस्टर्ड हक त्याग पत्र, अण्डरटेकिंग एवं अन्य दस्तावेजों के आधार पर उक्त भूखण्ड का नगर निगम ग्रेटर, जयपुर द्वारा 1. श्रीमती गुणमाला देवी जैन पत्नी स्व. मदन लाल जैन 2. श्री संजय जैन 3. श्री सुनिल जैन पुत्रान् स्व. श्री मदन लाल जैन के पक्ष में क्षेत्रफल 296.6 वर्गगज का ऑनलाईन नाम हस्तान्तरण जारी किया जाना है। इस ऑनलाईन नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने बाबत् किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय (उपायुक्त, राजस्व-द्वितीय) में प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद, नियमानुसार ऑनलाईन नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने की कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी।

उपायुक्त (राजस्व-द्वितीय), नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

आम सूचना सुरेन्द्र कुमार यादव पुत्र श्री रामनिवास यादव, निवासी 1-ए, सिन्धी कॉलोनी, कालवाड़ रोड़, झोटवाड़ा, जयपुर (राजस्थान) ने मेरी अभिभाष्य-फर्म बुनियादी विकास गृह निर्माण सहकारी समिति लि. जयपुर की योजना तिलक रेजिडेन्सी, गोकुलपुरा, जयपुर के भूखण्ड संख्या-34 के मूल दस्तावेज गुम हो गये हैं जिस बाबत गुमशुदगी रपट संख्या LR No. 277081/2025 दिनांक 26.05.2025 को जयपुर में दर्ज करवाई है तथा उक्त रिपोर्ट की प्रतिलिपि व बन्ध पत्र, शपथ पत्र समिति कार्यालय में प्रस्तुत किये तथा डुप्लीकेट पट्टा जारी करने बाबत समिति से कहा गया। यदि उक्त भूखण्ड का डुप्लीकेट पट्टा जारी करने बाबत समिति से कहा गया। यदि उक्त भूखण्ड का डुप्लीकेट पट्टा, रसीद व साईड प्लान जारी करने के सम्बन्धि में किसी भी व्यक्ति, बैंक, संस्था, समिति या संगठन को कोई आपत्ति हो तो वे समिति कार्यालय में या मेरे कार्यालय में उक्त सूचना के प्रकाशन से 07 दिवस की अवधि में उज्र व आपत्ति पेश करें, अन्यथा डुप्लीकेट पट्टा जारी किया जावेगा, बाद मियाद गुजरने के कोई उज्र मान्य नहीं होगा।

(हेमन्त कुमार पलोड़) एडवोकेट, मोबाईल नं. 9314511091

आम-सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्यगण सुनन्दा सक्सैना पुत्री सत्येन्द्र मोहन चोपड़ा उम्र 55 वर्ष, व अमन चोपड़ा पुत्र अखिलेश सक्सैना, निवासीगण त्रिरूपति रेजीडेन्सी, बी-146, एफ-1, आचार्य विनोबा भावे नगर, वैशाली नगर, जयपुर राजस्थान की ओर से सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्यगण के पति व पिता अखिलेश सक्सैना पुत्र सर्वेश्वर बहादुर सक्सैना जो कि काफी वर्षों पूर्व मेरे अभिभाष्यगण को छोड़कर चले गये थे का मेरे अभिभाष्यगण से किसी प्रकार का कोई लेन देन हक वास्ता नहीं है। यदि कोई व्यक्ति फर्म, संस्था, बैंक, या अन्य कोई वित्तीय संस्थान अखिलेश सक्सैना से किसी भी प्रकार का कोई संव्यवहार, लेन देन इत्यादि करता है तो उसके लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे, मेरे अभिभाष्यगण की किसी प्रकार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। सूचित रहे।

जयपुर-
दिनांक-

(हरीश कुमार जसवानी)
एडवोकेट, मो.-9414252017

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर

क्रमांक-5840 दिनांक-28.07.2025

जाहिर आम-सूचना

राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 112/194 (EWS), (एरिया 30.937 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री लादू राम बैरवा पुत्र श्री पुराराम बैरवा को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 5483 दिनांक 09.02.2009 को जारी किया गया।

श्री लादूराम बैरवा की मृत्यु दिनांक 03.03.2025 को हो जाने के कारण अपंजीकृत वसीयतनामा के आधार पर इनकी पुत्री सुश्री सविता बैरवा पुत्री स्व. श्री लादूराम बैरवा द्वारा उक्त आवास को स्वयं के नाम हस्तान्तरण करने हेतु आवेदन किया गया है।

अत उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं हैं, सुश्री सविता बैरवा पुत्री स्व. श्री लादूराम बैरवा का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।

सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम,
राज.आवा. मण्डल, जयपुर

खोया पाया

मेरे राजस्थान आवासन मण्डल के जवाहर नगर स्थित मकान नम्बर 3/165 के डिक्लेयर लेटर (कब्जा पत्र) एवं अदेय प्रमाण पत्र कहीं गुम हो गए। मिलने पर सूचित करें। राजीव मोहन दुआ पुत्र आनन्द प्रकाश दुआ 8003290149

म.नं. ए-4-179, ट्रांसपोर्ट नगर, सीकर रोड, जयपुर का पट्टा, स्टाम्प व साइट प्लान कहीं गुम हो गए हैं, मिलने पर सूचित करें। श्री गुरुशिन्दर सिंह-9982555552

मेरे प्लॉट नम्बर 12-ए, बृजपुरी, जगतपुरा, जयपुर के सुभाष सिन्धी गृह निर्माण सहकारी समिति के मूल दस्तावेजात आवंटन पत्र, मानचित्र एवं दो रसीदें कहीं खो गए हैं, मिलने पर सूचित करें। दामोदर प्रसाद खण्डेलवाल मोबाईल नम्बर-9351239512

प्लाट नं. 48, भवानी निकेतन विस्तार, झोटवाड़ा थाना रोड, जयपुर का पट्टा, स्टाम्प व साइट प्लान कहीं गुम हो गए हैं, मिलने पर सूचित करें। सज्जन सिंह राठौड़-9829708708

जल बहाव क्षेत्रों में लोगों को मत जाने दो : कल्पना अग्रवाल

टोंक में जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल एवं पुलिस अधीक्षक राजेश मीणा ने भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केंद्र में ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली।

टोंक, (नि.सं.)। टोंक जिले में बनास, सहोदरा एवं मासी नदियों में जल आवक बढ़ने और छोटे-बड़े बांधों के ओवरफ्लो होने की स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन अलर्ट मोड़ पर है। मंगलवार को जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल एवं पुलिस अधीक्षक राजेश मीणा ने भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केंद्र में ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली। इसमें सरकारी जर्जर भवन, स्कूल, आंगनबाड़ी के निरीक्षण की प्रगति एवं सुरक्षात्मक उपाय, अतिवृष्टि से बचाव एवं जिले में हुई जनहानि में मृतकों के आश्रितों को आर्थिक सहायता के संबंध में निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर ने कहा कि सभी उपखंड अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में नदियों के बहाव क्षेत्र एवं जल स्त्रोतों का जल स्तर बढ़ने के कारण सड़क मार्गों, रपटों, पुलिया आदि पर सुरक्षात्मक उपाय करें। साथ ही, आमजन को बहाव क्षेत्रों में नहीं जाने के लिए जागरूक करें। साथ ही, पूर्व में हुए हादसों के स्थानों को चिन्हित कर वहां विशेष निगरानी रखे। इसके लिए बैरिकेडिंग एवं अन्य सुरक्षा के उपाय सुनिश्चित करें। सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारी टीम भावना से कार्य करें। जिला कलेक्टर ने बीसलपुर बांध के अधिशासी अभियंता मनीष बंसल को निर्देश दिए कि बीसलपुर बांध पर आने वाले लोगों को बांध एवं पानी के आसपास नहीं जाने के लिए माइक से मुनादी कराकर जागरूक करें।

कलेक्टर ने देवली के उपखंड अधिकारी एवं पुलिस उपाधीक्षक को मोती सागर बांध पर विशेष एतिहात बरतने एवं लोगों को बांध के ऊपर नहीं जाने की समझाइश कराएं। साथ ही, ऊपर की ओर जाने वाली सीढ़ियों के रास्तों को बंद करें।उन्होंने ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों द्वारा किये जा रहे जर्जर, क्षतिग्रस्त, मरम्मत योग्य, नकारा एवं अनुपयोगी भवनों की जानकारी लेकर समीक्षा करते हुए महत्वपूर्ण दिशा निर्देश प्रदान किए। जिला कलेक्टर ने विद्यालयों, छात्रावासों, आंगनबाड़ी के अंतर्गत असुरक्षित भवन अथवा कक्ष में किसी भी स्थिति में कक्षा संचालन नहीं करने तथा वैकल्पिक व्यवस्था करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी उपखंड अधिकारी सुनिश्चित करें की उनके क्षेत्र में स्थित भवनों का सर्वे यथाशीघ्र पूरा कर लिया जाएं।

पुलिस अधीक्षक राजेश मीणा ने कहा कि जिले में औसत से अधिक वर्षा को देखते हुए ब्लॉक स्तरीय अधिकारी प्रो एक्टिव होकर कार्य करें। जल बहाव वाले सड़क मार्गों पर बैरिकेटिंग करते समय यह भी सुनिश्चित करें कि डायवर्जन किये गए मार्गों की सूचना लोगों को दी जाए। नदियों, झरनों एवं बांधों के पिकनिक स्पॉट पर विशेष निगरानी रखे। संवेदनशील स्थानों की स्वयं जाकर विजिट करें।

बैठक में एडीएम रामरतन सौकरिया, सीईओ परशुराम धानका, एडीएम बीसलपुर भूपेंद्र यादव, उपखंड अधिकारी हुक्मीचंद रोहलानिया, सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधीक्षण एचएल मीणा, आरएसआरडीसी के परियोजना निदेशक लोकेश गुप्ता, महिला एवं बाल विकास की उपनिदेशक सरोज मीणा, डीईओ राजेश शर्मा एवं भंवर लाल कुम्हार समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

पुलिया से गिरे युवक का शव बांध में मिला

टोंक, (नि.सं.)। मेहंदवास थाना क्षेत्र की छान पुलिया से सोमवार को गिरे युवक का शव मंगलवार दोपहर को घटना स्थल से करीब 50 किमी दूर ईसरदा बांध मिला है, एसडीआरएफ की टीम ने शव को तलाश कर पुलिस को सुपुर्द किया।

एसडीआरएफ टीम के राजेंद्र गुर्जर ने बताया कि गत दिनों से बीसलपुर बांध के 6 गेट खोलकर 60 हजार से 72 हजार क्यूसेक पानी प्रति सेकंड बनास नदी में छोड़ा जा रहा है, जिससे बनास नदी में पानी तेज गति से काफी ज्यादा बह रहा है। इसे देखने के लिए सोमवार को आये छान निवासी अनु नायक पुत्र भैरुलाल नायक उम्र (34) जो छान पुलिया देखते देखते उसका पैर फिसलने से वह नदी में गिर गया जो तेज बहाव में बहते दूर चला गया। जिसकी सूचना ग्रामीणों ने पुलिस को दी, बाद में एसडीआरएफ और सिविल डिफेंस की टीम मौके पर पहुंची और उसकी देर शाम तक तलाश की, लेकिन उसका कई पता नहीं लगा था। फिर मंगलवार को दुबारा तलाश करने पर वह ईसरदा डेम के गेट के पास भराव क्षेत्र म युवक का शव मिला।

मोतीसागर बांध पर गये युवक की मौत

टोंक, (नि.सं.)। घाड थाना क्षेत्र स्थित मोतीसागर बांध में सोमवार को दोस्तो के साथ पिकनिक मनाये गये एक युवक की झरने में गिरने से मौत हो गई। घटना के दौरान युवक नहाते समय पाल से पीछे की तरफ फिसलकर गिर गया, जिसे सिर पर गम्भीर चोट लगी, जिससे उसकी मौत हो गई।

घाड़ थाना प्रभारी हरिराम ने बताया कि राज टाकीज रोड, टोंक शहर निवासी मोहम्मद अजेर पुत्र मोहम्मद खालिद मसूद उम्र 18 साल साथियों के साथ सोमवार को मोती सागर पर पिकनिक मनाने आया था। शाम को वह बांध की पाल के ऊपर से पीछे की ओर बुर्ज नंबर 2 में गिर गया। इससे उसके सिर में गंभीर चोट आने से वह बेहोश हो गया, बाद में उसके साथी युवक को पानी से बाहर निकाल कर निजी अस्पताल ले गए, उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई।

सांभर में निर्देश के बाद भी नहीं हटी जर्जर हवेलियां

सांभर के वार्ड नंबर 22 में जर्जर हवेलियां किसी अनहोनी घटना को कारित कर सकती है।

सांभरझील, (निसं)। सांभर के वार्ड नंबर 22 में 3 साल से आज भी अनेक जर्जर हवेलियां ऐसी स्थिति में आकर खड़ी है जो कभी भी गिरकर किसी अनहोनी घटना को कारित कर सकती है। यह सब मामला 3 साल से संबंधित विभाग के संज्ञान में भी अनेक दफा लाया हुआ है और यहां की पार्षद ज्योति कुमावत व उनके पति टीकमचंद की ओर से कलेक्टर से लेकर एसडीएम तक को लिखित में इस बात की सूचना दी जा चुकी है, लेकिन लगता है कि मामले को हल्के में लिया जा रहा है।

जिला कलेक्टर की तरफ से अतिरिक्त जिला कलेक्टर मोहम्मद अबूबक्र ने पत्र क्रमांक 1343 दिनांक 26 जून 2023 उपखंड अधिकारी सांभर को पत्र जारी कर इस संबंध में दिशा निर्देश जारी किए थे।

इसके पश्चात उपखंड अधिकारी सांभर की तरफ से पत्र क्रमांक 1127 दिनांक 21 जुलाई 2023 को अधिशासी अधिकारी को पालना सुनिश्चित करने हेतु 5 दिन का टाइम दिया था। 2 साल का वक्त बीत गया। जर्जर हवेलियों और भयावह स्थिति में हो गई लेकिन गिराई नहीं गई। जिला कलेक्टर से लेकर स्थानीय लोकल बॉडी सब मामले को टालने में लगे हुए हैं। जिम्मेदार जनप्रतिनिधि अपना टाइम पास करने में लगे हुए हैं और आगामी नगर पालिका चुनाव में फिर से खड़े होकर जितने का ख्वाब देख रहे हैं लेकिन जनता के दुख दर्द को दूर करने के बजाय भ्रष्ट तंत्र का साथ देने में लगे हुए हैं, ना कोई विरोध हो रहा है और न ही कोई धरातल पर काम।

यहां के आम नागरिक को कहना है कि हमने हमारी जिंदगी में पहली बार ऐसा बोर्ड देखा है जो पूरी तरह से नकारा साबित हुआ है। सब एक दूसरे से मिले हुए हैं, जिनको आवाज उठानी चाहिए थी वह आवाज नहीं उठा रहे हैं। ा

विपक्ष के लोग तो पूरी तरह से चुप बैठे हैं ताकि जब उनका समय आए तो फिर उनका भी कोई विरोध ना करें। ऐसी राजनीति के चलते सांभर में विकास नहीं हो रहा है।

गंडरावा पंचायत क्षेत्र में चल रहे कार्य का निरीक्षण

दौसा जिला कलेक्टर देवेन्द्र कुमार ने गंडरावा में कार्य का निरीक्षण किय।

सिकराय, (निसं)। जिला कलेक्टर देवेन्द्र कुमार की पहल पर पंचायती राज विभाग नाकारा एवं सूख चुके बोरवेल का रिचार्ज शाफ्ट के माध्यम से जल पुनर्भरण कार्य करवा रहा है।

जिला कलेक्टर ने मंगलवार को सिकंदरा ब्लॉक की ग्राम पंचायत गंडरावा में चल रहे इस कार्य का निरीक्षण किया और अधिकारियों को कार्य के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। जिला कलेक्टर देवेन्द्र कुमार ने बताया कि प्रधानमंत्री ने कर्मभूमि से मातृभूमि एवं मुख्यमंत्री ने वन्दे गंगा-जल संरक्षण, जन अभियान के माध्यम से पानी के महत्व को रेखांकित करते हुए अपने क्षेत्रा को जल आत्मनिर्भर बनाने का आहवान किया था। उसी क्रम में पंचायती राज विभाग के माध्यम से दौसा जिले में पानी की समस्या को देखते हुए एक नई पहल की है। इसके तहत जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी) के 11 नाकारा बोरवेल का चिह्नीकरण कर रिचार्ज शाफ्ट के माध्यम से पुनर्भरण कार्य करवाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सिकंदरा ब्लॉक में 4, बसवा में 3, बांदीकुई में 2 तथा दौसा एवं महवा में एक-एक नाकारा और सूखे बोरवेल को चिह्नित कर पुनर्भरण कार्य करवाया जा रहा है।

जिला कलेक्टर के निरीक्षण के दौरान गण्ड़रावा सरपंच प्रतिनिधि महेश शर्मा व ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर देवेन्द्र कुमार का निरीक्षण के दौरान स्वागत सम्मान करते हुए माला व साफा पहनाकर स्वागत किया और ग्राम पंचायत की जनसमस्याओं से जिला कलेक्टर को अवगत कराया।

इस दौरान अधिशाषी अभियंता सीताराम मीना, सहायक अभियंता रमेश चंद मीना एवं कनिष्ठ अभियंता राजू वेदवाल उपस्थित रहे ।

अवैध शराब व बजरी खनन पर कार्रवाई, दो आरोपी गिरफ्तार

बौंली- बामनवास,(नि.सं.)। सवाई माधोपुर जिला पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार के निर्देशन में चलाए जा रहे हैं अवैध शराब व बजरी खनन, परिवहन के खिलाफ अभियान के तहत बाटोदा थाना प्रभारी यशपाल सिंह के नेतृत्व में गठित दो अलग-अलग टीमों ने कार्रवाई करते हुए अवैध देशी शराब के 55 पवों के साथ लोकेश मीणा उम्र 34 वर्ष निवासी रामसिंह पुरा थाना बामनवास को एवं अवैध बजरी से भरी पिकअप के साथ आरोपी अखेराम गुर्जर उम्र 40 वर्ष निवासी सीतौड थाना बामनवास को गिरफ्तार किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बाटोदा थाने के सहायक उप निरीक्षक राजेश सिंह व सहायक उप निरीक्षक किरोड़ी लाल, कांस्टेबल धर्मवीर सिंह, समय सिंह, रामेश्वर व सुरेश कुमार की गठित दो अलग-अलग टीमों ने कार्रवाई करते हुए मुखबिर की सूचना पर बामन बडौदा सुमेल रोड पर लोकेश मीणा को अवैध देशी शराब के 55 पवों के साथ गिरफ्तार कर मुकदमा नंबर 89 /2025 धारा 19/54 एक्साइज एक्ट में प्रकरण दर्ज किया है।

एक अन्य मामले में पुलिस टीम ने पिकअप सफेद रंग जिस पर ऊपर से तिरपाल लगी थी जिसे पुलिस गाड़ी ने आगे लगाकर रुकवा कर तिरपाल हटाकर चेक किया।

जांच के दौरान उसने अवैध बनास की बजरी परिवहन करते पाए जाने पर पिकअप जप्त कर आरोपी चालक अखेराम गुर्जर को गिरफ्तार कर मुकदमा नंबर 91/2025 धारा 303(2) बीएनएस व 4 /21 एमएमडीआर एक्ट में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

टोंक जिले में घाड थाना प्रभारी हरिराम वर्मा के नेतृत्व में गठित टीम ने बीएनएसएस व पोक्सो एक्ट में फरार आरोपी महेन्द्र कुमार मीणा पुत्र रतना मीणा उम्र 24 साल एवं धनराज मीणा पुत्र बिशन लाल मीणा उम्र 29 साल निवासी कंवरपुरा उर्फ धाकड्यावास को गिरफ्तार किया।

क्राइम बैठक आयोजित

डीडवाना । पुलिस अधीक्षक ऋचा तोमर की अध्यक्षता में मंगलवार को क्राइम बैठक का आयोजन हुआ। इस बैठक में जिले के सभी एएसपी, डीएसपी, सीआई तथा थानाधिकारियों ने भाग लिया। इस मौके पर जिले की कानून, सुरक्षा और शांति व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा हुई। वहीं एसपी ने अपराधों की रोकथाम के लिए पुलिस अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए। साथ ही थानों पर कार्यरत पुलिसकर्मियों को नियमित रूप से हथियारों का प्रशिक्षण देने एवं मॉक ड्रिल आयोजित करने के निर्देश दिए । बैठक में पुलिस अधीक्षक ऋचा तोमर ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपराध नियंत्रण हेतु सुनियोजित, तकनीकी एवं प्रभावी रणनीति अपनाई जाए। साथ ही अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए हिस्ट्रीशीटर और हार्डकोर अपराधियों की गतिविधियों पर सतत निगरानी रखी जाए।

मीरा महोत्सव आज

मेड़ता सिटी । मीरा नगरी मेड़ता सिटी में हर वर्ष की भांति आयोजित होने वाला सात दिवसीय मीरा जयंती महोत्सव आज से शुरू होने जा रहा है। मेड़ता विधायक लक्ष्मण राम कलरू,मीरा जयंती महोत्सव समिति और प्रशासन की ओर से तैयारियां देर रात संपन्न की गई है। मेड़ता विधायक लक्ष्मण राम कलरू ओर मीरा जयंती महोत्सव समिति अध्यक्ष जितेंद्र गहलोत के नेतृत्व तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया ।मंदिर को फ्लावर और आकर्षक रंग बिरंगी रोशनी से भव्य सजाया गया। मीरा जयंती महोत्सव को सफल बनाने के लिए प्रशासन ने भी पूरा इंतजाम किया गया ।पुलिस उप अधीक्षक रामकरण सिंह मलिंडा ने बताया कि मीरा जयंती महोत्सव को लेकर पुलिस प्रशासन द्वारा पर्याप्त व्यवस्था कर ली गई है मुख्य स्थानों पर बैरीकेट लगाए गए है शहर के प्रमुख स्थानों पर ट्रैफिक पुलिस जाप्ता तैनात रहेगा। वही महोत्सव के दौरान मंदिर चारभुजा चौक व महोत्सव के दौरान आयोजित होने वाले कार्यक्रम स्थल पर पर्याप्त पुलिस जाप्ता मौजूद रहेगा। पुलिस की ओर से सुरक्षा के बंदोबस्त किया जा चुका है। साथ ही डिप्टी मिलिंडा ने आम जन से व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन का सहयोग करने की अपील की ता कि किसी को असुविधा न हो। पालिका ओर से मीरा जयंती महोत्सव को लेकर पर्याप्त व्यवस्था की गई ईओ श्रवण राम चौधरी व एईएन विकास कुमार ने चारभुजा चौक समारोह स्थल सहित शहर के प्रमुख मार्गो का मौका मुआयना किया है। मीरा जयंती महोत्सव को लेकर पालिका ओर चल रहे विकास कार्य कार्यों को जायजा लिया।

बैंक अधिकारियों ने योजनाओं की जानकारी दी

मानपुरा माचेडी, (नि.सं.)। रुंडल में मंगलवार को भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा निर्देशानुसार नाबार्ड एवं जिला प्रबंधक एसबीआई के सहयोग व आरोह फाउंडेशन एंव राजस्थान ग्रामीण बैंक रुण्डल के संयुक्त तत्वावधान मे जन सुरक्षा वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान के तहत ग्राम पंचायत रुण्डल के पंचायत कार्यालय पर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन हुआ ।

भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देश पर आयोजित हुए इस कार्यक्रम में राजस्थान ग्रामीण बैंक के प्रबंधक प्रदीप जोनवाल व आरोह फाउंडेशन से सहायक वित्तीय परामर्शदाता महेंद्र चौधरी ने उपस्थित ग्रामीणो को भारत सरकार की महत्वाकांक्षी जन सुरक्षा योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री जन धन योजना (जीरो बैलेंस खाता) , प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना ,अटल पेंशन योजना एवं री -केवाईसी के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर शिविर में ही तुरंत प्रभाव से कई लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ दिया गया।

इस अवसर पर सरपंच प्रतिनिधि पूरणमल यादव एलडीसी संजय स्वामी तथा अन्य पंचायत पदाधिकारीयो सहित बैंक बीसी मुक्ति लाल यादव उपस्थित रहे।

उनियारा में पौधे लगाए

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उनियारा पर प्रभारी अधिकारी डॉ। रविन्द्र खींची के नेतृत्व में पौधारोपण किया।

टोंक, (नि.सं.)। राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे हरियालो राजस्थान के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उनियारा पर प्रभारी अधिकारी डॉ. रविन्द्र खींची के नेतृत्व में पौधारोपण किया गया। सीएचसी प्रभारी डॉ. खींची ने बताया कि दुनिया में बढ़ ते वायु प्रदूषण को रोकने के लिए पौधारोपण अधिक से अधिक करना चाहिए। पेड़ हमे स्वच्छ ऑक्सीजन उपलब्ध करवाते है। अनगिनत लाभ हमे ओर प्रकृति को पौधों से होता है, राज्य सरकार के द्वारा चलाए जा रहे अभियान को हमे बेहतर बनाने के लिए व्यक्तिगत तौर पर प्रयास करने चाहिए।

इस अवसर पर डॉ लेखराज मीणा, डॉ ललित आलोरिया, डॉ ओपी मीणा एवं नर्सिग स्टॉफ सुरेन्द्र बागड़ी, पृथ्वीराज मीणा, नीतू सोनी, शिमला मीणा, कमलेश कंवर व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

पुलिस अधिकारियों ने पौधारोपण किया

ग्राम मोहनपुरा-जोधपुरा स्थित 18 बीघा पुलिस की जमीन पर एस.पी. देवेन्द्र कुमार बिश्नोई के नेतृत्व में पुलिस अधिकारियों ने पौधारोपण।

कोटपूतली, (नि.सं.)। राज्य सरकार द्वारा चलाये जा रहे वृक्षारोपण महाअभियान हरियालो राजस्थान एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्राम मोहनपुरा-जोधपुरा स्थित 18 बीघा पुलिस की जमीन पर मंगलवार को एसपी देवेन्द्र कुमार बिश्नोई के नेतृत्व में जिले के पुलिस अधिकारियों द्वारा पौधारोपण किया गया।

इस मौके पर विभिन्न किस्म के 1301 पौधों लगाये गये। एसपी बिष्नोई ने जानकारी देते हुये बताया कि जिला पुलिस द्वारा 10 हजार पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा गया है। जिसके तहत जिले के समस्त एएसपी, डीएसपी व थानाधिकारियों को अपने-अपने कार्यालयध्थानों में इस महाअभियान के अन्तर्गत पेड़ लगाने के लिये निर्देशित किया गया है। इस दौरान एएसपी कोटपूतली वैभव शर्मा, एएसपी नीमराणा शालिनी राज, डीएसपी कोटपूतली राजेन्द्र कुमार बुरड़क, डीएसपी विराटनगर शिप्रा राजावत, डीएसपी बहरोड़ कृतिका यादव, डीएसपी नीमराणा सचिन शर्मा तथा जिले के समस्त थानाधिकारी, अपराध सहायक, पुलिस गार्ड व दानदाता दादूपंथी रूड़ीकाला मंदिर महन्त प्रहलाद दास आदि मौजूद रहे।

आतंकवाद खत्म होना चाहिए, लेकिन खेल जारी रहना चाहिए। मैं इसके कार्यक्रम से सहमत हूं। खेल जारी रहना चाहिए।
– सौरव गांगुली

पूर्व भारतीय कप्तान, भारत-पाक के बीच एशिया कप मैच को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

स्मृति मंधाना

आईसीसी ने ताजा महिला रैंकिंग जारी कर दी है। इस मैच अपडेट में इंग्लैंड और भारत के बीच खेली गई वनडे सीरीज को भी शामिल किया गया है। वहीं भारत की स्टार खिलाड़ी स्मृति मंधाना को बड़ा झटका लगा है। मंधाना कुछ समय से महिला वनडे रैंकिंग में नंबर 1 बल्लेबाज बनी हुई थीं लेकिन अब उन्हें एक स्थान का नुकसान हुआ है और वह दूसरी पोजीशन पर आ गई हैं। उनकी रेटिंग 728 है। मंधाना की जगह अब टॉप पर इंग्लैंड की कप्तान नैट सीवर-ब्रंट काबिज हैं। इसके साथ ही भारतीय कप्तान हमनप्रीत कौर को भी फायदा हुआ है।

क्या आप जानते हैं ?... ओवल मैदान पर आखिरी बार भारत ने 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट खेला था, जिसमें उसे 157 रनों से जीत मिली थी।

विशाल निर्वाण वर्ल्ड बॉक्सिंग द्वारा एशियन चैम्पियनशिप में तकनीकी अधिकारी नियुक्त

जयपुर, 29 जुलाई। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ़ इंडिया के उपाध्यक्ष व राजस्थान बॉक्सिंग एसोसिएशन के सचिव डॉ नरेंद्र कुमार निर्वाण ने बताया कि 30 जुलाई से 12 अगस्त तक थाईलैंड के बैंकॉक में आयोजित होने वाली अंडर-19 और अंदर-22 एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2025 में बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अंतरराष्ट्रीय रेफरी और जज श्री विशाल कुमार निर्वाण को विश्व मुक्केबाजी संघ की ओर से एशियन बॉक्सिंग कनफेडरेशन में तकनीकी अधिकारी नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर राजस्थान बॉक्सिंग संगठन के अध्यक्ष धीरेंद्र सिंह ने हर्ष व्यक्त करते हुए राजस्थान बॉक्सिंग की ओर से शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए इसे राजस्थान को गौरवान्वित करने वाली खबर बताया। विशाल निर्वाण को हाल ही में रोहतक में आयोजित 6वीं अंडर 17 बालक/ बालिका राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप में बेस्ट रेफरी और जज के सम्मान से पुरस्कृत किया गया था।

मुकुल चौधरी की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी से जीती सोनी क्रिकेट अकादमी

जयपुर, 29 जुलाई। सोनी स्टेडियम पर चल रहे सोनी कप में अनंत्तम क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 142/6 रन बनाए। जिसमें डीपी ने 42 रन व तनिष जैन ने नाबाद 40 रनों का योगदान दिया। सोनी क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में निलेश को दो विकेट मिले। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सोनी क्रिकेट अकादमी 12.1 ओवर में 143/3 रन बनाकर जीत दर्ज की। जिसमें मुकुल चौधरी ने नाबाद 73 रन व सचिन यादव ने 26 रन बनाए। अनंतम क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में ऋतुराज सिंह व राजीव और आर्यन यादव को एक-एक विकेट मिला। मैन ऑफ द मैच -मुकुल चौधरी

नारायणा क्रिकेट अकादमी को हराकर अरावली क्रिकेट अकादमी पहुंची फाइनल में

जयपुर, 29 जुलाई। अंडर-16 अरावली कप के सेमीफाइनल मुकाबले में अरावली क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 177 रन 9 विकेट के नुकसान पर बनाएं। मोहम्मद कैफ ने 52 और रोनित सैनी ने 46 रनों का योगदान दिया। नारायणाक्रिकेट अकादमी की ओर से गौरव सैनी और नवीन ने तीन-तीन विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी नारायणाक्रिकेट अकादमी 39.2 ओवर में 170 रन 10 विकेट के नुकसान पर बनाकर ऑल आउट हो गई। रवि कश्यप ने सर्वाधिक 40 रनों का योगदान दिया। अरावली क्रिकेट अकादमी की ओर से संजय गुर्जर, अक्षित, चेतन गोरा और मोहम्मद कैफ ने 2-2 विकेट लिया ! मैन ऑफ द मैच मोहम्मद कैफ को चुना गया।

एशिया कप 2025 से भी बाहर हो सकते है ऋषभ पंत

लंदन, 29 जुलाई। भारतीय टीम को इंग्लैंड के मौजूदा दौरे पर कई झटके लगे हैं। इनमें से बड़ा झटका ऋषभ पंत के चोटिल होने पर लगा है। पंत के पैर के अंगूठे में फ्रैक्चर हो गया। हालांकि, वह पहली पारी में मजबूरन लंगड़ाते हुए खेलते दिए। लेकिन उनको बाद में बैसाखी के सहारे देखा गया। बीसीसीआई ने भी इस बात की पुष्टि कर दी कि वह आखिरी टेस्ट से बाहर हो गए हैं। वहीं उनकी बीसीसीआई की मेडिकल टीम की देखरेख में रखा जा रहा है। वहीं अब खबर है कि, डॉक्टरों ने पंत को 6 हफ्ते का आराम दिया है। मैनचेस्टर टेस्ट के पहले दिन चोटिल होने के बाद से अगर देखें तो उनके 6 हफ्ते का समय एशिया कप शुरू होने के दौरान ही खत्म होगा। 9 सितंबर से एशिया कप की शुरुआत होगी जबकि अगस्त के अंत तक हर हाल में भारत को अपना एशिया कप 2025 का स्क्वॉड घोषित करना है। ऐसे में पूरी उम्मीद है कि ऋषभ पंत अब इस टूर्नामेंट से भी बाहर रह सकते हैं। भारतीय टीम 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगी। बता दें कि, ऋषभ पंत की गैरमौजूदगी में आरसीबी के विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा की किस्मत चमक सकती है। हालांकि, संजू सैमसन के रूप में एक ओपनर और विकेटकीपर का विकल्प पहले से ही टीम के पास है। लेकिन दूसरे विकेटकीपर के रूप में जितेश शर्मा को टीम सेलेक्टर्स और मैनेजमेंट पंत की जगह चुन सकते हैं।

वाशिंगटन के पिता ने कोच गंभीर और अगरकर पर बोला हमला

नई दिल्ली, 29 जुलाई। भारतीय ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर के पिता एम सुंदर ने भारतीय क्रिकेट टीम के कोच गौतम गंभीर और चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर पर जमकर हमला बोला है। इस दौरान सुंदर के पिता ने बेटे को लगातार मौके ना मिलने पर निराशा जताई है। वशि के पिता का ये रिएक्शन ओल्ड ट्रैफर्ड में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट में वाशिंगटन सुंदर के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद आया है। जहां सुंदर ने अपना पहला टेस्ट शतक ठोका और इंग्लैंड के खिलाफ मैच को ड्रॉ कराने में अहम भूमिका निभाई।वाशी के पिता ने कहा कि वाशिंगटन सुंदर लगातार बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, लेकिन लोग उसके प्रदर्शन को नजर अंदाज कर देते हैं और भूल जाते हैं। दूसरे खिलाड़ियों को नियमित तौर पर चांस मिलते हैं सिर्फ मेरे बेटे को ही नहीं मिला।

पांचवें टेस्ट से पहले गंभीर और ग्राउंड्समैन के बीच हुई तीखी नोकझोंक

लंदन, 29 जुलाई। भारत की ओवल टेस्ट की तैयारी कुछ तल्ख शुरुआत के साथ हुई, जब हेड कोच गौतम गंभीर की सरे काउंटी के मुख्य ग्राउंड्समैन ली फार्टिस से तीखी बहस हो गई। दूर से देखने पर गंभीर फार्टिस की ओर उंगली उठाकर कुछ कहते नज़र आए। हालांकि फार्टिस ने मीडिया से बातचीत में कुछ भी साफ़ नहीं कहा, लेकिन ईएसपीएनक्रिकइंफो को जानकारी मिली है कि वह भारतीय टीम द्वारा मुख्य पिच के ज्यादातर हिस्से पर अभ्यास करने से नाराज थे। दुनिया भर में ग्राउंड्समैन मुख्य पिच को लेकर बेहद सतर्क रहते हैं, ताकि मैच के लिए सतह सही स्थिति में बनी रहे।

भारत मैनचेस्टर में चौथा टेस्ट ड्रॉ करने के बाद लंदन पहुंचा और मंगलवार को टीम का वैकल्पिक अभ्यास सत्र रखा गया। आमतौर पर सपोर्ट स्टाफ खिलाड़ी आने से पहले पहुंच जाता है, और इस बार भी कोचिंग स्टाफ के साथ गंभीर भी जल्द आए। माना जा रहा है कि कई खिलाड़ी और कोच जब पिच के काफी करीब पहुंच गए, तो फार्टिस को यह ठीक नहीं लगा। फार्टिस की सबसे बड़ी चिंता यह थी कि ओवल में अभी गर्मियों में और भी कई मैच होने हैं, जो सितंबर की शुरुआत तक चलेंगे, और पिच को सुरक्षित

रखना जरूरी है। जब उन्होंने यह बात भारतीय दल से कही, तो सपोर्ट स्टाफ ने बताया कि तीन अभ्यास पिचों के आसपास से दूर रहना मुश्किल है क्योंकि अभ्यास के लिए वही इलाका तय किया गया है। इसके बाद गंभीर ने खुद फार्टिस से बात करने का फैसला किया।

कोई विरासत नहीं, बस एक क्रिकेट पिच है

भारत के असिस्टेंट कोच सितांशु कोटक ने बताया कि जब उन्हें पिच से एक तय दूरी पर रुकने को कहा गया, तो उन्हें थोड़ा अटपटा लगा, जबकि वे स्पाइक्स में नहीं थे। उन्होंने कहा, जब कुछ कोच पिच देखने गए, तो एक ग्राउंडस्टाफ़ ने कहा कि 2.5 मीटर दूर रहिए। इससे थोड़ा अजीब लगा। क्योंकि ये वही पिच है, जहां परसों से टेस्ट मैच है, जो पांच दिन चलेगा, और हम जॉगर्स पहनकर खड़े थे तो थोड़ा अजीब जरूर लगा।

कोटक ने यह भी इशारा किया कि विवाद शायद बातचीत के लहजे की वजह से हुआ

जब आप बहुत बुद्धिमान और स्किल्ड लोगों के साथ काम कर रहे होते हैं, और अगर बात करने का तरीका थोड़ा अहंकारी लगे या ऐसा लगे कि... आप सुरक्षा को लेकर सजग रह सकते हैं, लेकिन आखिरकार ये एक क्रिकेट पिच ही है। कोई एंटीक चीज नहीं है जिसे छू भी न सकें कि 200 साल पुरानी है और टूट जाएगी।

हम उस स्क्वायर पर रबर स्पाइक्स पहनकर खड़े थे। आप ही बताइए परसों बल्लेबाज रनआउट से बचने के लिए स्लाइड करेगा, गेंदबाज़ गेंद रोकने के लिए डाइव मारेगा। तो क्या हम घास उगाने आए हैं? मुझे नहीं पता। उन्होंने कहा कि हम अगली पिच पर घास बढ़ाना चाह रहे हैं, लेकिन मुझे नहीं पता एक दिन में कितनी घास उग सकती है और अगले पांच दिन में क्या होगा। (हम समझते हैं) आप मैदान को अच्छा रखना चाहते हैं, स्क्वायर को भी, लेकिन आखिर में ये एक क्रिकेट पिच ही है। इंग्लैंड को एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफ़ी में 2-1 की बढ़त हासिल है। अंतिम टेस्ट 31 जुलाई से ओवल में खेला जाएगा।

गंभीर और फार्टिस के बीच हुई बहस पर कोटक ने कोई टिप्पणी नहीं की

उन्होंने कहा, (हम) सिर्फ विकेट देख रहे थे, हमारे पास रबर स्पाइक्स थे, और टेस्ट मैच परसों है। इसमें कुछ गलत नहीं है। क्यूरेटर को भी समझना चाहिए कि जिनसे वो बात कर रहे हैं वो बहुत स्किल्ड और समझदार लोग हैं। मसलन, जहां हम प्रैक्टिस कर रहे थे, वहां जाओगे तो कोई निशान भी नहीं मिलेगा कि किसी गेंदबाज ने स्पाइक्स से आउटफील्ड पर स्क्रैच डाला हो। ये सब हेड कोच से ही आता है। हमारी कोशिश यही रहती है कि मैदान को कोई नुक़सान न हो।

ओवल में आकाशदीप और कुलदीप की हो सकती है टीम इंडिया में वापसी, बुमराह पर भी आएगा फैसला

लंदन, 29 जुलाई। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के लिए खेली जा रही पांच मैचों की सीरीज का पांचवां और आखिरी टेस्ट मैच 31 जुलाई से भारत और इंग्लैंड के बीच लंदन के ओवल में खेला जाएगा। फिलहाल अभी तक सीरीज में इंग्लैंड टीम 2-1 से आगे है, वहीं इससे पहले चौथा टेस्ट मैच दोनों टीमों के बीच ड्रॉ खेला गया। वहीं भारत इस सीरीज को 2-2 करने के लिए ओवल में इंग्लैंड को हराना चाहेगी। इस मैच के लिए टीम इंडिया की प्लेइंग 11 को लेकर काफी चर्चा है। जहां विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत चोटिल होने के कारण आखिरी मैच से बाहर हो चुके हैं। वहीं जसप्रीत बुमराह खेलेंगे या नहीं इस पर भी अभी जानकारी सामने आई है।

कुलदीप यादव की होगी वापसी!

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में अभी तक कुलदीप यादव को एक भी मैच में मौका नहीं मिला है। रिपोर्ट्स के अनुसार कुलदीप यादव को ओवल टेस्ट में मौका मिल सकता है। ड्राई सरफेस पर उनकी स्पिन गेंदबाजी कारगर साबित हो सकती है। तेज गेंदबाज आकाशदीप चौथे टेस्ट में चोट के कारण नहीं खेल पाए थे और उनकी अंशुल कंबोज को डेब्यू का मौका मिला था। कंबोज डेब्यू मैच में कमाल नहीं दिखा पाए और अब फिटनेस हासिल कर चुके आकाश को उनकी जगह मौका मिलने की उम्मीद है। रिपोर्ट के मुताबिक आकाशदीप का दूसरे पेसर के रूप में खेलना तय है और वह सिराज का साथ देते दिख सकते हैं। हालांकि, इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में जसप्रीत बुमराह सिर्फ तीन मैच ही खेलने वाले थे, जो उन्होंने खेल लिए हैं। अब देखना होगा कि ओवल में बुमराह उपलब्ध रहते हैं या नहीं। बुमराह को लेकर अगले 24 घंटे में स्थिति साफ हो सकती है। वहीं अगर बुमराह ओवल टेस्ट नहीं खेलते हैं तो फिर अर्शदीप सिंह को डेब्यू का मौका मिल सकता है।

चंद्रकांत पंडित ने केकेआर के मुख्य कोच पद से दिया इस्तीफा

कोलकाता, 29 जुलाई। चंद्रकांत पंडित ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से नाता तोड़ने का फैसला किया है और अब वह फ्रेंचाइजी के मुख्य कोच के रूप में काम नहीं करेंगे, टीम ने आज इसकी पुष्टि की। पंडित, जिन्होंने 2023 सीजन से पहले कोचिंग की बागडोर संभाली थी, ने केकेआर को टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2024 संस्करण में ऐतिहासिक खिताब दिलाया, जो उनकी तीसरी और एक दशक में पहली चैंपियनशिप थी। फ्रेंचाइजी ने एक बयान में कहा, हम उनके अमूल्य योगदान के लिए आभारी हैं, जिसमें 2024 में केकेआर को टाटा आईपीएल चैंपियनशिप तक ले जाना और एक मजबूत, लचीली टीम बनाने में मदद करना शामिल है। अपने बेबाक रवैये और घरेलू प्रतिभाओं से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाने की क्षमता के लिए व्यापक रूप से सम्मानित, पंडित के नेतृत्व और अनुशासन को टीम की मानसिकता और मैदान पर प्रदर्शन को नया रूप देने का श्रेय दिया जाता है।

काफा नेशंस कप में हिस्सा लेगी भारतीय फुटबॉल टीम

ताजिकिस्तान-उज्बेकिस्तान में होगा टूर्नामेंट

नई दिल्ली, 29 जुलाई। ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान में 28 अगस्त से आठ सितंबर के बीच काफा नेशंस कप का आयोजन होगा। वहीं इस टूर्नामेंट मेंभारतीय फुटबॉल टीमभी हिस्सा लेगी।बता दें कि, मलेशिया के विकल्प के तौर पर मध्य एशियाई फुटबॉल संघ ने भारत को खेलने का न्योता दिया है। आठ टीमो के टूर्नामेंट में मलेशिया ने खिलाड़ियो की उपलब्धता और लॉजिस्टिक्स का हवाला देकर 15 जुलाई को नाम वापिस ले लिया था। ये टूर्नामेंट फीफा की अंतर्राष्ट्रीय विंडो में नहीं पड़ता जो एक से 9 सितंबर के बीच है। ओमान को भी इसमें भाग लेने के लिए न्योता मिला है। टूर्नामेंट का पहला सत्र 2023 में हुआ था जिसमें ईरान विजयी रहा था। समझा जाता है कि एआईएफएफ ने न्योता स्वीकार कर लिया है।

भारत और पाक मैच को लेकर शुभमन द्विवेदी की पत्नी ने बीसीसीआई पर उठाए सवाल

भावनाओं के साथ खिलवाड़ हो रहा है : ऐशन्या द्विवेदी

नई दिल्ली, 29 जुलाई। सितंबर में एशिया कप 2025 का आयोजन होगा। जिसके अंतर्गत भारत और पाकिस्तान की टीमें एक-दूसरे से टकराएंगी। वहीं इस मैच के लिए बीसीसीआई भी सहमत हो गया है लेकिन पहलगाम हमले में मारे गए लोगों के परिवार बोर्ड के इस फैसले से नाखुश हैं।वहीं इसी कड़ी में पहलगाम हमले में आंतकवादियों का शिकार बने कानपुर के शुभम द्विवेदी की पत्नी ऐशन्या द्विवेदी ने भारत-पाक मैच की मंजूरी देने पर बीसीसीआई को लताड़ लगाई है।

दरअसल, एसीसी ने एशिया कप 2025 का शेड्यूल जारी कर दिया है। जिसका आगाज 5 सितंबर से होना है। वहीं इस दौरान 14 सितंबर को भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच को लेकर बीसीसीआई की मंजूरी के फैसले ने पहलगाम हमले में मारे गए लोगों के परिजनों को निराश कर दिया है।

कानपुर के शुभम द्विवेदी की पत्नी ऐशन्या ने एक इंटरव्यू में कहा कि, मैं भी ये जो भारत-पाकिस्तान का मैच है इसका बॉयकॉट करूंगी। बीसीसीआई इसको होस्ट कर रहा है, ये बहुत ज्यादा... एक विक्टिम हैं जो हम झेल रहे हैं। 3 महीने में आप भूल गए। लोग भूल जाते हैं पर मुझे नहीं पता था कि लोग इतनी जल्दी ये देश, ये नेशन, बीसीसीआई या कोई भी हमें इतनी जल्दी भूल जाएगा। 3 महीने हुए हैं और आप कैसे सहमति कर रहे हो कि भारत-पाक का मैच करवाना है एशिया कप में। ये गलत है, ये आप हमारे इमोशन के साथ गलत कर रहे हो।

गौरतलब है कि, पहलगाम हमला 22 अप्रैल 2025 को हुआ था। जहां जम्मू-कश्मीर के पहलगाम के बाइसरन घाटी में 5 आंतकियों ने 26 पर्यटकों पर हमला किया था। इनमें ज्यादातर हिंदू थे, जबकि एक ईसाई पर्यटक और एक स्थानीय मुस्लिम शख्स भी मारा गया था।

सात्विक-चिराग बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में शीर्ष 10 में फिर से शामिल

नई दिल्ली, 29 जुलाई। भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) की नवीनतम रैंकिंग में शीर्ष 10 में जोरदार वापसी की है, जिससे इस सीजन की शुरुआत में थोड़ी गिरावट के बाद शीर्ष 10 में उनकी जगह पक्की हो गई है।

एशियाई सर्किट में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच, जहां कोरियाई और मलेशियाई जोड़ियां लगातार अपना दबदबा बनाए हुए हैं, ऊपरी वर्ग में उनकी वापसी हुई है। कोरिया के किम वोन हो और सियो सेउंग जे ने 85,000 अंकों और 79

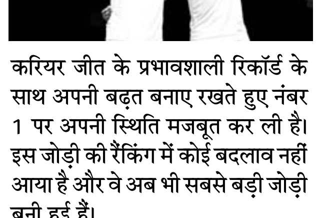

करियर जीत के प्रभावशाली रिकॉर्ड के साथ अपनी बढ़त बनाए रखते हुए नंबर 1 पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। इस जोड़ी की रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं आया है और वे अब भी सबसे बड़ी जोड़ी बनी हुई हैं।

मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूई यिक 68,750 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं, और उन्होंने हमवतन मान वेई चोंग और टी काई वुन को पीछे छोड़ दिया है, जो अब 65,630 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

थाईलैंड के किट्टिनुपोंग केड्रेन और डेचापोल पुआवारानुक्रोह 57,040 अंकों के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि ताइवान के ली फैंग-चिह और ली फैंग-जेन 55,000 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर हैं। नए जोश और शीर्ष-स्तरीय टूर्नामेंटों के साथ, सात्विक और चिराग अपनी रैंकिंग में उछाल को बरकरार रखते हुए और आगे बढ़ने का लक्ष्य रखेंगे।

लैथम की अनुपस्थिति में सैंटनर न्यूजीलैंड की कमान संभालेंगे

बुलावायो, 29 जुलाई। मिशेल सैंटनर कल से बुलावायो में जिम्बाब्वे के खिलाफ शुरू हो रहे पहले टेस्ट मैच में नियमित कप्तान टॉम लैथम की जगह लेंगे, जो कंधे की चोट के कारण बाहर हैं। ब्लैककैप्स के सीमित ओवरों के कप्तान सैंटनर, हरारे में हाल ही में हुई टी20 ट्राई-सीरीज़ में शानदार प्रदर्शन के बाद, लाल गेंद से कप्तानी की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं, जहां उन्होंने न्यूजीलैंड को अजेय खिताब दिलाया था। इस ऑलराउंडर के पास 30 टेस्ट मैचों का अनुभव है, जिसमें उन्होंने 1066 रन बनाये और 74 विकेट लिए हैं। न्यूजीलैंड टीम प्रबंधन ने पुष्टि की है कि लैथम, जिन्हें इंग्लैंड में एक घरेलू टी20 मैच के दौरान क्षेत्ररक्षण करते समय चोट लगी थी।

राजस्थान रैंकिंग में यश सोनी जोधपुर व कार्तिक जैन जयपुर ने किया बड़ा उलटफेर

जयपुर, 29 जुलाई। राजस्थान रैंकिंग बैडमिंटन में आज धमाकों का दौर रहा अंडर-19 बॉयज सिंगल्स में जोधपुर के यश सोनी ने बड़ा उलट फेर करते हुएभीलवाड़ा केबॉयज अंडर-19 सिंगल्सके प्रथम वरीयता प्राप्त हर्ष टेलर को सीधे व आसन गेम में 21 -15 ,21- 15 से हरा कर धमाका किया व बॉयज सिंगल से बाहर किया वहींपुरुष एकल प्री क्वार्टर फाइनल में जयपुर के कार्तिक जैन ने दूसरी वरीयता प्राप्त बीकानेर के जागृत बीनानी को संघर्ष भरे तीन गेमों में18-21, 21-13, 21-9 से हराया प्रतियोगिता का दूसरा बड़ा उलट फेर किया। बॉयज डबल्स अंडर-19 क्वार्टर फाइनल में चूरू की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी दक्ष भाटी, तक्ष भाटी को बीकानेर के भुवनेश ओझा और वेदांत जोशी ने लगभग 55 मिनट चले तीन गेमों में 22- 24 ,21 -12 ,21- 19 से हरा डबल से बाहर किया वहीं कई वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अपने वरीयता के अनुरूप प्रदर्शन कर अगले राउंड में पहुंचे। पुरुषों में प्रथम वरीयता के मनीष फौगाट ने क्वार्टर फाइनल में भरतपुर के पांचवीं वरीयता प्राप्त भुवन सिंह को 21- 12 ,21- 12 से हराया।

एक अन्य क्वार्टर फाइनल में जयपुर के कार्तिक जैन ने दक्ष भाटी को 21-17, 21-15 से हराया वहीं एक अन्य क्वार्टर फाइनल में हर्ष चपलोत पांचवी वरीयता प्राप्त ने बीकानेर के तीसरी वायता प्राप्त वंश शर्मा को 21 -13 ,21- 15 से हराया।

अंडर 19 बॉयज सिंगल्स में जयपुर के दूसरी वरीयता प्राप्त गुरतेज सिंह वशीर ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए जयपुर के ही भानु प्रताप जाटोलिया को तीन लंबे हुए संघर्ष भरे गेम में 21- 14, 22- 24 ,21 -12 सेपरास्त किया।

गर्ल्स डबल्स अंदर 19 के सेमीफाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त अदिति शर्मा- साक्षी सिंह कोटा व उदयपुर की जोड़ी ने चूरू व राजसमंद की जोड़ी खुशी पूनिया व वनिता चौधरी को 21 -14, 21- 12से हरा फाइनल में प्रवेश किया है।

मेंस डबल्स क्वॉर्टर फाइनल में प्रथम वरीयता की जोड़ी आर्यन त्यागी, मुरली शर्मा ने दीपांशु व सचिन झांझरिया को 21- 13 ,21 -10 से हराया वही पांचवीं वरीयता प्राप्त आर्क जैन, लक्ष्य चावत ने क्वार्टर फाइनल में को 21 -19 21 -17 से हराया।

महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में सुहासी वर्मा जयपुर ने नेहाल सिसोदिया को अन्वी राठौर जयपुर ने पूनम स्वामी को तनीषा सिंह राजसमंद ने अनीता तामरा उदयपुर को तथा पारूल चौधरी चूरू ने चित्तौड़ की काव्य स्वामी को हरा सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर
खुली बोली निविदा 02/2025-26
कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के प्रशासनिक कार्यालय में सम्पूर्ण कार्यालय भवन, समस्त शौचालय एवं परिसर इत्यादि में सफाई कार्य हेतु दर संविदा के लिए ई बोली आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधी विस्तृत विवरण एवं जानकारी www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.aujodhpur.ac.in पर उपलब्ध है।
UBN NO: JAU2526SLRC00065, Eproc ID: 2025_AGUJD_490730_1
राज.संवाद/सी/25/7124 नियंत्रक (वित्त)

राजस्थान आवासन मण्डल
क्रमांक :– 274 दिनांक :– 28.07.2025
निविदा सूचना संख्या 06/2025–26
इस कार्यालय द्वारा 1. श्योपुर चौराहा से अजय मार्ग, प्रताप नगर, आरएचबी, जयपुर स्थित पीएचईडी कार्यालय तक स्ट्रीट लाईट और हाई मास्ट लाईट का कार्य। 2. डीएचसी–तृतीय, कार्यालय परिसर, आरएचबी, जयपुर में सौर प्रणाली एसआईटीसी का कार्य। 3. इन्दिरा गांधी नगर सेक्टर 1, 6, 14 के शेष क्षेत्र एवं सेक्टर 9 से 10 के बीच, आरएचबी, जयपुर में स्ट्रीट लाईट एवं हाईमास्ट लाईट का कार्य। उक्त समस्त कार्यों की निविदा इच्छुक बोलीदाताओं से दिनांक 30.07.2025 से 11.08.2025 सायं 06:00 बजे तक ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसका विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in & http://rhb.rajasthan.gov.in विभाग की वेबसाईट पर उपलब्ध हैं।
यू.बी.एन. नं. :– RHB2526WSOB00145 से RHB2526WSOB00147
राज.संवाद/सी/25/7171 आवासीय अभियन्ता, खण्ड–विद्युत, जयपुर

कार्यालय नगरपरिषद राजसमन्द
जिला परिषद रोड, राजनगर राजसमन्द पिन 313324
Email :- rajsamandnagarpalika@gmail.com Telephone No. 02952-220034
क्रमांकः एफ (9)नपरा/विकास /NIT/9/2025/3662 दिनांक : 28.07.2025
निविदा सूचना संख्या 9/2025–26
नगरपरिषद राजसमन्द द्वारा 7 कार्य की अनुमानित लागत 29.90 लाख रूपये हेतु संबंधित संवेदक/संस्था/संगठन से दिनांक 05.08.2025 को 3.00 बजे तक मुहरबन्द लिफाफे में निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 05.08.2025 दोपहर 1.00 बजे तक विक्रय की जावेगी। प्राप्त निविदाऐं आमंत्रित तिथि को सायं 4.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जावेगी। सशर्त दरें मान्य नही होगी। निविदा सम्बन्धित विस्तृत जानकारी वेबसाईट www.sppp.raj.nic.in पर देखी व डाउनलोड की जा सकती है।
UBN No. DLB2526WSOB12927, WSOB12928, WSOB12929, WSOB12930, WSOB12931, WSOB12933, WSOB12934
सभापति नगरपरिषद राजसमन्द आयुक्त नगरपरिषद राजसमन्द
राज.संवाद/सी/25/7146

कार्यालय भू-सम्पत्ति अधिकारी
स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर
निविदा सूचना संख्या 05 (2025-2026)

मुख्यालय का नाम	कार्यालय भू–सम्पत्ति अधिकारी, स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर
निविदा का कार्य	निर्माण कार्य
निविदाओं की कुल लागत	रु. 47.14 लाख
निविदा बेचने की अंतिम तारीख	07.08.2025 को सायं 1:00 बजे तक
डी.डी. और Online जमा कराने की तिथि	08.08.2025 को दोपहर 1.00 बजे तक
निविदा खोलने की तारीख	08.08.2025 को दोपहर 2.30 बजे।

आर.पी.डब्ल्यू.ए. 100 एवं Rajasthan Transparency in Public Procurement act 2012 की शर्ते लागू होंगी।
नोट :– निविदा से सम्बन्धित पूर्ण विवरण वेबसाईट www.raubikaner.org, www.sppp.rajasthan.gov.in, www.dipr.rajasthan.gov.in/tenders.asp देखा जा सकता है। UBN : SKA2526WSOB00050 To SKA2526WSOB00067
राज.संवाद/सी/25/7127 भू-सम्पति अधिकारी

कार्यालय नगर निगम, कोटा दक्षिण, राजस्थान
राजीव गांधी भवन, दशहरा मैदान, सी.ए.डी. सर्किल–कोटा
email :nnksouth@gmail.com, websites : www.urban,rajasthan.gov.in/nnks, Ph.: 0744-2502142
क्रमांक :– ननिको/दक्षिण/निर्माण/2025/552–566 दिनांक :–28.07.2025
ई–निविदा सूचना संख्या : 28/2025–26
नगर निगम कोटा (उत्तर/दक्षिण) द्वारा विभिन्न अभियान्त्रिकी विभागों "A" एवं "AA" श्रेणी एवं नगर निगम कोटा (उत्तर/दक्षिण) में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निम्नांकित कार्य हेतु कुल राशि 105.88 लाख रूपये की ऑन लाईन निविदायें दिनांक 01.08.2025 से दिनांक 11.08.2025 तक आमन्त्रित की जाती हैं। टेन्डर बेचे जाने, प्राप्त करने की तिथि व निविदा की शर्ते इत्यादि नगर निगम की वेबसाईट www.urban.rajasthan.gov.in/nnks http://sppp.raj.nic.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती हैं।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत (लाखों में)
1	नगर निगम कोटा दक्षिण के वार्ड संख्या 71 तलवण्डी एवं इन्द्रा विहार में विभिन्न स्थानो पर निर्माण/मरम्मत, पैच रिपेयर एवं अन्य विकास कार्य।	24.00
2	नगर निगम कोटा दक्षिण के वार्ड संख्या 71 इन्द्रा विहार में स्थित सोसायटी भवन में आवश्यक निर्माण/मरम्मत, एवं एवं अन्य विकास कार्य।	49.15
3	नगर निगम कोटा दक्षिण सीमा क्षेत्र में मुख्य मार्ग पर Mild Steel युनीपोल बनाने का कार्य।	32.73

NIB Code No.DLB2526A4011 UBN No.DLB2526WSOB12866
UBN No.DLB2526WSOB12867 UBN No.DLB2526WSOB12868
अधिशाषी अभियन्ता नगर निगम कोटा दक्षिण
राज.संवाद/सी/25/7155

RAJASTHAN POLICE INFRASTRUCTURE DEVELOPMENT CORPORATION LTD, JAIPUR
(Government of Rajasthan Undertaking) CIN NO. U45201RJ2013SGC083014, Regd. Office : 756, Police Head Quarter, Lal Kothi, Jaipur (Raj.), Phone: 0141-2740784, Fax: 0141-2744294, e-mail: rpidcl@rajasthan.gov.in
क्रमांक :- RPHCCL/469/NIT/2025-26/D-2098 दिनांक :- 28/07/2025
ई-निविदा सूचना सं0 19/2025-26
निम्नलिखित कार्यों के लिए राज्य/केन्द्र सरकार के अभियांत्रिकी विभागों/उपक्रमों में समकक्ष श्रेणी में पंजीकृत योग्य एवं अनुभवी संवेदकों से नियमानुसार पाँच वर्ष की डीएलपी के अन्तर्गत निर्धारित प्रपत्र में क्रम संख्या 01 से 04 तक की निविदा Two Bid System तथा क्रम संख्या 10 एवं 11 की निविदा एकल मद के तहत आमंत्रित की जाती है।

निविदा की कुल लागत	रूपये 1642.34 लाख
ऑनलाईन निविदा फॉर्म मिलने की तारीख	31 जुलाई 2025 प्रातः 9.30 बजे से 21 अगस्त 2025 सायं 4.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा फॉर्म जमा कराने की तारीख	21 अगस्त 2025 सायं 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तारीख	22 अगस्त 2025 सायं 4.00 बजे

निविदा सम्बन्धित जानकारी राजस्थान पुलिस की बेबसाइट www.police.rajasthan.gov.in/ www.sppp.raj.nic.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in पर भी उपलब्ध रहेगी। इच्छुक संवेदको को निविदा संबंधित जानकारी प्रबन्ध निदेशक कार्यालय से कार्यालय समय में प्राप्त की जा सकती है। भविष्य में निविदाओं में संशोधन होने पर उपरोक्त वेबसाइटों पर ही प्रेषित किया जावेगा।
UBN No. : RID2526WLOB00216, RID2526WSOB00217, RID2526WSOB00218, RID2526WSOB00219, RID2526WSOB00220
महाप्रबन्धक राजस्थान पुलिस आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड
राज.संवाद/सी/25/7137

पहलगाम में पर्यटकों की हत्या करने वाले तीनों आतंकवादी मारे गए

केन्द्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा, तीनों लश्करे तैयबा के ए श्रेणी के आतंकवादी थे

नयी दिल्ली, 29 जुलाई। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को लोकसभा में घोषणा की कि पहलगाम आतंकवादी घटना को अंजाम देने वाले तीनों आतंकवादी सोमवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में मारे गये।

शाह ने लोक सभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि ऑपरेशन महादेव के दौरान कल पहलगाम में 26 निर्दोष पर्यटकों की हत्या करने वाले आतंकवादी सुलेमान, अफगान और जिब्रान सैन्य बलों के साथ मुठभेड़ में मारे गये। उन्होंने बताया कि सुलेमान आतंकवादी संगठन लश्करे तैयबा का ए श्रेणी आतंकवादी और तथाकथित कमांडर था। अफगान और जिब्रान भी लश्करे तैयबा से जुड़े हुए ए श्रेणी के आतंकवादी थे।

उन्होंने बताया कि मारे गये तीनों आतंकवादियों के पहलगाम घटना में शामिल होने की पुष्टि इन्हें पनाह देने वालों से करायी गयी है। पहलगाम हमले में इस्तेमाल हथियारों से निकले खोखे की मिलान कर लिया गया है और इसकी पुष्टि हो गयी है कि इन आतंकवादियों के कब्जे से बरामद हथियार ही पहलगाम हमले में इस्तेमाल किये गये थे। शाह ने बताया कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने इन आतंकवादियों को पहलगाम घटना के बाद शरण और भोजन देने वालों को गिरफ्तार किया था। उनसे इन आतंकवादियों की पहचान करायी गयी है। इन आतंकवादियों के पास पाकिस्तान निर्मित चाकलेट बरामद की गयी थी।

- शाह ने लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान कहा कि 2014 के बाद से मोदी सरकार हर आतंकी हमले का करारा जवाब देती है।

उन्होंने कहा कि वह पहलगाम हमले में मारे गये पर्यटकों के पीड़ित परिजनों से कहना चाहते हैं कि पहलगाम आतंकवादी घटना को अंजाम देने वाले आतंकवादियों को सैन्य बलों ने सोमवार को मार गिराया है और पाकिस्तान में बैठे इनके आकाओं को ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान ही नेस्तनाबूद कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि पहली बार भारत ने पाकिस्तान के 100 किलोमीटर अंदर स्थित आतंकवादियों के ठिकानों पर हमला किया। इससे पहले पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में ही आतंकवादियों के ठिकानों पर हमला किया गया था।

शाह ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान स्थित नौ आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त करने के अलावा पाकिस्तान के 11 एयरबेस क्षतिग्रस्त किये गये इनमें नौ तो पूरी तरह नेस्तनाबूद कर दिया गया। पाकिस्तान के छह राडार सिस्टम ध्वस्त किये गये। इस तरह पाकिस्तान के सेना के कमर तोड़ दी गयी तो उसके पास युद्ध विराम करने की गुहार लगाने के अलावा कोई चारा नहीं था।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार की पूर्व में की गयी गलतियों के कारण ही पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ ावा दे रहा है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले आतंकवादी हमलों का पाकिस्तान को सटीक जवाब नहीं जाता था लेकिन अब मोदी सरकार हर आतंकवादी हमले का करारा जवाब देती है।

उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 हटाये जाने के बाद कश्मीर में आतंकवादी घटनाओं मे कमी आयी है। पथराव की घटनायें बंद हो गयी हैं। वहां आतंकवादी इकोसिस्टम को समाप्त कर दिया गया है। अब घाटी में बंद आहूत नहीं किये जाते।

सुप्रीम कोर्ट बिहार की मतदाता सूचि पर फिलहाल हस्तक्षेप नहीं करेगा

नयी दिल्ली, 29 जुलाई। उच्चतम न्यायालय ने बिहार विशेष गहन पुनरीक्षण में 65 लाख मतदाताओं के मतदाता सूची से बाहर होने की आशंकाओं पर मंगलवार को मौखिक रूप से फिर कहा कि यदि ऐसा हुआ तो न्यायालय हस्तक्षेप करेगा।

न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की ओर से पेश हुए अधिवक्ता प्रशांत भूषण की आशंका पर यह आश्वासन दिया। पीठ के समक्ष अधिवक्ता भूषण ने निर्वाचन आयोग के इस बयान का जिक्र किया कि 65 लाख लोगों ने पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान गणना फॉर्म जमा नहीं किए हैं। भूषण ने कहा कि इससे उन मतदाताओं के मतदान के अधिकार से वंचित होने की आशंका है।

- मतदाताओं को मतदाता सूचि से बाहर किये जाने पर कार्यवाही का आश्वासन।

शीर्ष अदालत बिहार विशेष गहन पुनरीक्षण को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर, सुनवाई 12 और 13 अगस्त को करने वाली है।

खड़गे पर नड्डा के बयान से राज्यसभा में बवाल मचा

बाद में नड्डा ने अपने शब्द वापस लिए और माफी मांगी

नयी दिल्ली, 29 जुलाई। राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान सदन के नेता जेपी नड्डा और विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के बीच तीखी नोंकझोंक हुई। दरअसल, खड़गे की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लेकर कही गईं बातों पर नड्डा ने आपत्ति जताई और कुछ ऐसा बोल गए कि विपक्ष ने हंगामा कर दिया। इसके बाद नड्डा ने अपने शब्द वापस ले लिए। अगर मेरी बात से किसी का दिल दुखा तो मैं माफी मांगता हूं, लेकिन खड़गे जी जैसे वरिष्ठ नेता ने देश के प्रधानमंत्री के लिए जैसी बातों का इस्तेमाल किया है, वो ठीक नहीं है।

- लेकिन नड्डा ने यह भी कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे जैसे वरिष्ठ नेता को प्रधानमंत्री की गरिमा का ख्याल रखना चाहिये था।

दरअसल, राज्यसभा में खड़गे के बयान पर कुछ आपत्तियों के साथ जेपी नड्डा ने बोलना शुरू किया। नड्डा ने कहा कि विपक्ष के नेता ने लंबा वक्तव्य दिया, लेकिन उनके कद के हिसाब से जिन शब्दों का इस्तेमाल किया गया, वो उनके स्तर के नहीं थे, जिस तरह से उन्होंने प्रधानमंत्री पर टिप्पणी की। मैं उनकी तकलीफ समझ सकता हूं कि प्रधानमंत्री ने उन्हें 11 साल से विपक्ष में बिठाए रखा है। प्रधानमंत्री दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। ये हमारे लिए भी और देश के लिए भी गौरव का विषय है। लेकिन आपकी चिंता पार्टी के लिए इतनी है कि उसमें देश का विषय भी गौण हो जाता है। आप भावावेश में आकर ऐसी टिप्पणियां करते हैं।

इसके बाद सदन में हंगामा हो गया और कांग्रेस सांसदों ने असंसदीय शब्द पर कड़ी आपत्ति जताई। इस पर नड्डा ने ये शब्द कार्यवाही से हटाने की अपील की। इससे सदन की कार्यवाही थोड़ी देर के लिए बाधित हुई। खरगे ने बयान को लेकर नड्डा से माफी की मांग की। इस पर नड्डा ने कहा कि आपको अगर ठेस पहुंची तो मैं माफी मांगता हूं, लेकिन आप भी भावावेश में इतना बह गए कि प्रधानमंत्री की गरिमा का भी ध्यान नहीं रख पाए।

ट्रंप ने रुस को 10-12 दिन का नया अल्टीमेटम दिया

लंदन, 29 जुलाई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यूक्रेन युद्धविराम पर सहमत होने के लिए रूस को "10 या 12 दिन" की एक नयी, छोटी समय सीमा दी है। यूक्रेनी राष्ट्रपति व्लादिमीर ज़ेलेंस्की ने इस अवधि को "बेहद महत्वपूर्ण" बताया है।

बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि अब और इंतज़ार करने का "कोई कारण" नहीं है, क्योंकि शांति की दिशा में कोई प्रगति नहीं हुई है। विदित हो कि दो सप्ताह पहले ट्रम्प ने कहा था कि राष्ट्रपति पुतिन के पास युद्ध समाप्त करने के लिए 50 दिन हैं, अन्यथा रूस को कड़े आयात शुल्कों का सामना करना पड़ेगा।

- रुस ने कहा, ट्रंप के अल्टीमेटम मॉस्को में काम नहीं करते।

कल स्कॉटलैंड में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर के साथ बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए, ट्रम्प ने यूक्रेन में चल रही गतिविधियों पर फिर से अपनी असहमति जताते हुए कहा कि उन्हें "अब बातचीत में कोई दिलचस्पी नहीं है"। सोमवार के ताज़ा घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए रूसी सांसद आंद्रेई गुरुल्योव ने कहा है कि ट्रम्प के अल्टीमेटम "अब काम नहीं कर रहे..न अग्रिम मोर्चे पर, न मॉस्को में" और रूस के पास "हथियारों, सिद्धांतों और इच्छाशक्ति" की ताकत है।

विदित हो कि शांति के लिए रूस ने शांति के लिए जो शर्तें रखीं हैं वे यूक्रेन और उसके पश्चिमी सहयोगियों को अस्वीकार्य हैं।

खड़गे ने कांग्रेस नेताओं को पिपलोदी भेजा

नई दिल्ली, 29 जुलाई। राजस्थान में झालावाड़ जिले के पिपलोदी गांव में स्कूल की जर्जर बिल्डिंग गिरने की घटना में सात बच्चों की मौत के बाद, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी नेताओं को वहां जाकर संबंधित पहलुओं की जानकारी जुटाने का निर्देश दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष राजेन्द्र पाल गौतम, अनुसूचित जनजाति विभाग के अध्यक्ष विक्रांत भूरिया और राजस्थान प्रदेश अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष बाबूलाल सांखला और अनुसूचित जनजाति विभाग के राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष गणेश घोघरा बुधवार को झालावाड़ का दौरा करेंगे। ये नेता पीड़ित परिवारों से मुलाकात करेंगे और अपनी रिपोर्ट कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को सौंपेंगे।

- ये नेता पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर कांग्रेस अध्यक्ष को रिपोर्ट देंगे।

उल्लेखनीय है पिपलोदी गांव के सरकारी स्कूल में हुए दर्दनाक हादसे के बाद शिक्षा विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। हादसे की जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद, कई अधिकारियों को तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

पहलगाम और ऑपरेशन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हाई-वोल्टेज प्रचार में विश्वास करती है, लेकिन जब जवाब देने की बात आती है, तो खामोश हो जाती है। कश्मीर के लोगों को यह जानने का हक है कि उनके नाम पर क्या किया जा रहा है।"

तृणमूल कांग्रेस की सयानी घोष ने सरकार पर कश्मीर को राजनीतिक युद्धक्षेत्र में बदलने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा: यह सरकार संवेदनशीलता और ज़िम्मेदारी दिखाने में असफल रही है। उन्होंने कहा, हम लोकतंत्र हैं प्रचार मशीन नहीं। सरकार को पता होना चाहिए शासन का अर्थ जन सुरक्षा और स्वतंत्रता की रक्षा है।

विपक्ष का यह तीखा हमला ऐसे समय में हुआ है, जब पहलगाम आतंकी हमले को लेकर जनता में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इस घटना ने फिर से यह बहस छेड दी है कि क्या सरकार की कश्मीर नीति और खुफिया एजेंसियों के बीच पर्याप्त समन्वय है। हालांकि, सरकार द्वारा विपक्ष के इन आरोपों पर विस्तृत जवाब सत्र के बाद में देने की संभावना है, लेकिन सोमवार को हुई बहस ने संसद में विपक्ष की एकता और सरकार की जनता के प्रति जवाबदेही पर एक संयुक्त सवाल खड़ा कर दिया है।

प्रधानमंत्री से 35 मिनट मीटिंग ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद, भजनलाल ने एक बयान भी जारी किया है, जिससे यह संकेत मिलता है कि वे अपनी स्थिति को लेकर आश्वस्त हैं। अपने वक्तव्य में मुख्यमंत्री भजनलाल ने दूरदर्शी नेतृत्व व निरन्तर सहयोग के लिये प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ वर्ष में राजस्थान निरंतर विकास सभी बाधाओं को पार करता जा रहा है और नई ऊँचाइयाँ छू रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने आने वाले समय में राजस्थान को और अधिक सहयोग देने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री भजनलाल ने इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी को प्रभु राम की प्रतिमा भी भेंट की।

डिंपल यादव पर कमैंट करने वाले मौलाना को कार्यकर्ता ने थप्पड़ मारा

नोएडा, 29 जुलाई। समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने पर मौलाना साजिद रशीदी को सपा कार्यकर्ता ने थप्पड़ मारा है। बताया जा रहा है कि यह वाकया नोएडा में एक निजी चैनल के स्टूडियो में हुआ है और अब घटना का वीडियो वायरल हुआ है। मौलाना ने कहा सपा नेता मोहित नागर ने उन्हें थप्पड़ जड़ा है और इससे उनके समर्थक भड़क गए हैं।

- मौलाना साजिद रशीदी ने नोएडा में दो सपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ हमला करने की शिकायत दर्ज की।

ज्ञातव्य है कि रशीदी ने डिंपल के पति और कन्नौज के सांसद अखिलेश यादव और दूसरे सपा सांसदों के साथ हाल ही में एक मस्जिद में मुलाकात करने जाने पर टिप्पणी की थी। मौलाना ने हाल ही में एक टेलीविजन बहस के दौरान मैनपुरी की सांसद के खिलाफ कुछ अपमानजनक टिप्पणियां की थीं। जिसपर स्थानीय निवासी प्रवेश यादव ने रशीदी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी।

छात्रसंघ चुनाव पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के मामले में इसे मूलभूत अधिकार माना है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट कह चुका है कि मूलभूत अधिकार को किसी कानून या कोर्ट आदेश से छीना नहीं जा सकता। वहीं लिंगदोह कमेटी की सिफारिशों के तहत, हर साल छात्रसंघ चुनाव कराए जाने चाहिए। कमेटी की सिफारिश के अनुसार, सत्र शुरु होने के छह से आठ सप्ताह के भीतर छात्रसंघ चुनाव होने चाहिए। याचिका में कहा गया कि विश्वविद्यालय ने लिंगदोह कमेटी की सिफारिशों के आधार पर एक कोड ऑफ कंडक्ट बना रखा है और यदि उसकी अवहेलना होती है तो नियमानुसार कार्यवाही का प्रावधान भी किया गया है। इसके बावजूद, विवि प्रशासन की ओर से ही इस कमेटी की सिफारिशों को नहीं माना जा रहा। याचिका में कहा गया कि कमेटी की सिफारिश होने तथा सुप्रीम कोर्ट की ओर से इसे मूलभूत अधिकार घोषित करने के बावजूद, भी राजस्थान विश्वविद्यालय प्रशासन ने शैक्षिणक सत्र 2025-26 के लिए छात्रसंघ चुनाव कराने के लिए अभी तक कोई अधिसूचना जारी नहीं की है। याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

मोदी ने चोल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अन्नाद्रमुक के जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर संबंध बनाए हैं।

पहले यह धारणा थी कि भाजपा अन्नाद्रमुक पर दबाव बना रही है, लेकिन अब अन्नाद्रमुक कार्यकर्ताओं को भी लगने लगा है कि यह साझेदारी स्वैच्छिक और सम्मानजनक हो सकती है।

मोदी की यात्रा के दौरान, अन्नाद्रमुक ने प्रधानमंत्री के तिरुचि रोड शो को सफल बनाने के लिए अपने कार्यकर्ताओं को संगठित किया, जो यह संकेत देता है कि पार्टी अब भाजपा के साथ काम करने को लेकर अपनी पुरानी झिझक छोड़ चुकी है। आगामी विधानसभा चुनावों से पहले, प्रधानमंत्री मोदी और अन्य भाजपा नेता कई बार तमिलनाडु का दौरा करेंगे। इन कार्यक्रमों में अन्नाद्रमुक कार्यकर्ताओं की भागीदारी दोनों पार्टियों के बीच विश्वास और समन्वय को और मजबूत कर सकती है।

महत्वपूर्ण बात यह है कि राज्य भाजपा अध्यक्ष नैनार नागेन्द्रन ने संकेत दिया है कि वह ईपीएस और अन्नाद्रमुक नेताओं को उनके राज्यव्यापी दौरे के दौरान भोजन पर आमंत्रित करेंगे, जो अगले महीने शुरू होने वाला है।

'राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के पास लगभग 34,000 मामले लंबित'

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष जस्टिस वी. रामसुब्रमण्यन ने पत्रकारों को जानकारी दी

हैदराबाद, 29 जुलाई। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति वी रामसुब्रमण्यन ने मंगलवार को बताया कि आयोग के पास वर्तमान में 34,685 से अधिक मामले लंबित हैं।

न्यायमूर्ति रामसुब्रमण्यन ने हैदराबाद स्थित डॉ. एमसीआर मानव संसाधन विकास संस्थान में आयोग के दो दिवसीय शिविर के दौरान एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आयोग देश भर में मानवाधिकार उल्लंघन संबधित मामलों पर सक्रिय रूप से स्वतः संज्ञान ले रहा है।

उन्होंने कहा "2021 में हमने ऐसे 17 मामले उठाए, 2022 में यह संख्या बढ़ कर 60, 2023 में 107 और 2024 में 105 हो गई। अब 2025 के मध्य तक यह संख्या 50 से अधिक हो गयी है।"

आयोग ने हैदराबाद में शिविर के दौरान दो खंडपीठों और एक पूर्ण आयोग सत्र के माध्यम से 87 मामलों का निपटारा किया जिनमें क्रमशः 36 और 51 मामले खंडपीठों द्वारा और 19 मामले पूर्ण पैनल द्वारा निपटाए गए।

- जस्टिस राममूर्ति ने हैदराबाद के डॉ.एम.सी.आर. मानव संसाधन विकास संस्थान में दो दिवसीय शिविर में शिरकत की।

उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि आयोग ने हिरासत में हुई मौतों के मामलों में मुआवज़े के आदेश जारी कर दिए हैं। इनमें से अधिकांश भुगतान पहले ही किए जा चुके हैं और अन्य चार हफ्तों के भीतर होने की उम्मीद है।

न्यायमूर्ति रामसुब्रमण्यन ने कहा "तेलंगाना में हमारे पास केवल 780 मामले लंबित हैं। इनमें पुलिस हिरासत में हुई मौतों के चार मामले और न्यायिक हिरासत में हुई मौतों के 30 मामले शामिल हैं।"

न्यायमूर्ति रामसुब्रमण्यन ने मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका पर ज़ोर देते हुए कहा "हम समाचार पत्रों और सोशल मीडिया पर कड़ी नज़र रखते हैं। जब भी हमें हिरासत में मौत, खुले नालों में गिरने से मौत, स्कूलों या छात्रावासों में लापरवाही के कारण आत्महत्या जैसी घटनाओं का पता चलता है, हम कार्रवाई करते हैं। मीडिया हमें समाज की नब्ज़ पढ़ ने में मदद करता है।"

उन्होंने कुछ हालिया मामलों का हवाला दिया जिनमें एक किशोर को गलत तरीके से 40 दिनों की जेल हुई थी। इस बाबत उसे मुआवज़ा दिया गया। इसी प्रकार स्कूलों में बड़े पैमाने पर खाद्य विषाक्तता के मामले शामिल हैं जिनकी जाँच की जा रही है।

अध्यक्ष ने एक उल्लेखनीय हस्तक्षेप का भी उल्लेख किया जहाँ राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने बिहार से अपहृत एक लड़की का पता लगाने और उसे बचाने में मदद की। वह राजस्थान में मिली थी और सीमा पार मानव तस्करी के लिए भेजी जाने वाली थी।

वैश्विक मानव स्वतंत्रता सूचकांकों में भारत की रैंकिंग पर न्यायमूर्ति रामसुब्रमण्यन ने इस रैंकिंग में असमानताओं को स्वीकार करते हुए कहा कि आयोग नीति कार्यान्वयन में सुधार के लिए राज्य सरकारों के साथ नियमित रूप से बातचीत करता है।

उन्होंने कहा "हम यहाँ केवल बोलने के लिए नहीं हैं। हम यहाँ सुनने के लिए हैं। मीडिया की, कार्यकर्ताओं की और अधिकारों के उल्लंघन का सामना करने वालों की हम सुनेंगे। यह सहयोग वास्तविक बदलाव की कुंजी है।"

लैफ्टिनैंट जनरल प्रतीक ने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल से मुलाकात की

श्रीनगर, 29 जुलाई। उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (जीओसी-इन-सी) लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने मंगलवार को यहां उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात की और उन्हें ऑपरेशन महादेव के बारे में जानकारी दी।

इस मौके पर उनके साथ 15वीं कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) लेफ्टिनेंट जनरल प्रशांत श्रीवास्तव भी मौजूद थे।

आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि उपराज्यपाल ने ऑपरेशन महादेव की सफलता के लिए सेना, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस को बधाई दी। चुनौतीपूर्ण दाचीगाम के जंगल में चलाए गए इस महत्वपूर्ण ऑपरेशन के परिणामस्वरूप पहलगाम के जघन्य आतंकवादी हमले के लिए जिम्मेदार तीन पाकिस्तानी आतंकवादियों का सफाया हो गया।

- प्रतीक उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ हैं।
- उन्होंने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा को ऑपरेशन महादेव की जानकारी दी।

उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ ने बताया कि पिछले कुछ महीनों से दक्षिण कश्मीर के दाचीगाम के जंगल क्षेत्रों में तलाशी अभियान जारी था। इस क्षेत्र में आतंकवादियों के छिपे होने की लगातार खबरें मिल रही थीं। हाल ही में विशिष्ट खुफिया सूचनाओं के आधार पर, विशेष टीमों को सक्रिय किया गया था। इसके बाद सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने खुफिया एजेंसियों की सहायता से एक संयुक्त अभियान शुरू किया, जिसके परिणामस्वरूप पाकिस्तानी आतंकवादियों का सफाया हो गया।

बस-ट्रक भिंड़त...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सड़क पर गिर पड़ा। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बस दो सौ मीटर आगे जाकर ईंटों के ढ ेर से टकराकर रुक गई। इसके बाद अफरा-तफरी मच गई। हादसा मंगलवार सुबह 5 बजे देवघर के मोहनपुर प्रखंड के जमुनिया चौक के पास नावापुरा गांव में हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का आधा हिस्सा पूरी तरह से धंस गया। कांवड़ियों के झोले और सामान बस में लटके दिख रहे हैं। हादसे में बस का ड्राइवर सीट समेत नीचे गिर गया। 100 मीटर तक बस बिना ड्राइवर के चली।

दिल्ली-एनसीआर में अगले सात दिन भारी बारिश की आशंका

मौसम विभाग ने रैड अलर्ट जारी किया

नयी दिल्ली, 29 जुलाई। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और अन्य राज्यों में अगले सात दिनों में बारिश होने का अनुमान जताया है।

- दिल्ली-एनसीआर में मंगलवार को भी तेज बारिश हुई, जिससे जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ।

आईएमडी के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में आज मूसलाधार बारिश होने के बाद रेड अलर्ट जारी कर दिया। राजधानी समेत पूरे एनसीआर में आज सुबह से तेज बारिश होने से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। मौसम विभाग ने दिल्ली में आज पूरे दिन बारिश रुक-रुक बारिश होने का अनुमान जताया था, जब सुबह शुरू हुई तेज बारिश के कारण आईटीओ, धौला कुआं, नारायणा, पटेल नगर, विजय चौक, जंगपुरा, आर के पुरम, लाजपत नगर, तालकटोरा रोड, रफी मार्ग, वजीरपुर, भजनपुरा और रोहिणी से लेकर लगभग पूरे दिल्ली के इलाकों में सड़कों पर पानी भर गया। सड़कों पर पानी जमा होने से यातायात जाम हो गया और वाहनों की लम्बी कतारें देखी गयी है। वहीं नोएडा में कई जगहों पर भारी जलभराव हो गया है, जिससे सड़कों पर लंबा जाम लग गया।

क्षेत्रीय मौसम केंद्र के अनुसार अगले सात दिनों तक, यानी तीन अगस्त तक दिल्ली-एनसीआर में बारिश जारी रहने के आसार है। कई इलाकों के लिए रैड अलर्ट जारी किया गया है।

नेतृत्व सिर्फ श्रेय लेना नहीं होता, जिम्मेवारी भी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ज़्यादातर लोगों के पास सुरक्षा कवर है, लेकिन उस दिन पहलगाम में 26 लोग अपने परिवार के सामने मारे गए। वहां मौजूद किसी के पास कोई सुरक्षा व्यवस्था नहीं थी। आप कितने भी ऑपरेशन कर लें, सच नहीं छुपा सकते।"

उन्होंने सवाल किये, "बैसारन में एक भी सुरक्षा जवान क्यों नहीं था? क्या नागरिकों की सुरक्षा प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और रक्षा मंत्री की ज़िम्मेदारी नहीं है?"

उन्होंने कहा, "आज गृह मंत्री अमित शाह ने मेरी मां के आंसुओं की बात की। मैं जवाब देना चाहती हूं, मेरी मां के आंसू तब गिरे थे, जब आतंकवादियों ने मेरे पिता को मार दिया था। आज जब मैं उन 26 लोगों की बात करती हूं, तो इसलिए, क्योंकि मैं उनका दर्द समझती हूं।"

कांग्रेस महासचिव ने सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह सरकार जिम्मेदारी से भागती है। "कल रक्षा मंत्री (राजनाथ सिंह) ने एक घंटे का भाषण दिया, जिसमें उन्होंने बहुत सारी चीजों के बारे में बातें कीं, लेकिन उन्होंने एक बात को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। 22 अप्रैल, 2025 को 26 देशवासी मारे गए, लेकिन यह हमला कैसे और क्यों हुआ?"

प्रियंका गांधी ने कहा कि यह सरकार हर राष्ट्रीय त्रासदी को राजनीतिक मुद्दा बना देती है। "यह सरकार हर बार सवालों से भागती है, देश की जनता के प्रति कोई जवाबदेही नहीं है। सच्चाई यह है कि उनके दिलों में जनता के लिये कोई जगह ही नहीं है। इनके लिए सब कुछ राजनीति है, प्रचार है।"

प्रियंका ने अपने भाषण में कहा, "साहब, आप इतिहास की बात करते हैं, मैं वर्तमान की बात करूंगी। आप हमेशा बहाने ढूंढ़ते हैं, पूरी (गांधी) फैमिली को गिनवाते हैं, आप 11 साल से सत्ता में हैं। कल गौरव गोगोई ने गृह मंत्री से सवाल किया, क्या वह आपकी ज़िम्मेदारी नहीं थी? रक्षा मंत्री राजनाथ जी सिर हिला रहे थे, लेकिन गृह मंत्री हँस रहे थे।

जब प्रियंका ने लोकसभा में अपना पहला नाम पढ़ा तो सत्तापक्ष की ओर से 'हिंदू' के नारे लगे। उन्होंने जवाब में कहा, "भारतीय"।

प्रियंका ने लोकसभा में "ऑपरेशन सिंदूर" पर चर्चा के दौरान कहा, "उस दिन 26 भारतीय परिवार बर्बाद हो गए। उनके लिये कोई सुरक्षा व्यवस्था नहीं थी। आप कितने भी ऑपरेशन कर लें, इस सच्चाई को नहीं छुपा सकते। हम सब उन परिवारों के प्रति जवाबदेह हैं। उन्हें सच्चाई जानने का हक है।" उन्होंने कहा, "यह सरकार सिर्फ जवाब देने से बचने की कोशिश करती है।"

जब गृह मंत्री अमित शाह लोकसभा को संबोधित कर रहे थे, तब उन्होंने पहलगाम हमले के जिम्मेदार आतंकियों के मारे जाने का विवरण दिया, उन्होंने, हमेशा की तरह, 1948 से लेकर 1962 की भारत-चीन लड़ाई तक की बातें कीं और नेहरू के कार्यकाल पर आरोप लगाए थे।

उन्होंने 2004 से 2014 के बीच यूपीए शासन के दौरान पूरे देश में हुए 25 आतंकी हमलों की सूची भी पेश की थी।

प्रियंका ने शाह पर पलटवार करते हुए कहा, "उन्होंने यूपीए शासन के दौरान हुए 25 हमलों की बात की। वहीं, टीआरएफ आतंकी संगठन, जिसने पहलगाम हमले की ज़िम्मेदारी ली, उसने अप्रैल 2020 से लेकर अब तक कश्मीर में ही 25 हमले किए हैं। मुंबई हमलों के दौरान सभी आतंकियों को (एक को छोड़कर) तुरंत मार दिया गया था। तत्कालीन गृह मंत्री और मुख्यमंत्री ने इस्तीफा दिया था।"

उन्होंने कहा, "हर बार जब भी कोई घटना होती है, वे मेरे परिवार के लोगों के नाम गिनाने लगते हैं। आप 11 साल से सत्ता में हैं। यह समय आप की सत्ता के दौरान हो रही घटनाओं की जिम्मेदारी लेने का है।

पठानकोट, उरी और पुलवामा जैसे हमलों का ज़िक्र करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा, "ये सभी हमले तब हुए, जब मोदी प्रधानमंत्री थे। उस समय के गृह मंत्री आज रक्षा मंत्री हैं। मणिपुर को आज के गृह मंत्री के कार्यकाल में जलाया गया। लेकिन उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया।"

वायनाड से पहली बार सांसद बनीं प्रियंका ने कहा कि मोदी सरकार कोई ज़िम्मेदारी नहीं लेती है।

उन्होंने कहा, "बम धमाके सुर्खियां बनते हैं, लेकिन असली कहानी चूक में निहित होती है। किसी ने जवाब नहीं दिया कि 22 अप्रैल को क्या हुआ और क्यों हुआ? बैसारन वैली में एक भी सैनिक क्यों नहीं था? वहाँ मेडिकल सुविधा क्यों नहीं थी? उन्होंने कहा, (शाह) इतिहास के पन्नों में चले गए। नेहरू, इंदिरा गांधी, मेरी मां के आंसू, लेकिन उन्होंने (असली) सवाल का जवाब नहीं दिया।

प्रियंका ने कहा, "लीडरशिप का मतलब सिर्फ श्रेय लेना नहीं होता, ज़िम्मेदारी लेना भी होता है। यह कांटों का ताज है, सोने का नहीं। मोदी ऑपरेशन सिंदूर का श्रेय लेना चाहते हैं। वे खिलाड़ियों के ओलंपिक पदक जीतने का श्रेय भी लेते हैं। लेकिन सिर्फ श्रेय लेने से कोई नेता नहीं बनता। जवाबदेही भी ज़रूरी है। इस सरकार की राजनीतिक कायरता इस हद तक है कि कोई भी जवाबदेही लेने को तैयार नहीं।

प्रियंका ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर का लक्ष्य अभी भी अधूरा है।

उन्होंने कहा, "अगर ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य पाकिस्तान को सबक सिखाना था, तो यह अब भी अधूरा है। पाकिस्तान के जनरल ने अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ लंच किया। पाकिस्तान आज संयुक्त राष्ट्र के एंटी-टैरर ग्रुप की अध्यक्षता कर रहा है, इससे (ऑपरेशन सिंदूर के) उद्देश्य को आघात पहुंचा है।

प्रियंका गांधी का आज का लोकसभा भाषण सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। उनका भाषण यूट्यूब समेत, कई सोशल मीडिया साइट्स पर वायरल हो रहा है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908